रायपुर। शुक्रवार, 11 सितम्बर, 2026
भाद्रपद कृष्ण पक्ष अमावस्या सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 1, अंक : 40/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
# विश्व केसरी
छत्तीसगढ़ एवं नई दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
सिर्फ पत्रकारिता...
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ खेल ईस्ट जोन के लिए खत्म हुआ 13 साल का सूखा...
@ विचार 'लघु' पत्रिकाओं के सामने 'बड़ी' चुनौतियाँ...
@ व्यापार सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार ...

## विश्व केसरी खबर झरोखा

### ताजिकिस्तान से लेकर अफगानिस्तान तक कांपी धरती

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) ने ताजिकिस्तान और अफगानिस्तान में भूकंप की जानकारी दी है। एनसीएस ने अपने आधिकारिक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर इसके बारे में बताया। दोनों ही भूकंप हिंदू कुश क्षेत्र में आए हैं, जो भूकंपीय दृष्टि से बेहद संवेदनशील माना जाता है।

जानकारी के मुताबिक, ताजिकिस्तान में गुरुवार शाम 10 सितंबर, 2026 को 5 बजकर 51 मिनट (आईएसटी) पर भूकंप के झटके महसूस किए गए। इसकी तीव्रता रिक्टर स्केल पर 4.6 मापी गई। भूकंप का केंद्र 37.907 अक्षांश और 72.742 देशांतर पर था और इसकी गहराई 132 किलोमीटर दर्ज की गई। इसका स्थान अफगानिस्तान के फैजाबाद शहर से लगभग 213 किलोमीटर पूर्व-उत्तर पूर्व (ईएनई) में बताया जा रहा है।

भूकंप की गहराई ज्यादा होने की वजह से इसके झटके कई इलाकों में महसूस किए गए, लेकिन अभी तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान की कोई खबर नहीं है।

### अमेरिकी 'आर्थिक युद्ध' को ईरान ने बताया 'आर्थिक आतंकवाद', संयुक्त राष्ट्र और सुरक्षा परिषद को लिखा पत्र

**तेहरान।** ईरान के खिलाफ चलाए जा रहे अमेरिकी 'आर्थिक युद्ध' को ईरान ने 'आर्थिक आतंकवाद' बताया। ईरान की 27 एयरलाइंस और नागरिक विमानन से जुड़ी संस्थाओं पर लगाए गए नए अमेरिकी प्रतिबंधों की निंदा करते हुए संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत गुलाम हुसैन दर्जी ने संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस और सुरक्षा परिषद के मौजूदा अध्यक्ष को पत्र लिखा।

राजदूत गुलाम हुसैन ने कहा कि ईरान के खिलाफ अपने मकसद में नाकाम रहने के बाद, अमेरिका ने आक्रामकता के एक वैकल्पिक तरीके के तौर पर आर्थिक दबाव का रास्ता अपनाया है। अमेरिका 'ऑपरेशन इकोनॉमिक आउटकास्ट' के जरिए आम नागरिकों के लिए जरूरी क्षेत्रों को व्यवस्थित रूप से निशाना बनाकर और ईरानी जनता को अहम सामान और सेवाओं से वंचित रखकर उन्हीं मकसदों को हासिल करने की कोशिश कर रहा है।

### जंतर-मंतर मारपीट का मामला: स्वतंत्र भारद्वाज ने दाखिल की जमानत याचिका, 14 सितंबर को होगी सुनवाई

**नई दिल्ली।** कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान जंतर-मंतर पर निशु आजाद के पिता के साथ हुई मारपीट के मामले में गिरफ्तार आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज ने जमानत के लिए अदालत का दरवाजा खटखटाया है। स्वतंत्र भारद्वाज ने पटियाला हाउस कोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है। स्वतंत्र भारद्वाज के वकील ने पटियाला हाउस कोर्ट के जिला न्यायाधीश के समक्ष याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की, लेकिन अदालत ने तत्काल सुनवाई से इनकार कर दिया।

# भारत ने किया अगले अंतरिक्ष अभियान में साझेदारी का आह्वान

## पेरिस स्पेस सम्मेलन में पीएम मोदी का वैश्विक देशों को निमंत्रण

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को पेरिस में आयोजित पहले अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष शिखर सम्मेलन को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए फ्रांस समेत दुनियाभर के देशों को भारत के आगामी अंतरिक्ष अभियानों में साझेदार बनने का आमंत्रण दिया। उन्होंने कहा कि भारत का अंतरिक्ष कार्यक्रम केवल राष्ट्रीय उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसका उद्देश्य अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के लाभों को पूरी मानवता तक पहुंचाना है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत का अंतरिक्ष दृष्टिकोण 'वसुधैव कुटुंबकम्', अर्थात एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य की भावना पर आधारित है। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय कानून, संवाद और बहुपक्षीय सहयोग पर आधारित सुरक्षित, संरक्षित, शांतिपूर्ण और टिकाऊ अंतरिक्ष व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि भविष्य का अंतरिक्ष क्षेत्र टकराव के बजाय सहयोग, अल्पकालिक लाभ के बजाय स्थिरता और बहिष्कार के बजाय समावेशिता के सिद्धांतों पर आगे बढ़ना चाहिए।

अपने संबोधन में प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि इसरो ने कम लागत में प्रभावी और विश्वसनीय अंतरिक्ष मिशन संचालित करके वैश्विक पहचान बनाई है। उन्होंने बताया कि इसरो की तकनीकें किसानों, मछुआरों, मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन और नेविगेशन जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

प्रधानमंत्री ने कहा कि अब तक 34 देशों के 430 से अधिक उपग्रह भारतीय प्रक्षेपण यानों के माध्यम से अंतरिक्ष में भेजे जा चुके हैं। यह भारत की अंतरिक्ष क्षमताओं पर दुनिया के बढ़ते विश्वास का प्रमाण है। उन्होंने इस उपलब्धि का श्रेय उन वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों को दिया जिन्होंने दशकों की मेहनत से इसरो को वैश्विक प्रतिष्ठा दिलाई।

उन्होंने हाल के अंतरिक्ष मिशनों का उल्लेख करते हुए कहा कि चंद्रयान-3 ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रचा, जबकि आदित्य-एल1 मिशन सूर्य के अध्ययन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां जुटाने में लगा हुआ है। इन उपलब्धियों ने भारत को वैश्विक अंतरिक्ष समुदाय में एक महत्वपूर्ण स्थान दिलाया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की भविष्य की अंतरिक्ष योजनाओं पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने दोहराया कि भारत 2035 तक अपना अंतरिक्ष स्टेशन स्थापित करने और 2040 तक भारतीय अंतरिक्ष यात्री को चंद्रमा पर भेजने का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि ये महत्वाकांक्षी लक्ष्य केवल भारत के नहीं, बल्कि वैश्विक साझेदारी और वैज्ञानिक सहयोग के माध्यम से मानवता की सामूहिक प्रगति के लक्ष्य हैं।

# लालू यादव, राबड़ी देवी और तेजस्वी समेत 9 आरोपियों पर आरोप तय

## आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग मामला

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आईआरसीटीसी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव, राबड़ी देवी, बिहार के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और अन्य आरोपियों के खिलाफ धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत आरोप तय कर दिए हैं। वहीं, अदालत ने इस मामले में सात आरोपियों को बरी भी कर दिया। मामले की अगली सुनवाई 3 अक्टूबर को होगी।

विशेष न्यायाधीश (पीसी एक्ट) विशाल गोगने ने लालू प्रसाद यादव, तेजस्वी यादव, राबड़ी देवी, सरला गुप्ता, लारा प्रोजेक्ट्स एलएलपी, सुजाता होटल्स और अन्य आरोपियों के खिलाफ आरोप तय करने का आदेश दिया।

सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि प्रथम दृष्टया ऐसा नहीं लगता कि लालू प्रसाद यादव के खिलाफ की गई जांच राजनीतिक रूप से प्रभावित थी। अदालत ने यह भी कहा कि लारा प्रोजेक्ट्स को जिस तरह कथित लाभ मिला, उससे लालू यादव की भूमिका पर संदेह पैदा होता है। इससे पहले 13 अक्टूबर 2025 को इसी अदालत ने सीबीआई के मामले में लालू यादव के खिलाफ भ्रष्टाचार, आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी समेत विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए थे। राबड़ी देवी और तेजस्वी यादव पर भी आपराधिक साजिश और धोखाधड़ी सहित कई आरोप तय किए गए थे।

# ब्रिक्स शिखर सम्मेलन: दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था सख्त

## 15 हजार पुलिसकर्मी और अर्द्धसैनिक बलों की 200 कंपनियां तैनात

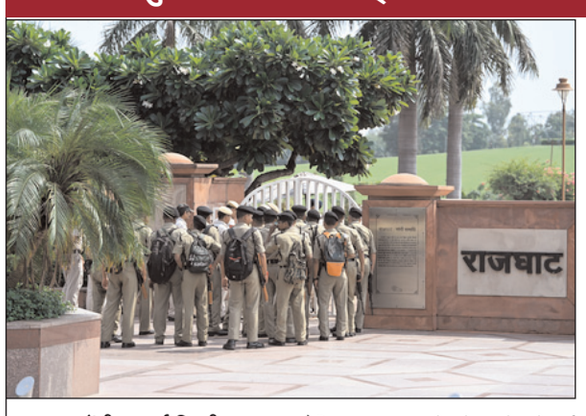


एजेंसी ■ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले राजधानी में सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय कर 15,000 पुलिसकर्मियों और अर्द्धसैनिक बलों की करीब 200 कंपनियों की तैनाती की है। साथ ही वीवीआईपी आवाजाही को देखते हुए आम लोगों के लिए ट्रैफिक एडवाइजरी भी जारी की गई है।

दिल्ली पुलिस की प्रोटेक्टिव सिक्योरिटी डिवीजन (पीएसडी) के विशेष पुलिस आयुक्त मनीष कुमार अग्रवाल ने गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि राष्ट्राध्यक्षों, सरकार प्रमुखों, विदेशी प्रतिनिधिमंडलों और मंत्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ-साथ आम लोगों को कम से कम असुविधा हो, यह भी हमारी प्राथमिकता है।

उन्होंने कहा कि बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था के तहत भारत मंडपम, हवाई अड्डों, विदेशी मेहमानों के ठहरने वाले होटलों और उन सभी स्थानों पर व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं, जहां उनकी निर्धारित या संभावित बैठकें हो सकती हैं।

विशेष पुलिस आयुक्त ने बताया कि सम्मेलन के मद्देनजर कुछ मार्गों पर निर्धारित समय के लिए ट्रैफिक प्रतिबंध लगाए जाएंगे। उन्होंने लोगों से दिल्ली पुलिस की एडवाइजरी का पालन करने की अपील करते हुए कहा कि ये प्रतिबंध केवल वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान सीमित समय के लिए होंगे, किसी भी मार्ग को पूरी तरह बंद नहीं किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था के लिए कई एजेंसियों के साथ समन्वय किया है।

# अभिषेक बनर्जी के सहयोगी सुमित रॉय गिरफ्तार

एजेंसी ■ कोलकाता

पश्चिम बंगाल पुलिस के आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस के महासचिव और डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी के निजी सहायक सुमित रॉय को पश्चिम मिदनापुर जिले के सालबोनी में कथित करोड़ों रुपये के भूमि घोटाले के मामले में गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी सुप्रीम कोर्ट द्वारा सुमित रॉय को गिरफ्तारी सहित किसी भी तरह की दंडात्मक कार्रवाई से मिली अंतरिम राहत वापस लेने के कुछ घंटों बाद हुई। शीर्ष अदालत ने कहा कि मौका दिए जाने के बावजूद रॉय ने जांच में पर्याप्त सहयोग नहीं किया।

अधिकारियों के अनुसार, सुप्रीम कोर्ट के फैसले की जानकारी मिलते ही सीआईडी की एक टीम दक्षिण कोलकाता के कालीघाट स्थित अभिषेक बनर्जी के आवास पहुंची, जहां सुमित रॉय मौजूद थे।

सूत्रों के मुताबिक, सीआईडी अधिकारियों के आवास में प्रवेश के दौरान निजी सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें रोकने की कोशिश की, जिससे कुछ देर के लिए हल्का विवाद हुआ। हालांकि, पुलिस बल के साथ पहुंचे सीआईडी अधिकारियों ने बाद में घर में प्रवेश कर सुमित रॉय को हिरासत में ले लिया। इसके बाद उन्हें पूछताछ के लिए सीआईडी मुख्यालय भवानी भवन ले जाया गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सुमित रॉय को गुरुवार देर शाम या शुक्रवार को पश्चिम मिदनापुर की अदालत में पेश किया जा सकता है, जहां सीआईडी उनकी पुलिस हिरासत की मांग करेगी।

सालबोनी भूमि घोटाला मामले में सुमित रॉय को मुख्य आरोपी बताया गया है। उनकी अग्रिम जमानत याचिका पहले कलकत्ता हाई कोर्ट ने खारिज कर दी थी, जिसके बाद उन्होंने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था।

इस मामले की सुनवाई प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वेंकट सुब्बा राव मोहना की पीठ ने की। अंतरिम राहत हटने के बाद जांच एजेंसी के सामने गिरफ्तारी में कोई कानूनी बाधा नहीं रही।

# 'जीवित रहने तक लोगों की सेवा करना चाहता हूं': अन्ना हजारे

उमाकांत ■ मुंबई

वरिष्ठ समाजसेवी और भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के प्रमुख चेहरे अन्ना हजारे को गुरुवार को बॉम्बे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें करीब 10 दिन पहले मूत्र संक्रमण की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद अन्ना हजारे ने कहा कि उनका जीवन का एकमात्र उद्देश्य अंतिम सांस तक लोगों की सेवा करना है।

पत्रकारों से बातचीत में 90 वर्षीय अन्ना हजारे ने कहा, अभी मेरी तबीयत ठीक है। स्वास्थ्य थोड़ा बिगड़ गया था, लेकिन अब पहले से बेहतर हूं। मेरी उम्र 90 साल हो गई है और मैं 100 साल पूरे करना चाहता हूं। उन्होंने कहा, 'आज तक 90 साल की उम्र तक मैंने लोगों और देश की सेवा की है। अब भी 100 साल की उम्र तक सेवा जारी रखना चाहता हूं।

# जोखिमपूर्ण भवनो की जांच में होगी लापरवाही, तो तय होगी जवाबदेही - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

## छात्रों और नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता, संभावित खतरों की पहले पहचान कर करें प्रभावी कार्रवाई

संवाददाता ■ रायपुर

विद्यार्थियों और नागरिकों के जीवन की सुरक्षा शासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रशासन की जिम्मेदारी केवल किसी घटना के बाद कार्रवाई करने तक सीमित नहीं है, बल्कि संभावित खतरों की पहले से पहचान कर उन्हें दूर करना भी हमारी जिम्मेदारी है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी संभागायुक्तों, पुलिस महानिरीक्षकों, कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों तथा वरिष्ठ प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों की उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभी जिलों में हॉस्टल, पीजी, कोचिंग सेंटर, स्कूल तथा बड़े शैक्षणिक भवनों का तत्काल निरीक्षण एवं सेफ्टी ऑडिट कराने के निर्देश देते हुए कहा कि जहां भी सुरक्षा संबंधी कमियां सामने आएं, वहां समय-सीमा निर्धारित कर आवश्यक सुधार सुनिश्चित कराया जाए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कलेक्टरों और पुलिस अधीक्षकों से कहा कि वे अपने-अपने जिलों में स्वयं इसकी नियमित निगरानी करें और यह सुनिश्चित करें कि शासन के निर्देशों का प्रभावी क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर दिखाई दे।

मुख्यमंत्री साय ने स्कूलों, पुस्तकालयों, छात्रावासों तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर स्थित पुराने एवं जर्जर भवनों की वास्तविक स्थिति का आकलन करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऐसे भवन, जिनकी स्थिति जोखिमपूर्ण है अथवा जिनसे किसी प्रकार की जनहानि की आशंका हो सकती है, उनकी पहचान कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान हो और दुर्घटना की आशंका को पहले ही समाप्त कर दिया जाए। विशेष रूप से बच्चों और विद्यार्थियों से जुड़े संस्थानों में सुरक्षा मानकों के पालन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए।

उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जिलों में सुरक्षा से संबंधित निरीक्षण की प्रभावी व्यवस्था विकसित की जाए। केवल शिकायत अथवा दुर्घटना सामने आने के बाद कार्रवाई करने की प्रवृत्ति के स्थान पर सतत निगरानी और समय रहते सुधार की कार्यसंस्कृति विकसित करनी होगी।

अवैध और मिलावटी शराब के विरुद्ध प्रदेशभर में सख्त अभियान चलाने के निर्देश

मुख्यमंत्री श साय ने अधिकारियों को अवैध एवं मिलावटी शराब के निर्माण, बिक्री, भंडारण और परिवहन के विरुद्ध कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आबकारी विभाग, पुलिस और जिला प्रशासन को आपसी समन्वय के साथ विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। जिन क्षेत्रों अथवा स्थानों पर अवैध शराब के निर्माण, भंडारण, बिक्री या मिलावट की आशंका हो, वहां संयुक्त टीमों के माध्यम से छापेमारी की जाए।

## तीर तेवर — सागर कुमार

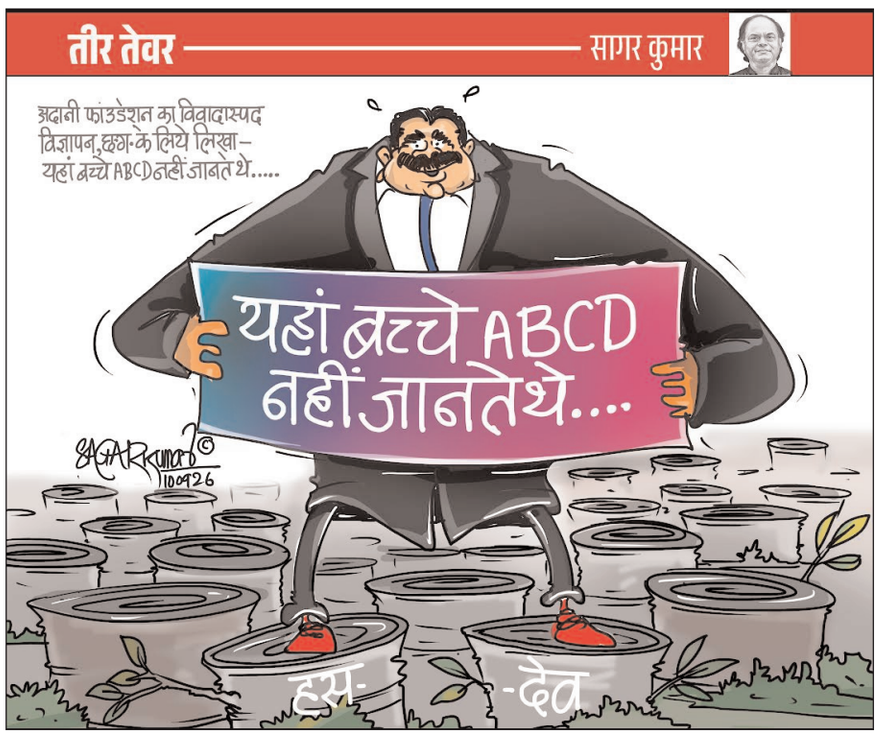

# गुरु रविदास जयंती पर 231 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं को मिली मंजूरी

विश्व केसरी■

**गांधीनगर।** गुजरात सरकार ने गुरुवार को सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने और संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती मनाने के मकसद से कई प्रोजेक्ट्स के लिए 231 करोड़ रुपये से ज्यादा की राशि आवंटित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने 15वीं गुजरात विधानसभा के नौवें सत्र के दूसरे दिन विधानसभा में नियम 44 के तहत यह घोषणा की।'समरसता संकल्प अभियान' के तहत, प्रस्तावित आवंटन में शिक्षा, हॉस्टल, लाइब्रेरी, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, एक आश्रम के विकास और अनुसूचित जातियों के संतों से जुड़े परिसरों के आधुनिकीकरण के लिए फंड शामिल है।

सरकार ने राज्य स्तर पर डॉ. बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर भवन के निर्माण के लिए 40 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा है, जिसमें शिक्षा, हॉस्टल, लाइब्रेरी और प्रतियोगी परीक्षाओं की क्लास जैसी सुविधाएं होंगी।

संत शिरोमणि गुरु रविदासजी महाराज विद्याश्रय योजना के तहत कॉलेज के छात्रों के लिए हॉस्टल और पीजी सहायता के लिए 50 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा गया है। जूनागढ़ में भक्त कवि नरसिंह मेहता यूनिवर्सिटी में संत शिरोमणि गुरु रविदासजी महाराज चेयर सेंटर भी स्थापित किया जाएगा।

सरकार ने गुजरात की 70 यूनिवर्सिटीज में क्विज प्रतियोगिता, पुरस्कार, होर्डिंग और बैनर जैसी गतिविधियों के साथ-साथ गुरु रविदास के जीवन और कार्यों पर किताबें और ऑडियोबुक तैयार करने के लिए भी अनुदान का प्रस्ताव रखा है। सभी तालुकाओं में सांस्कृतिक कार्यक्रमों के लिए 5.36 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा गया है, जबकि हर तालुका में एक समरस भवन और लाइब्रेरी बनाने के लिए 93.80 करोड़ रुपये तय किए गए हैं।

सरकार ने जूनागढ़ जिले के विसावदर तालुका के सरसाई गांव में आश्रम के समग्र विकास के लिए 10 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा है। अनुसूचित जातियों के विभिन्न संतों की झोपड़ियों और आश्रमों वाले परिसरों के आधुनिकीकरण और नवीनीकरण के लिए 30 करोड़ रुपये का प्रस्ताव रखा गया है।

सीएम पटेल ने कहा कि इस पहल का मकसद गुरु रविदास से जुड़े सामाजिक सद्भाव के आदर्शों को और बढ़ावा देना है। मुख्यमंत्री पटेल ने अपने बयान में कहा, 'गुरु रविदास जी महाराज न केवल एक संत थे, बल्कि समानता, सामाजिक न्याय, प्रेम, करुणा और मानवता के अग्रदूत भी थे। उनका सपना सिर्फ एक समुदाय के कल्याण का नहीं, बल्कि पूरे देश के कल्याण का था। उन्होंने कहा कि उनके आदर्शों को तब साकार किया जा सकता है जब 'हर गरीब को न्याय मिले, हर युवा को अवसर मिले, हर महिला को सम्मान मिले और हर नागरिक को विकास में समान भागीदारी मिले।'

गुरु रविदास की शिक्षाओं का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, 'उनके कई पवित्र भजन श्री गुरु ग्रंथ साहिब में शामिल किए गए हैं और वे लोगों को सच्चाई, प्रेम, सेवा और अच्छे आचरण के रास्ते पर चलने के लिए प्रेरित करते रहते हैं।'

उन्होंने 'मन चंगा तो कठौती में गंगा' कहावत का भी जिक्र किया और कहा कि इससे यह संदेश मिलता है कि किसी व्यक्ति की पहचान उसके कर्मों, विचारों, चरित्र और भक्ति से होती है, और मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है।

# ब्रिक्स का विरोध देशहित के खिलाफ : रोहन गुप्ता

विश्व केसरी■

**अहमदाबाद।** भारत में आयोजित होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन को लेकर पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम की टिप्पणी पर भाजपा नेता रोहन गुप्ता ने कांग्रेस पर जुबानी हमला किया। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स का विरोध करना देशहित से जुड़े महत्वपूर्ण प्रयास का विरोध करने जैसा है। मोदी सरकार का विरोध करते-करते कांग्रेस उन मुद्दों का भी विरोध करने लगी है, जिससे देश के हित जुड़े हैं।

समाचार एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में रोहन गुप्ता ने चिदंबरम की टिप्पणी पर तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस नेता को ही स्पष्ट करना चाहिए कि वह कहना क्या चाहते हैं। पूर्व वित्त मंत्री होने के बावजूद यदि कोई ब्रिक्स जैसे महत्वपूर्ण मंच का विरोध करता है तो इसके पीछे की सोच कांग्रेस नेतृत्व को स्पष्ट करनी चाहिए।

भारत में ब्रिक्स सम्मेलन आयोजित होने को गुप्ता ने देश के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि भारत की कूटनीतिक स्वायत्तता और स्वतंत्र विदेश नीति के लिहाज से ब्रिक्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। ब्रिक्स भारत के लिए नए बाजारों तक पहुंच बनाने और रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत करने का माध्यम है। विभिन्न देशों के साथ भारत के संबंध और सहयोग जितना बढ़ेगा, देश की आर्थिक और कूटनीतिक आत्मनिर्भरता उतनी मजबूत होगी।

ब्रिक्स सम्मेलन से भारत को कूटनीतिक, सामरिक, आर्थिक और अंतरराष्ट्रीय संबंधों के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा के स्तर पर भी लाभ मिलने की उम्मीद है।

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह की ओर से निकाली जा रही 'सनातन स्वाभिमान यात्रा' पर भी रोहन गुप्ता ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि भाजपा के लिए इससे बड़ी उपलब्धि क्या होगी कि जो लोग पहले हिंदू राष्ट्रवाद के मुद्दे पर सवाल उठाते थे, वे अब सनातन की बात कर रहे हैं। गुप्ता ने इसे 'देर आए, दुरुस्त आए' बताते हुए कांग्रेस से आत्ममंथन करने को कहा।

उन्होंने कहा कि यदि कांग्रेस की यह पहल वास्तविक आस्था और भावनाओं से जुड़ी है तो इसका स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन यदि सनातन को केवल चुनावी राजनीति के लिए इस्तेमाल किया जाएगा तो जनता उसका समर्थन नहीं करेगी।

## संक्षिप्त खबरें

### गुजरात में गैंगस्टर सुरेश पटेल की 6.52 करोड़ की 17 संपत्तियां अटैच

विश्व केसरी■

**सूरत।** प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने गुजरात के कुख्यात कारोबारी और आपराधिक पृष्ठभूमि वाले सुरेश जगुभाई पटेल उर्फ सूखा के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। ईडी के सूरत उप-क्षेत्रीय कार्यालय ने 8 सितंबर, 2026 को मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए), 2002 के तहत सुरेश पटेल और अन्य से जुड़ी 17 अचल संपत्तियों को अस्थायी रूप से अटैच किया है। इन संपत्तियों की कीमत लगभग 6.52 करोड़ रुपए आंकी गई है। ईडी ने यह कार्रवाई दमन और वलसाड में स्थित संपत्तियों पर की है। यह मामला दमन पुलिस, गुजरात पुलिस और मुंबई पुलिस द्वारा सुरेश पटेल उर्फ सूखा और उसके साथियों के खिलाफ दर्ज की गई कई एफआईआर के आधार पर शुरू किया गया था। जांच एजेंसी के मुताबिक, सुरेश पटेल पर भ्रष्टाचार, अवैध हथियार रखने, हत्या, जबरन वसूली, धोखाधड़ी, पासपोर्ट में धोखाधड़ी और कॉपीराइट उल्लंघन जैसे गंभीर आरोप हैं। ईडी की जांच में सामने आया है।

### असम के आदर्श विद्यालयों से बच्चों को मिल रहा 'बेस्ट' जैसा माहौल : हिमंता बिस्वा सरमा

विश्व केसरी■

**गुवाहाटी।** असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा ने कहा कि उनकी सरकार ने आदर्श विद्यालय पहल के जरिए राज्य में सरकारी स्कूलों की पूरी सोच ही बदल दी है। इन स्कूलों में आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर और सुविधाएं दी जा रही हैं, ताकि छात्रों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिल सके। मुख्यमंत्री सरमा ने कहा कि आदर्श विद्यालय सिर्फ नई इमारतें नहीं हैं, बल्कि इन्हें एक पूरे शैक्षिक इकोसिस्टम के रूप में विकसित किया गया है, जहां छात्रों को बड़े और नामी स्कूलों जैसी सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए लिखा, 'हमने असम में सरकारी स्कूल का मतलब ही बदल दिया है। आदर्श विद्यालय सिर्फ नई इमारतें नहीं हैं। मुख्यमंत्री ने इन स्कूलों में बनाई जा रही सुविधाओं के बारे में भी बताया। इनमें स्मार्ट क्लासरूम, साइंस और कंप्यूटर लैब, लाइब्रेरी और खेल के मैदान शामिल हैं। उन्होंने कहा, 'स्मार्ट क्लासरूम, साइंस और कंप्यूटर लैब, लाइब्रेरी, खेल के मैदान, एक ऐसा इकोसिस्टम जहां किसी भी ब्लॉक का बच्चा बेस्ट स्कूलों के बच्चों के साथ मुकाबला कर सके।

# तमिलनाडु में टीवीके को राज्य स्तरीय पार्टी के तौर पर मान्यता, 'सीटी' का चुनाव चिह्न आरक्षित

विश्व केसरी■

**चेन्नई।** भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने तमिलनाडु में 'तमिलगा वेट्री कझगम' (टीवीके) को राज्य स्तरीय पार्टी के तौर पर मान्यता दी है और इसके लिए 'सीटी' का चुनाव चिह्न आरक्षित किया है। इससे विधानसभा चुनाव में सफल शुरुआत के बाद संगठन को एक स्थायी चुनावी पहचान मिली है।

यह मान्यता टीवीके के 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन के बाद मिली है, जिसमें वह सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। अपना पहला चुनाव लड़ते हुए टीवीके ने 234 निर्वाचन क्षेत्रों में से 108 पर जीत हासिल की और राज्य भर में पड़े वैध वोटों का 34.92 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया। ईसीआई का यह फैसला पार्टी के लिए एक अहम संगठनात्मक उपलब्धि है। इस पार्टी की स्थापना और नेतृत्व अभिनेता से राजनेता बने सी. जोसेफ विजय ने किया है। इससे टीवीके तमिलनाडु की आधिकारिक तौर पर मान्यता प्राप्त राज्य स्तरीय पार्टियों में शामिल हो गई है और इसके उम्मीदवार भविष्य के चुनाव इसी आरक्षित चुनाव चिह्न के तहत लड़ सकेंगे।

विधानसभा चुनाव से पहले जनवरी में टीवीके को शुरुआती तौर पर 'सीटी' का चिह्न एक सामान्य चुनाव चिह्न के तौर पर दिया गया था। उस समय पार्टी रजिस्टर्ड तो थी लेकिन उसे मान्यता नहीं मिली थी। अपने पहले चुनावी मुकाबले की तैयारी के दौरान पार्टी ने अपने उम्मीदवारों के लिए एक ही चुनाव चिह्न की मांग की थी। चुनावों में शानदार प्रदर्शन के बाद अब यह चिह्न औपचारिक रूप से पार्टी के लिए आरक्षित कर दिया गया है।

चुनाव चिह्न (आरक्षण और आवंटन) आदेश, 1968 के तहत, कोई राजनीतिक संगठन अपने वोट शेयर और विधानसभा या लोकसभा चुनावों में जीती गई सीटों की संख्या से जुड़ी कई शर्तों में से किसी एक को पूरा करके राज्य स्तरीय पार्टी के तौर पर मान्यता प्राप्त कर सकता है। एक तरीका यह है कि पार्टी राज्य में पड़े वैध वोटों का कम से कम छह प्रतिशत हिस्सा हासिल करे और कम से कम दो विधानसभा सीटें जीते।

# इंदौर में साइबर वेलनेस सेंटर की शुरुआत

विश्व केसरी■

**इंदौर।** मध्य प्रदेश की व्यापारिक नगरी इंदौर में साइबर अपराध सहित अन्य मुसीबत में आने वाले बच्चों और महिलाओं को एक ही स्थान पर कानूनी और तकनीकी सहायता सुलभ कराने के लिए साइबर वेलनेस सेंटर की शुरुआत की गई है। बताया गया है कि साइबर अपराध, ऑनलाइन उत्पीड़न और डिजिटल नुकसान का सामना कर रही महिलाओं और बच्चों को अब इंदौर में एक ही स्थान पर काउंसलिंग से लेकर कानूनी और तकनीकी सहायता तक मिल सकेगी।

महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया ने बुधवार को केंद्र का उद्घाटन किया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा अहान फाउंडेशन के प्रोजेक्ट रिस्पॉन्सिबल नेटिज्म और कोगटा फाउंडेशन के सहयोग से साइबर वेलनेस सेंटर का इंदौर में शुभारंभ किया गया है। केंद्र का उद्देश्य साइबर घटनाओं के पीड़ितों और सर्वाइवर्स को तत्काल, मुफ्त और संवेदनशील सहायता उपलब्ध कराने के साथ प्रदेश में डिजिटल सुरक्षा और जिम्मेदार ऑनलाइन व्यवहार के लिए मजबूत सहायता तंत्र तैयार करना है।

इस केंद्र में साइबर नुकसान से प्रभावित लोगों को मुफ्त काउंसलिंग, मनो-सामाजिक एवं भावनात्मक सहायता, तकनीकी और कानूनी मार्गदर्शन तथा साइबर घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज कराने में सहयोग मिलेगा।

# 13 साल से फरार आरोपी हरनेक सिंह का अमेरिका से प्रत्यर्पण बाद, भारत लाया गया

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने लंबे समय से फरार आरोपी हरनेक सिंह को अमेरिका से सफलतापूर्वक भारत वापस लाने में कामयाबी हासिल की है। वह 2013 से जांच और मुकदमे से बच रहा था।

सीबीआई ने गुरुवार को जानकारी दी कि आरोपी हरनेक सिंह के खिलाफ इंटरपोल रेड नोटिस और लुक-आउट सर्कुलर जारी थे। उसे अमेरिका से डिपोर्ट किया गया। बुधवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचने पर सीबीआई अधिकारियों ने उसे गिरफ्तार कर लिया। एजेंसी ने बताया कि उसे जल्द ही हरियाणा के पंचकूला में स्पेशल ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया जाएगा।

सीबीआई ने 2016 में आईपीसी के तहत साजिश, धोखाधड़ी, जालसाजी और नकली दस्तावेजों को असली बताकर इस्तेमाल करने और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम के तहत अपराधों के लिए मामला दर्ज किया था। जांच से पता चला कि 2013 के दौरान, सिंगापुर में रहने वाले या काम करने वाले भारतीय नागरिकों से ठगों ने फर्जी फोन कॉल के जरिए संपर्क किया था। ये आरोपी सिंगापुर इमिग्रेशन अधिकारियों के तौर पर बात करते थे। सीबीआई के अनुसार, आरोपियों की तरफ से पीड़ित लोगों को गलत जानकारी दी गई थी।

# सागर शराब त्रासदी पर कांग्रेस का वार जवाबदेही से भाग रही सरकार-खड़गे

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** मध्य प्रदेश में जहरीली शराब से हुई मौतों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष और राज्यसभा के नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भाजपा पर तीखा हमला बोला है।

उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट किया, 'मध्य प्रदेश में भाजपा भ्रष्टाचार की पराकाष्ठा लांघ चुकी है और लापरवाही का आलम यह है कि अब लोगों की जान की भी कोई कीमत नहीं बची।' मल्लिकार्जुन खड़गे ने बताया कि सागर जिले में जहरीली शराब पीने से 31 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि 11 लोग अब भी जिंदगी और मौत से जूझ रहे हैं। 31 परिवार उजड़ गए, किसी का बेटा गया, किसी का पिता तो किसी का पति, लेकिन भाजपा सरकार के लिए यह भी बस एक और हादसा है।

उन्होंने कहा कि यही पिछले 22 साल से भाजपा का तरीका बन चुका है। खड़गे ने कई घटनाओं का जिक्र करते हुए सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि बालाघाट में 27 से ज्यादा बच्चों की मौत हुई। हाईकोर्ट को सरकार को फटकार लगानी पड़ी क्योंकि भाजपा की सरकार 1 महीने बीत जाने के बाद भी सर्वे रिपोर्ट का इंतजार कर रही थी इंदौर में दूषित पानी ने 36 लोगों की जान ले ली। जहरीली कफ सिरप से 25 बच्चों की मौत हो गई। वहीं सीधी में एक साल में 53 प्रसूताओं की मौत हो गई।

## शपथ पत्र

मैं रामबती बघेल आयू 55 वर्ष पति घासीराम बघेल निवासी ग्राम हाउस न0 11 भाटागुडा तहसील जगदलपुर जिला बस्तर पिन 494001 छ0ग0 की निवासी हूँ शपथ पूर्वक निम्न कथन प्रस्तुत करती हूँ।

यह कि मेरे आधार कार्ड न0 2358 9575 8649 में नाम रामवती बघेल पति घासीराम (**RAMVATI BAGHEL W/0 GHASIRAM**) दर्ज है जो कि मेरे नाम कि स्पेलिंग त्रुटिपूर्ण है एवं मेरे पति के नाम पर उपनाम बघेल दर्ज नही है जिससे त्रुटिपूर्ण है।

यह कि मेरे मतदाता परिचय पत्र कमांक **MP/020/151/435492** में मेरा नाम रामवती बघेल पति घासीराम बघेल (**RAMBTI BAGHEL W/0 GHASIRAM BAGHEL**) दर्ज है जो कि वास्तविक व सही है।

यह कि मेरे आधार कार्ड न0 2358 9575 8649 मे नाम रामवती बघेल पति घासीराम (**RAMVATI BAGHEL W/O GHASIRAM**) को सुधार कर मेरे मतदाता परिचय पत्र में दर्ज मेरा नाम रामबती बघेल पति घासीराम बघेल (**RAMBTI BAGHEL W/0 GHASIRAM BAGHEL**) को दर्ज कराना चाहती हूँ ।

भविष्य में मेरे नाम के संबंध में कोई विवाद या संघर्ष उत्पन्न होता है। तो उसकी सम्पूर्ण जवाबदारी मेरे स्वयं की होगी ।

अत: यह शपथ पत्र मेरे नाम की सूचना छत्तीसगढ़ के राजपत्र में प्रकाशित किये जाने बाबत् प्रस्तुत है।

**शपथकर्ता**
**रामबती बघेल**

---

**न्यायालय तहसीलदार भानपुरी,जिला बस्तर (छ.ग.)**

// उदघोषणा //

**क्रमांक** / / तह./ जन्म-मृत्यु / 2026
**भानपुरी दिनांक** / / 2026

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका कुमारी सुमित्रा मौर्य पिता/पति स्व. डोमू राम मौर्य जाति भतरा निवासी ग्राम सिवनी तहसीलदार भानपुरी के द्वारा अपने स्वयं सुमित्रा मौर्य की जन्म / मृत्यु दिनांक 05/07/1989 को होना बताते हुए जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग किया गया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम ये नियत तिथि 23/09/2026 तक आपत्ति पेश कर सकते है। म्याद पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 09/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीक मुद्रा सहित जारी किया ।

**तहसीलदार**
**भानपुरी**

---

**न्यायालय तहसीलदार भानपुरी,जिला बस्तर (छ.ग.)**

// उदघोषणा //

**क्रमांक** / / तह./ जन्म-मृत्यु / 2026
**भानपुरी दिनांक** / / 2026

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/ आवेदिका नोहरसिंह जांगडे पिता/ पति स्व. सुखराम जांगडे जाति सतनामी निवासी ग्राम देवड़ा तहसीलदार भानपुरी के द्वारा अपने स्वयं नोहर सिंह जांगड़े की जन्म / मृत्यु दिनांक 25/06/1982 को होना बताते हुए जन्म / मृत्यु प्रमाण पत्र की मांग किया गया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अभिभाषक के माध्यम ये नियत तिथि 23/09/2026 तक आपत्ति पेश कर सकते है। म्याद पश्चात प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 09/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीक मुद्रा सहित जारी किया ।

**तहसीलदार**
**भानपुरी**

---

**न्यायालय नायब तहसीलदार गरियाबंद जिला-गरियाबंद (छ.ग.)**

// ईश्तहार //

**रा.प्र.क्र. 202609221500010/ब-121**
**वर्ष 2026**
**ग्राम-भैंसामुडा, प.ह.नं. 11**

एतद् द्वारा सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुरेश सिन्हा पिता गैंदलाल सिन्हा जाति कलार निवासी ग्राम भैंसामुडा तहसील व जिला-गरियाबंद (छ.ग.) के मूल निवासी द्वारा अपने दादी जानकी बाई का मृत्यु दिनांक 30.01.2001 को मृत्यु होने के कारण आवेदक अपने दादी जानकी बाई का मृत्यु प्रमाण पत्र प्रदाय करने हेतु आवेदन सहित आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत किया गया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी व्यक्ति / संस्था / शासकीय/अर्द्धशासकीय निकाय या अन्य संस्था को किसी भी प्रकार की दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं या अपने अधिवक्ता या आम मुख्तयार के जरिये दिनांक 12.09.2026 तक पेश कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 27.08.2026 को मेरे स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के सील मुद्रा से जारी किया गया।

**नायब तहसीलदार**
**गरियाबंद**

---

**न्यायालय तहसीलदार गोबरा नवापारा जिला रायपुर (छ.ग.)**

// ईश्तहार //

**ग्राम चेरिया प0ह0नं0 01**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका रश्मि धरमगुड़े पिता सुखसागर धरमगुड़े निवासी ग्राम छोटा अशोक नगर गुढ़ियारी रायपुर तहसील व जिला रायपुर एवं अन्य 09 द्वारा ग्राम चेरिया प0ह0नं0 01 रा0नि0म0 तोरला तहसील गोबरा नवापारा जिला रायपुर में भूमि ख0नं0 कुल खसरा नं0 280, 64, 379, 433, 440/1 रकबा क्रमशः 0.07, 0.28, 0.22, 0.04, 0.04 हे0 भूमि राजस्व अभिलेख में आवेदकगणों के नानी / मां सौहद्रा बाई पिता छोटू राम (पति फूलसिंग कोसरिया) के नाम पर दर्ज है। खातेदार सौहद्रा बाई की मृत्यु दिनांक 05/01/2022 को हो चुकी है। मृतक खातेदार का आवेदकगणों के अतिरिक्त कोई विधिक वारिसान नहीं है। आवेदकगणों द्वारा मृतक खातेदार का फौती दर्ज कर उनके विधिक वारिसान का नाम दर्ज करने हेतु आवेदन इस न्यायालय में पेश किया है। तत्संबंध में प्रकरण इस न्यायालय मे विचाराधिन है।

अत: उक्त नामातंरण आवेदन के संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/समूह को कोई दावा आपत्ति हो तो वे अपना दावा आपत्ति आवेदन इस न्यायालय में नियत पेशी तारीख 16/09/2026 तक न्यायालयीन समय में स्वत: अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर पेश कर सकते है, नियत तारीख के बाद प्राप्त आपत्ति आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा।

मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पद मुद्रा से आज दिनांक 24/08/2026 को जारी किया गया।

**तहसीलदार**
**गोबरा नवापारा**

---

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3) - : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर: :
**Email ID - rmczone3@gmail.com**

**पत्र क्रं /....35165.... / न. पा. नि. जोन क्रं**
**उरायशुम 2 दिनांक 09-09-2026**
**इश्तिहार**
**नामांतरण प्र.क्र. 35165**
**वार्ड का नाम - 48 - गुरू घासीदास वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 48 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR344K00058** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **R.C. MOTERS, RAJAT SINGH CHHABRA, BALWINDER SINGH HORA** पिता / पति श्री / श्रीमती **GURUBAKSH SINGH CHHABRA, JASWANT SINGH HORA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 01. श्री बलविन्दर सिंग होरा, 02. श्री जसवंत सिंग होरा, 03. श्रीमती अमरजीत कौर होरा पिता / पति श्री/श्रीमती 01. पिता जसवंत सिंग होरा, 02. पिता जय सिंग होरा, 03. पति जसवंत सिंग होरा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत बंटवारानामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
**श्रीमती प्रीति सिंह**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन ( 3 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3) - : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर: :
**Email ID - rmczone3@gmail.com**

**पत्र क्रं /....35234.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026**
**रायपुर, दिनांक 09-09-2026**
**इश्तिहार**
**नामांतरण प्र.क्र. 35234**
**वार्ड का नाम - 31 - नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 31 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328R01718** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MAHAMAYA MAJUMDAR W/O SEBABRATA MAJUMDAR, SEBABRATA MAJUMDAR S/O MANMAY NATH MAJUMDAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती शबनम खान पिता / पति श्री/श्रीमती पति सैय्यद रहीमुद्दीन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
**श्रीमती प्रीति सिंह**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन ( 3 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3) - : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर: :
**Email ID - rmczone3@gmail.com**

**पत्र क्रं /....35235.... / न. पा. नि. जोन नं 3/2026**
**रायपुर, दिनांक 09-09-2026**
**इश्तिहार**
**नामांतरण प्र.क्र. 35235**
**वार्ड का नाम - 31 - नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 31 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR328R0171C** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MAHAMAYA MAJUMDAR W/O SEBABRATA MAJUMDAR, SEBABRATA MAJUMDAR S/O MANMAY NATH MAJUMDAR** पिता / पति श्री/श्रीमती **N/A** के नाम से दर्ज है जिसको **श्री /श्रीमती सय्यद रहीमुद्दीन पिता / पति श्री/श्रीमती पिता स्व. सय्यद कुतबुद्दीन** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र ,दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी 7 जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '
**श्रीमती प्रीति सिंह**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन ( 3 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

---

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1) -: संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर:-
**Email ID - rmczone1@gmail.com**

**पत्र क्रं /....35184..../ न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026**
**रायपुर, दिनांक 09-09-2026**
**इश्तिहार**
**नामांतरण प्र.क्र. 35184**
**वार्ड का नाम 16- वीर शिवाजी वार्ड**

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 16 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR107F00174** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SAVITRI SAHU** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE RAMKHILAWAN SAHU** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **MALA NIRMALKAR** पिता /पति श्री श्रीमती **W/O SHIV NIRMALKAR** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / 01.**MALMA VIKRAYA IKARARNAMA** 02. **SHAPAT PATRA** 03. **TAX RASHID** 04. **RAKAMPRAPT ABHISWITRIT KE AADHAR PAR** / वंशानुक्रम /अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
**श्री अंशुल शर्मा**
**( जोन कमिश्नर )**
**जोन ( 1 )**
**नगर पालिक निगम, रायपुर ( छ.ग. )**

# काम नहीं करने वाले ठेकेदारों पर लोक निर्माण विभाग की बड़ी कार्रवाई, 6 ठेकेदार ब्लैकलिस्टेड

## ठेकेदारों के पंजीयन के अ-नवीनीकरण पर हुई कार्रवाई

विश्व केसरी■

**रायपुर ( संवाददाता )।** लोक निर्माण विभाग ने सड़कों और पुलों के निर्माण कार्यों में अत्यंत धीमी प्रगति और कार्य पूर्ण करने में रूचि नहीं लेने वाले 6 ठेकेदारों पर कड़ी कार्रवाई की है। विभाग द्वारा अनुबंध के अनुसार कार्य नहीं होने पर बार-बार नोटिस जारी करने, अनुबंध अवधि बढ़ाने, ठेकेदारों द्वारा स्वयं शपथ पत्र देने के बावजूद काम नहीं करने तथा कार्य पूर्ण करने में रूचि नहीं लेने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट कर उनके पंजीयन के नवीनीकरण पर रोक लगा दी है। दो ठेकेदारों के पंजीयन भी निरस्त किए गए हैं।

राज्य शासन ने बस्तर की महत्वाकांक्षी सड़कों के निर्माण की धीमी गति और विलंब को देखते हुए व्यापक समीक्षा के बाद वहां निर्माणाधीन कार्यों को पूरा करने में रूचि नहीं दिखाने वाले ठेकेदारों को ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की है। ये ठेकेदार बार-बार नोटिस जारी करने तथा स्वयं शपथ पत्र देने के बावजूद काम नहीं कर रहे थे। इनके द्वारा निर्माणाधीन सड़कों और पुलों को पूर्ण करने में रूचि नहीं ली जा रही थे। राज्य शासन ने इन कार्रवाईयों को लेकर बिलासपुर उच्च न्यायालय में कैविएट भी दायर की है। लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियंता कार्यालय द्वारा सड़कों और पुलों के निर्माण में कोताही, लापरवाही और अनुबंधों के उल्लंघन पर ठेकेदार श्री के. मोहन रेड्डी, मेसर्स शांति विजय कन्सट्रक्शन, मेसर्स ट्रांसाफ्ट इंफ्रा., मेसर्स राघवा कन्सट्रक्शन, मेसर्स बालाजी इन्फ्रास्ट्रक्चर और मेसर्स पंकज हालदार के पंजीयन अ-नवीनीकरण के आदेश जारी किए गए हैं। विभाग ने सार्वजनिक आवागमन और जनसुविधा के कार्यों में हीला-हवाला को गंभीरता से लेते हुए ठेकेदार के. मोहन रेड्डी और मेसर्स ट्रांसाफ्ट इंफ्रा. के पंजीयन को भी निरस्त कर दिया है।

लोक निर्माण विभाग ने सुकमा जिले में चिंतलनार-मरियागुड़म मार्ग और कोंटा-गोलापल्ली मार्ग का काम कर रहे मेसर्स राघवा कंस्ट्रक्शन के पंजीयन को आगामी 5 वर्षों तक अ-नवीनीकरण की कार्रवाई की है। नारायणपुर जिले में नारायणपुर-सोनपुर-मरोड़ा का निर्माण कर रहे मेसर्स शांति विजय कन्सट्रक्शन के पंजीयन के नवीनीकरण पर भी आगामी 5 वर्षों तक रोक लगाई गई है। विभाग द्वारा चिंतलनार-मरियागुड़म मार्ग का काम कर रहे मेसर्स ट्रांसाफ्ट इंफ्रा. के पंजीयन को निरस्त करते हुए आदेश दिनांक से आगामी 5 वर्षों तक अनवीनीकरण के आदेश जारी किए गए हैं।

लोक निर्माण विभाग ने सुकमा जिले में भेज्जी-चिंतागुफा मार्ग और चिंतलनार-मरियागुड़म सड़क का निर्माण कर रहे ठेकेदार के. मोहन रेड्डी के पंजीयन को निरस्त करते हुए आदेश दिनांक से आगामी 5 वर्षों तक अनवीनीकरण के आदेश जारी किए हैं। विभाग ने कोंटा-गोलापल्ली मार्ग का काम कर रहे मेसर्स बालाजी इन्फ्रास्ट्रक्चर के पंजीयन को आगामी 2 वर्षों तक अ-नवीनीकरण की कार्रवाई की है। वहीं नारायणपुर-सोनपुर-मरोड़ा मार्ग पर पुल-पुलिया का निर्माण कर रहे मेसर्स पंकज हालदार के पंजीयन को भी आगामी 5 वर्षों तक नवीनीकरण पर रोक लगाई गई है।

# सुबह शहर में निकलें अधिकारी, जमीनी हकीकत देखें और काम कराएं : अरुण साव

विश्व केसरी■

**रायपुर ( संवाददाता )।** रायपुर. उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने राज्य के सभी नगर निगमों तथा जिला मुख्यालय वाले नगर पालिकाओं के कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने नवा रायपुर स्थित विश्राम भवन में आयोजित बैठक में निगम आयुक्तों और मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को शहरों के विकास, स्वच्छता, राजस्व वसूली, योजनाओं के क्रियान्वयन और निर्माण कार्यों में तेजी लाने के साथ ही जवाबदेही से काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय केवल बजट खर्च करने वाली संस्था नहीं, बल्कि शहर के भविष्य की योजनाएं बनाने, जनसुविधाएं उपलब्ध कराने तथा नागरिकों की कल्याणकारी संस्था है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के प्रमुख सचिव सोनमणि बोरा और संचालक नीलेशकुमार क्षीरसागर भी समीक्षा बैठक में शामिल हुए।

उप मुख्यमंत्री साव ने बैठक में कहा कि शहरों के विकास के काम तथा राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ लोगों तक समय पर पहुंचे, इसके लिए अधिकारी सक्रियता से काम करें। प्रधानमंत्री आवास योजना और पीएम स्वनिधि योजनाओं का लाभ ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों तक पहुंचाएं। उन्होंने निकायों की आय बढ़ाने के लिए संपत्तियों के सर्वे कर नई संपत्तियों की पहचान करने और संपत्ति कर जमा करने के लिए ज्यादा से ज्यादा निकायों में आनलाइन भुगतान की सुविधा विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने निकायों के अभियंताओं से कहा कि वे निर्माण कार्यों में तेजी और गुणवत्ता सुनिश्चित करें तथा निर्माणाधीन कार्यों की कड़ाई से निरीक्षण करें। उन्होंने सप्ताह के अलग-अलग दिनों में राजस्व वसूली, निर्माण कार्यों, साफ-सफाई और योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा के लिए कार्य-पद्धति विकसित करने के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने अवैध कब्जों और अतिक्रमणों का पता चलते ही तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अवैध निर्माण पर प्रभावी कार्रवाई नहीं होने से भविष्य में सड़क, पानी, बिजली और अन्य सुविधाओं का अतिरिक्त भार निकाय पर पड़ता है। उन्होंने निगम आयुक्तों और सीएमओ को प्रतिदिन प्रात: भ्रमण कर साफ-सफाई की व्यवस्था और निर्माण कार्यों के निरीक्षण के निर्देश दिए। इससे कार्यों की मैदानी हकीकत पता चलने के साथ ही शहर की समस्याओं और लोगों के फीडबैक की भी जानकारी मिलेगी। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में निवेश और पर्यटन की संभावनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में शहरों की अधोसंरचना भी भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित होनी चाहिए।

साव ने नगरीय निकायों में अगले 50 वर्षों की जल की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए चिंतन शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने जल संरक्षण, वर्षा जल संचयन और उपयोग किए गए पानी के पुन: उपयोग की व्यापक योजना बनाने पर जोर देते हुए शहरों के सभी घरों में पेयजल आपूर्ति की पुख्ता व्यवस्था तैयार करने को कहा। भविष्य के जल संकट से बचने के लिए अभी से दीर्घकालिक रणनीति बनाकर काम करने की जरूरत है।

# अंबेडकर चौक के पास मिला व्यक्ति का शव, मृतक की पहचान में जुटी पुलिस

विश्व केसरी■

**अभनपुर।** अभनपुर के ब्लॉक कॉलोनी स्थित अंबेडकर प्रतिमा के सामने एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची और उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टर ने जांच के बाद उसकी मौत की पुष्टि की। प्रारंभिक तौर पर डॉक्टर ने मौत का कारण अटैक बताया है।

जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान विकास साहू (40), पिता तिहारु साहू, निवासी ग्राम पिपरोद, गोबरा नवापारा थाना क्षेत्र के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि विकास साहू तीन दिन पहले घर से निकला था और रायपुर में ड्राइवरी का काम करता था। अंबेडकर चौक के पास व्यक्ति के बेहोशी की हालत में पड़े होने की सूचना पुलिस को मिली थी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उसे अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

मृतक के पास से एक बाइक भी मिली थी। बाइक की जानकारी के आधार पर पुलिस ने मृतक की पहचान की। प्रारंभिक जांच में शरीर पर किसी तरह के चोट के निशान नहीं मिले हैं। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद मौत की वजह को लेकर स्थिति और स्पष्ट होगी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

# छत्तीसगढ़ के आयुष पांडे का इंडिया-ए में चयन

## ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ मल्टी-डे सीरीज में दिखाएंगे दम

विश्व केसरी■

**अंबिकापुर ( आभाष गुप्ता )।** छत्तीसगढ़ के युवा बल्लेबाज आयुष पांडे का चयन ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ होने वाली भारत-ए की मल्टी-डे सीरीज के लिए किया गया है। भारतीय ए टीम 22 सितंबर से ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ चार दिवसीय मैचों की घरेलू सीरीज खेलेगी। दोनों टीमों के बीच पहला मुकाबला 22 से 25 सितंबर और दूसरा मैच 29 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक पुडुचेरी में खेला जाएगा।

दाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज आयुष पांडे ने पिछले कुछ समय में घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। इससे पहले जून 2026 में श्रीलंका-ए के खिलाफ खेली गई चार दिवसीय मैचों की सीरीज में भी आयुष भारत-ए टीम का हिस्सा रह चुके हैं।

रणजी ट्रॉफी के पिछले सत्र में आयुष ने छत्तीसगढ़ की ओर से शानदार बल्लेबाजी की। उन्होंने 7 मैचों की 13 पारियों में 57.30 की औसत से 573 रन बनाए, जिसमें दो शतक और दो अर्धशतक शामिल रहे। मुंबई के खिलाफ उन्होंने 183 रन की शानदार पारी खेली थी। इसके अलावा उन्होंने 2 मैचों में 3 अर्धशतक की मदद से 102 रन भी बनाए थे।

**भारत-ए टीम में जगह बनाने वाले खिलाड़ी**

भारत-ए टीम की कप्तानी देवदत्त पडिक्कल को सौंपी गई है, जबकि साई सुदर्शन उपकप्तान होंगे। टीम में अमन मोहरेड, आयुष पांडे, यश राठौड़, शेख राशिद, कुमार कुशाग्र, रजत पाटीदार, एन जगदीशन, शमा मुलानी, तनुश कोटियन, ध्रुव जुरेल, आयुष बदोनी, अग्नि चौहान, प्रपुल्ल हिंगे, नितीश रेड्डी और बी. शेख शामिल हैं।

ऑस्ट्रेलिया-ए के खिलाफ मल्टी-डे सीरीज में आयुष पांडे के प्रदर्शन पर छत्तीसगढ़ के क्रिकेट प्रशंसकों की खास नजर रहेगी।

# 'मीडियामेट्रिक्स' पुस्तक पर राज्यपाल ने की सराहना

विश्व केसरी■

**रायपुर ( संवाददाता )।** छत्तीसगढ़ के माननीय राज्यपाल एवं कुलाधिपति रमेन डेका को कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय रायपुर के प्रवास पर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. डॉ. मनोज दयाल द्वारा लिखित एवं सेज प्रकाशन द्वारा प्रकाशित मीडियामेट्रिक्स पर विश्व की प्रथम पुस्तक भेंट की।

मीडियामेट्रिक्स: एन इंट्रोडक्शन टू क्वांटिटेटिव रिसर्च इन मास कम्युनिकेशन', मास कम्युनिकेशन, गणित और सांख्यिकी का अनूठा संगम होने के कारण, इसे मीडिया स्टडीज़ में एडवांस्ड रिसर्च के लिए वैश्विक स्तर पर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। यह मीडिया के असर को मापने और उसका विश्लेषण करने के लिए एक क्वांटिटेटिव फ्रेमवर्क देती है, जो दुनिया भर के रिसर्चर्स और स्कॉलर्स के लिए बहुत काम की साबित होगी।

राज्यपाल डेका ने इस बेहतरीन एकेडमिक योगदान की सराहना की और यूनिवर्सिटी को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने के लिए प्रो. दयाल को बधाई दी।

# संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजीजू से मिर्ज़ा एजाज़ बेग ने की सौजन्य भेंट

विश्व केसरी■

**रायपुर ( संवाददाता )।** केन्द्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री, भारत सरकार किरेन रिजीजू से नई दिल्ली में छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी के चेयरमेन (राज्य मंत्री दर्जा) मिर्ज़ा एजाज़ बेग ने सौजन्य भेंट की। भेंट के दौरान बेग ने मान. मंत्री को हज 2026 के सफलता पूर्वक संपादन की बधाई देते हुए इस वर्ष हज के दौरान हाजियों को उपलब्ध कराई गई व्यवस्थाओ के लिए आभार व्यक्त किया। बेग ने मान. मंत्री से राज्य के हज यात्रियों की व्यवस्थाओ पर विस्तारपूर्वक चर्चा की। बेग ने बताया कि ऑनलाइन हज आवेदन हेतु हज यात्रियों की सुविधा हेतु हज कमेटी के कार्यालय में पृथक से एक काउंटर की व्यवस्था की गई, जहां से बड़ी संख्या में आवेदन किए गए। राज्य के लोगों को हज संबंधी अधिक से अधिक जानकारी देने के उद्देश्य से विगत दिनों छत्तीसगढ़ राज्य हज कमेटी की वेबसाइट का शुभारंभ किया गया है। बेग ने केन्द्रीय मंत्री रिजीजू से हज 2027 हेतु राज्य की समस्त हज प्रतीक्षा सूची को कन्फर्म करने, की प्रमुखता से मांग रखी। मंत्री ने प्रतीक्षा सूची को कन्फर्म करने हेतु आश्वासन दिया है। बेग ने बताया कि विगत वर्षों की तुलना में आगामी हजयात्रा हेतु सर्वाधिक आवेदन प्राप्त हुए हैं। उनमें अधिकांश कन्फर्म भी हुए हैं। केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा हजयात्रा हेतु उपलब्ध कराई जा रही व्यवस्थाओं और शासन द्वारा प्रदान की जा रही सुविधाओं से हज यात्रियों में उत्साह है । मंत्री से भेंट के दौरान राज्य हज कमेटी के सदस्य मौलाना अमीर बेग भी उपस्थित थे।

# केवीजीयू की छात्रा सौम्या ने 6वीं नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप 2026 में जीता कांस्य पदक

विश्व केसरी■

**रायपुर ( संवाददाता )।** कृष्णा विकास ग्लोबल यूनिवर्सिटी (केवीजीयू), रायपुर के लिए यह अत्यंत गर्व का विषय है कि स्कूल ऑफ फार्मेसी (बी. फार्मेसी, 7वां सेमेस्टर) की होनहार छात्रा सुश्री सौम्या ने 6वीं नेशनल रेसलिंग चैंपियनशिप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए कांस्य पदक (ब्रॉन्ज़ मेडल) अपने नाम किया है। इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय चैंपियनशिप का आयोजन हरिद्वार के रोशनाबाद स्थित वंदना कटारिया स्टेडियम में किया गया था।

इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में देश भर के शीर्ष पहलवानों ने हिस्सा लिया। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच सुश्री सौम्या ने उत्कृष्ट खेल कौशल, तकनीकी दक्षता और दृढ़ संकल्प का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उनकी इस मेहनत ने उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर पोडियम फिनिश दिलाया और पूरे राज्य तथा यूनिवर्सिटी का मान बढ़ाया।

केवीजीयू प्रबंधन और प्राध्यापकों ने सौम्या को इस विशेष उपलब्धि पर हार्दिक बधाई दी है। केवीजीयू हमेशा से अपने छात्रों के समग्र विकास (होलिस्टिक डेवलपमेंट) के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध रहा है। यूनिवर्सिटी का मुख्य उद्देश्य उच्च स्तरीय अकादमिक शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ खेलकूद और अन्य गतिविधियों को भी समान रूप से बढ़ावा देना है, ताकि छात्रों की बहुमुखी प्रतिभा को निखरने का एक सशक्त मंच मिल सके।

# धूमधाम से मना पोला पर्व, बैलों की पूजा से लेकर मिट्टी के खिलौनों तक दिखी छत्तीसगढ़ की परंपरा

विश्व केसरी■

**रायपुर/बलौदाबाजार।** छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक संस्कृति और परंपराओं में पोला पर्व का विशेष महत्व है। भाद्रपद अमावस्या के अवसर पर मनाए जाने वाले इस पर्व में किसान अपने खेती-किसानी के सबसे भरोसेमंद साथी बैलों की पूजा कर उनके प्रति सम्मान और आभार जताते हैं। बलौदाबाजार जिले में भी गांवों से लेकर कस्बों तक पोला पर्व को लेकर खास उत्साह देखने को मिल रहा है।

**बैलों को नहलाकर सजाया, विधि-विधान से की पूजा**

पोला पर्व के दिन किसान अपने बैलों को नहलाकर उन्हें सजाते-संवारते हैं। इसके बाद विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर उनके स्वस्थ और सुखी रहने की कामना की जाती है। खेती के पारंपरिक दौर में जुताई से लेकर फसल उत्पादन तक बैलों की अहम भूमिका रही है। ऐसे में यह पर्व किसान और उसके पशुधन के बीच गहरे आत्मीय रिश्ते को दर्शाता है।

**बाजार में मिट्टी के बैलों की बढ़ी मांग**

पोला पर्व को लेकर बाजारों में भी रौनक नजर आती है। मिट्टी और लकड़ी से बने छोटे-छोटे बैल और पारंपरिक खिलौने दुकानों पर सजाए जाते हैं। बच्चे उत्साह के साथ मिट्टी के बैल खरीदते हैं और उन्हें रंग-बिरंगे रंगों से सजाकर पूजा में शामिल करते हैं।

**घरों में बने पारंपरिक छत्तीसगढ़ी पकवान**

पर्व के अवसर पर घरों में तरह-तरह के पारंपरिक छत्तीसगढ़ी पकवान तैयार किए जाते हैं। शाम के समय महिलाएं इन पकवानों को मिट्टी के छोटे कलशनुमा पात्र में रखकर गांव के निर्धारित स्थान पर ले जाती हैं। स्थानीय परंपरा के अनुसार इस पात्र को जमीन पर पटककर तोड़ा जाता है।

**कृषि संस्कृति और लोक परंपरा का प्रतीक है पोला**

बलौदाबाजार जिले में पोला पर्व की पारंपरिक छटा देखने को मिल रही है। किसान परिवार श्रद्धा और उत्साह के साथ पर्व मना रहे हैं। पोला सिर्फ बैलों की पूजा का अवसर नहीं, बल्कि यह छत्तीसगढ़ की कृषि संस्कृति, लोक परंपराओं और किसान के प्रकृति व पशुधन के साथ सदियों पुराने रिश्ते का प्रतीक भी है।

# पौराणिक उपन्यासों के नारी पात्रों पर शोध के लिए बेनु प्रसाद सिदार को मिली पी-एच.डी.

विश्व केसरी■

**सरायपाली ( संवाददाता )।** ग्राम सरायपतेरा, सरायपाली निवासी बेनु प्रसाद सिदार, पिता क्षेत्रोलाल सिदार, ने हिंदी साहित्य के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। उन्हें 'शिव शंकर पटनायक के पौराणिक उपन्यासों के नारी पात्रों का मनोवैज्ञानिक विश्लेषण'विषय पर शोध कार्य के लिए पी-एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई है।

बेनु प्रसाद सिदार ने यह शोध कार्य शोध निर्देशक डॉ. सविता मिश्रा, पूर्व प्राचार्य, शासकीय राजीव लोचन स्नातकोत्तर महाविद्यालय, राजिम, गरियाबंद के मार्गदर्शन में पूर्ण किया। उनका शोध केंद्र शासकीय दू.ब. महिला स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय, रायपुर रहा। शोध के दौरान शिव शंकर पटनायक के पौराणिक उपन्यासों में प्रस्तुत नारी पात्रों के मनोवैज्ञानिक पक्षों का गहन अध्ययन किया गया। इसमें नारी पात्रों की भावनात्मक संवेदनाओं, मानसिक द्वंद्व, सामाजिक परिस्थितियों, संघर्षों तथा व्यक्तित्व के विभिन्न आयामों का विश्लेषण किया गया है। शोध के माध्यम से पौराणिक कथानक में नारी की भूमिका और उसके मनोवैज्ञानिक स्वरूप को साहित्यिक दृष्टि से समझने का प्रयास किया गया है। पीएचडी की उपाधि प्राप्त होने पर बेनु प्रसाद सिदार को उनके परिजनों, शिक्षकों, मित्रों एवं शुभचिंतकों ने बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। सिदार ने अपनी इस उपलब्धि का श्रेय अपने शोध निर्देशक डॉ. सविता मिश्रा तथा परिवार और सहयोगियों को दिया। यह उपलब्धि क्षेत्र के लिए भी गौरव का विषय है और इससे उच्च शिक्षा एवं शोध के प्रति युवाओं को प्रेरणा मिलने की उम्मीद है।

## संपादकीय

# ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

ललित गर्ग

नई दिल्ली में 12-13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है-लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है।

ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को

मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क-इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्वांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है। यदि ब्रिक्स तकनीक को कुछ शक्तिशाली देशों और कंपनियों के नियंत्रण से बाहर निकालकर विकासशील देशों की पहुंच तक ले जाने की प्रभावी व्यवस्था बना सके, तो यह उसकी बड़ी उपलब्धि होगी। दूसरी बड़ी चुनौती आर्थिक है। विश्व अर्थव्यवस्था में ब्रिक्स का वजन बढ़ रहा है, लेकिन समूह के भीतर आपसी व्यापार अभी भी उसकी संभावित क्षमता के अनुरूप नहीं है। भारत आपूर्ति शृंखलाओं को अधिक मजबूत और विविध बनाने, छोटे एवं मध्यम उद्योगों को वित्त उपलब्ध कराने तथा स्थानीय मुद्राओं में व्यापार को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है।

# 'लघु' पत्रिकाओं के सामने 'बड़ी' चुनौतियाँ

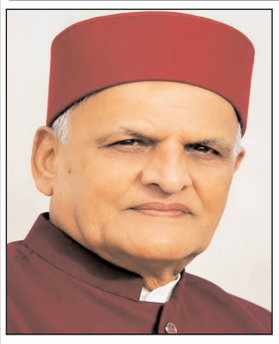

गिरीश पंकज

किसी ने सही कहा है कि 'लघु पत्रिका कोई व्यापारिक उद्यम नहीं, बल्कि मनुष्य की चेतना को जगाए रखने का एक नैतिक और वैचारिक हस्तक्षेप है।' हर वर्ष देश भर में जब 'लघु पत्रिका दिवस' मनाया जाता है, तो यह केवल एक औपचारिक उत्सव नहीं होता, बल्कि उन अनगिनत सरोकारों, संघर्षों और सपनों की समीक्षा का दिन होता है, जिन्होंने हिंदी समाज के वैचारिक ताने-बाने को बुना है। साहित्यिक, सामाजिक और विचारपरक पत्रिकाओं को हमारे देश में प्राय: 'लघु पत्रिका' की संज्ञा दी जाती है। यह 'लघु' शब्द आकार, पृष्ठ-संख्या या सीमित प्रसार के कारण भले ही इसके साथ जुड़ गया हो, लेकिन इसका सरोकार, इसका दायरा और इसका प्रभाव कभी लघु नहीं रहा। भारतेन्दु हरिश्चंद्र ने 19वीं सदी के उत्तरार्ध में जब 'कविवचन सुधा' और 'हरिश्चंद्र मैगजीन' के माध्यम से हिंदी में पत्र-पत्रिकाओं की आधारशिला रखी, तब से लेकर आज तक यह सिलसिला अनवरत चल रहा है। किंतु इस गौरवशाली परंपरा की सबसे करुण और विडंबनापूर्ण नियति यह रही है कि ये पत्रिकाएं बहुत लंबे समय तक टिक नहीं पातीं। अधिकांशत: कुछ अंकों, कुछ वर्षों या किसी एक व्यक्ति के व्यक्तिगत उत्साह के चुक जाने के बाद इनकी अकाल मृत्यु हो जाती है। फिर भी, यह इस विधा की अद्भुत जिजीविषा है कि जब एक पत्रिका दम तोड़ती है, तो किसी दूरदराज के कस्बे या शहर में कोई दूसरा सिरफिरा लेखक-संपादक अपनी जेब खाली करके एक नए प्रयास की मशाल जला देता है।

इस निरंतर चक्र के पीछे क्या कारण हैं आज के डिजिटल, बाजारवादी और उत्तर-सत्य के दौर में लघु पत्रिकाओं के सामने क्या प्रमुख चुनौतियां हैं हिंदी में लघु पत्रिकाओं का इतिहास वास्तव में सत्ता, रूढ़िवादिता और जड़ता के खिलाफ बौद्धिक प्रतिरोध का इतिहास रहा है। भारतेन्दु हरिश्चंद्र और उनके समकालीनों ने पत्रिका को राष्ट्रीय चेतना जगाने का माध्यम बनाया। महावीर प्रसाद द्विवेदी की 'सरस्वती' ने भाषा को परिमार्जित किया, तो उसी दौर में पंडित माधवराव सप्रे ने (सन 1900 में) 'छत्तीसगढ़ मित्र' का प्रकाशन किया। आगे चलकर मुंशी प्रेमचंद की 'हंस', निराला के सहयोग से निकली 'मतवाला', और बाद में 'कल्पना', 'वसुधा', 'पहल', 'कथादेश', 'तद्भव', 'बया' और 'दस्तावेज' जैसी पत्रिकाओं ने हिंदी आलोचना, कहानी और कविता को नए आयाम दिए। 1960 और 70 के दशकों में जब मुख्यधारा का मीडिया पूंजी और राजनीतिक प्रभाव में बंधने लगा, तब लघु पत्रिकाओं का एक बड़ा उभार आया। यह आंदोलन सत्ता-विरोधी चेतना, जनवादी सरोकारों और स्थापित साहित्यिक मठों के विरुद्ध युवा तेवर का प्रतीक बना।लघु पत्रिका कभी भी केवल 'पढ़ने की सामग्री' नहीं रही; वह एक वैचारिक आंदोलन, नए लेखकों की जन्मभूमि और गंभीर विमर्श की कार्यशाला रही है। लघु पत्रिकाओं के असमय बंद होने और उनके संघर्ष के पीछे केवल एक कारण नहीं, बल्कि आर्थिक, सामाजिक, वितरण और तकनीकी कारकों का एक जटिल जाल है। लघु पत्रिकाओं की सबसे बड़ी त्रासदी उनका आर्थिक ढांचा है। ये पत्रिकाएं कॉरपोरेट जगत के विज्ञापनों पर निर्भर नहीं रह सकतीं, क्योंकि कॉरपोरेट विज्ञापन बाजारू हितों और प्रसार संख्या को देखकर दिए जाते हैं । अधिकांश लघु पत्रिकाएं किसी एक व्यक्ति के व्यक्तिगत वेतन, पेंशन या सीमित बचत के सहारे निकलती हैं। कागज़ की बढ़ती कीमतें, ब्लॉक और छपाई

के खर्च, और डाक दरों में लगातार वृद्धि ने छोटे संपादकों की कमर तोड़ दी है। जब तक संपादक का व्यक्तिगत आर्थिक सामर्थ्य और ऊर्जा साथ देती है, पत्रिका चलती है; जैसे ही आर्थिक तंगी सीमा पार करती है, पत्रिका का प्रकाशन स्थगित हो जाता है। यदि कोई संपादक किसी तरह कर्ज लेकर या अपनी जमा-पूंजी लगाकर पत्रिका छाप भी ले, तो उसे पाठकों तक पहुंचाना 'अंगारों पर चलने' जैसा साबित होता है ।पहले पत्रिकाओं के लिए रियायती डाक दरें हुआ करती थीं। समय के साथ डाक विभाग के नियमों में जटिलता आई है और डाक खर्च इतना बढ़ गया है कि कभी-कभी पत्रिका की छपाई से अधिक उसकी डिस्पैचिंग में खर्च हो जाता है। रेलवे स्टेशनों के स्टाल और शहरों के प्रमुख वेंडर मुख्यधारा की चमकीली, लोकप्रिय और व्यावसायिक पत्रिकाओं को ही प्राथमिकता देते हैं। गंभीर साहित्यिक पत्रिकाओं को वहां जगह नहीं मिलती। अब तो धीरे-धीरे रेलवे के बुक स्टार भी उजड़ते चले जा रहे हैं।

आज के समय में गंभीर पठन-पाठन की संस्कृति में भारी गिरावट आई है। दृश्य-श्रव्य माध्यमों ने मनुष्य के ध्यान की अवधि को बहुत घटा दिया है। रील देखने के दौर में 20-25 पृष्ठों के लंबे वैचारिक आलेख, तीखी बहसें और दार्शनिक विमर्श पढ़ने वाले पाठकों की संख्या सिमटती जा रही है। पहले सरकारी और शिक्षण संस्थानों के पुस्तकालयों में पत्रिकाओं की नियमित खरीद होती थी। अब पुस्तकालयों का बजट या तो घट गया है या फिर खरीद प्रक्रियाओं में भ्रष्टाचार और लालफीताशाही के चलते लघु पत्रिकाएं वहां तक पहुंच ही नहीं पातीं। एक और महत्वपूर्ण बात : साहित्यिक जगत के आंतरिक रोग भी लघु पत्रिकाओं की अकाल मृत्यु के लिए उत्तरदायी रहे हैं । कुछ पत्रिकाएं किसी संस्थागत आधार पर न होकर व्यक्ति-विशेष की रुचि से चलती हैं। संपादक के अस्वस्थ होने या निधन के बाद उनके काम को आगे ले जाने वाली दूसरी पंक्ति की टीम तैयार नहीं होती। कई पत्रिकाएं व्यापक समाज से संवाद करने के बजाय किसी खास गुट या विचारधारा का 'लाउडस्पीकर' बनकर रह जाती हैं। इससे उनका दायरा सिमट जाता है और वे आम पाठक से कट जाती हैं।

इक्कीसवीं सदी के तीसरे दशक में इंटरनेट, पीडीएफ, ई-बुक्स और सोशल मीडिया के प्रसार ने लघु पत्रिकाओं के सामने एक द्वैध खड़ा कर दिया है। एक ओर जहां डिजिटल प्रारूप ने छपाई और डाक की भारी लागत से मुक्ति दिलाई है, वहीं दूसरी ओर 'सब कुछ मुफ्त' मिलने की इंटरनेट मानसिकता के कारण पाठक ई-पत्रिका के लिए सदस्यता शुल्क देने को तैयार नहीं होते। परिणामस्वरूप, डिजिटल संस्करण भी अंतत: आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर नहीं हो पाते।

लघु पत्रिका को समझने के लिए उसके और व्यावसायिक मीडिया के अंतर को समझना अनिवार्य है। व्यावसायिक मुनाफा, बाजार का विस्तार और प्रभाव देखती हैं, लोकप्रिय, सतही, तात्कालिक और सनसनीखेज सामग्री होती है तो लघु पत्रिकाएं सामाजिक-सांस्कृतिक सरोकार, वैचारिक हस्तक्षेप प्रणाम ध्यान देती हैं। बड़े कॉरपोरेट घराने विज्ञापन और व्यावसायिक पूंजी के सहारे पत्रिकाएं निकलते हैं तो लघु पत्रिकाएं संपादक के व्यक्तिगत धन, पाठकों का स्वैच्छिक सहयोग से निकलती हैं. इसमें गंभीर, विश्लेषणात्मक, दीर्घकालिक और मौलिक चिंतन होता है. व्यावसायिक पत्रिकाओं में पाठक को केवल एक 'उपभोक्ता' माना जाता है, जबकि लघु पत्रिका में पाठक को एक 'सह-चिंतक' और 'नागरिक' माना जाता है।

लघु पत्रिकाओं के अस्तित्व की रक्षा केवल साहित्यकारों का सरोकार नहीं है, बल्कि यह किसी भी जीवंत लोकतंत्र और विचारशील समाज की अनिवार्यता है। यदि समाज में असहमति, प्रतिरोध और गहरे चिंतन की जगहें समाप्त हो जाएंगी, तो समाज बौद्धिक रूप से बंजर हो जाएगा। इस संकट से उबरने के लिए निम्नलिखित व्यावहारिक कदम उठाए जाने आवश्यक हैं. जैसे मुद्रित पत्रिका के साथ-साथ एक सुगठित, इंटरएक्टिव वेब पोर्टल और ई-संस्करण विकसित किया जाए। डिजिटल माध्यमों से युवा पीढ़ी को आकर्षित कर उन्हें मुद्रित माध्यम की गंभीरता तक लाया जा सकता है।संपादकों को 'अकेले सब कुछ सहने' की प्रवृत्ति से बाहर आकर अपने पाठकों को साझीदार बनाना चाहिए। मासिक या वार्षिक अंशदान के लिए पारदर्शी क्राउडफंडिंग मॉडल तैयार किए जाने चाहिए। छोटे पत्र-पत्रिकाओं के संपादकों को मिलकर एक साझा वितरण नेटवर्क बनाना चाहिए। यदि 10-15 पत्रिकाएं मिलकर अपना वितरण तंत्र, बुक-स्टाल या ऑनलाइन डिलीवरी सिस्टम तैयार करें, तो डाक और लॉजिस्टिक्स का खर्च काफी कम हो सकता है। अकादमिक संस्थानों को लघु पत्रिकाओं के संरक्षण के लिए विशेष रूप से आगे आना चाहिए।

# हिंदुत्व की उदार दृष्टि और मुस्लिम समाज : न्यूयॉर्क से निकला संदेश

पार्थसारथि थपलियाल

न्यूयॉर्क का मैडिसन स्क्वायर गार्डन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत संघ प्रमुख मोहन भागवत द्वारा जो वैश्विक प्रबोधन किया गया लगता है वह 11 सितंबर, 1893 को शिकागो विश्वधर्म सम्मेलन स्वामी विवेकानंद के उद्बोधन का पुनर्स्मरण है। उन्होंने हिंदुत्व को किसी संकीर्ण धार्मिक पहचान के रूप में नहीं, बल्कि मानवता की एकता और विविधता के सह-अस्तित्व की दृष्टि से प्रस्तुत किया। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि यदि कोई हिंदू यह मानता है कि भारत में मुसलमान नहीं होने चाहिए, तो वह हिंदू नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अलग-अलग धर्मों के मार्ग भिन्न हो सकते हैं, लेकिन मानवता और सत्य एक हैं तथा प्रत्येक मनुष्य की गरिमा समान है। इसके पीछे हिंदू चिंतन की उस दीर्घ परंपरा को समझना आवश्यक है जिसमें सत्य को किसी एक पंथ या संप्रदाय की संपत्ति नहीं माना गया। एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति का वैदिक भाव हो अथवा वसुधैव कुटुम्बकम्' की उपनिषद्-परंपरा भारतीय दृष्टि में विविधता को मिटाकर एकरूपता स्थापित करना लक्ष्य नहीं रहा, बल्कि विविधताओं के बीच अंतर्निहित एकता को स्वीकार करना लक्ष्य रहा है। यहीं से हिंदुत्व की उस व्याख्या पर विचार करने का अवसर मिलता है जिसे भागवत वैश्विक मंच पर सामने रख रहे हैं। उनके अनुसार हिंदुत्व किसी एक पूजा-पद्धति का नाम मात्र नहीं है। वह भारत की उस सांस्कृतिक चेतना का नाम है जो अनेक मतों, पंथों, भाषाओं और जीवन-पद्धतियों को साथ लेकर चलने की क्षमता रखती है। विदेश में हिंदुत्व को समावेशी, उदार और मानवतावादी स्वर में प्रस्तुत करना निश्चित रूप से सकारात्मक है। किंतु भारत में हिंदू-मुस्लिम संबंधों को लेकर समय-समय पर उत्पन्न होने वाला तनाव, राजनीतिक ध्रुवीकरण और एक-दूसरे के प्रति अविश्वास इस उदार संदेश की परीक्षा लेते हैं। इसलिए प्रश्न यह नहीं होना चाहिए कि मोहन भागवत ने न्यूयॉर्क में क्या कहा। बड़ा प्रश्न यह है कि क्या भारतीय समाज में भी इसी विचार को व्यवहार का आधार बनाया जा सकता है? न्यूयॉर्क में कही गई बात का महत्व तभी बढ़ेगा जब उसका प्रभाव भारत के सामाजिक जीवन में भी दिखाई दे। यही इस वक्तव्य के सामने सबसे बड़ी कसौटी है। यहां एक महत्वपूर्ण अंतर समझना होगा। मुस्लिम समाज के प्रति उदार दृष्टिकोण का अर्थ हिंदू समाज से अपनी सांस्कृतिक पहचान छोड़ देने की अपेक्षा नहीं हो सकता। उसी प्रकार हिंदुत्व का आत्मविश्वास दूसरे धर्मों के प्रति घृणा पर आधारित नहीं हो सकता। हिंदू समाज अपनी परंपराओं, मंदिरों, तीर्थों, संस्कारों, भाषाओं, दर्शन और जीवन- मूल्यों के प्रति गौरव रख सकता है और साथ ही मुस्लिम, सिख, ईसाई, बौद्ध, जैन तथा अन्य समुदायों के समान सम्मान का पक्षधर हो सकता है। इसीलिए भारत में 'सर्वधर्म समभाव', 'एकं सद् विप्रा बहुधा वदन्ति' और 'वसुधैव कुटुम्बकम्' जैसे सूत्र केवल धार्मिक नारे नहीं हैं। वे सामाजिक दर्शन के आधार बन सकते हैं।

भारत में जन्म लेने वाला प्रत्येक नागरिक राष्ट्र की सामूहिक यात्रा का सहभागी है। किसी मुसलमान की देशभक्ति का प्रमाण केवल इसलिए अधिक नहीं हो सकता कि वह अपने धर्म से अलग किसी सांस्कृतिक प्रतीक को स्वीकार करता है; और किसी हिंदू की राष्ट्रभक्ति भी केवल धार्मिक पहचान के कारण स्वत: सिद्ध नहीं हो जाती। राष्ट्र का आधार नागरिकता, कर्तव्य, संविधान, सांस्कृतिक स्मृति और साझा राष्ट्रीय जीवन होना चाहिए। संघ प्रमुख मोहन भागवत का न्यूयॉर्क संदेश जितना व्यापक है, उतनी ही बड़ी जिम्मेदारी वह संघ पर भी डालता है। यदि हिंदुत्व वास्तव में समावेशी है तो इस समावेशिता को सामाजिक व्यवहार में दिखाई देना चाहिए।

## बोध कथा

# दुर्भाग्य का मुकाबला

लगभग ढाई सौ साल पहले की घटना है। जापान में हवाना होकीची नामक एक बालक का जन्म हुआ। सात वर्ष की उम्र में चेचक के कारण बालक की आंखों की रोशनी चली गई। अब उसके जीवन में बिल्कुल अंधेरा हो गया था।

कुछ दिनों तक तो होकीची इस दुर्भाग्यपूर्ण परिवर्तन को समझ नहीं पाया। लेकिन जैसे-जैसे दिन बीतते रहे, वैसे-वैसे होकीची ने अपनी परिस्थिति से समझौता कर लिया और मन में ठान लिया कि किसी भी कीमत पर हार नहीं माननी है। बालक ने पढ़ना आरंभ किया। धीरे-धीरे उसे पुस्तकों से गहरा प्रेम हो गया। पुस्तकें ही होकीची की आंखें थीं, जो उसे जीवन की राह दिखाती थीं। वह पुस्तकों को दूसरों से पढ़वा कर ज्ञान अर्जित करता था। आजीवन उसने अपना अध्ययन जारी रखा। दूसरों से पुस्तकें पढ़वा-पढ़वा कर होकीची का ज्ञान भंडार असीमित हो चुका था। फिर उन्होंने अपने ज्ञान को एक पुस्तक के रूप में समेटना चाहा। जब यह बात एक राष्ट्रीय संस्था को मालूम हुई तो उसने होकीची के ज्ञान को पुस्तक रूप में लिखवाया।

होकीची ने बोलकर संपूर्ण पुस्तक को लिखवा दिया। राष्ट्रीय संस्था को हवाना होकीची द्वारा लिखवाई गई पुस्तक अत्यंत महत्वपूर्ण नजर आई। उसने उसके आधार पर एक विश्वज्ञान कोश प्रकाशित किया। यह विश्वज्ञान कोश दो हजार आठ सौ बीस खंडों में प्रकाशित हुआ। विश्व इतिहास में आज तक इससे अधिक तथ्यपूर्ण पुस्तक संभवत: कोई प्रकाशित नहीं हुई। होकीची ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने अपने जीवन को एक सार्थक मोड़ पर पहुंचाया और आत्मविश्वास के बल पर एक सौ एक वर्ष तक जिंदा रहे। उन्होंने अपनी शारीरिक कमी को अपनी ताकत बनाकर अपने दुर्भाग्यपूर्ण जीवन को महान बना लिया। उनका जीवन दूसरों के लिए एक मिसाल बन गया। उन्होंने साबित किया कि संकल्प से हर तरह की मुश्किलों को आसान बनाया जा सकता है।

## कविता

# आग और पानी

अंजू शर्मा

कहा था किसी ने मुझे
कि आग और पानी का कभी मेल नहीं होता
सुनो मैंने इसे झूठ कर दिखाया है,
तुम्हारे साथ रहने की ये प्रबल उत्कंठा,
परे है सब समीकरणों से,
और अनभिज्ञ है, किसी भी रासायनिक या भौतिक
प्रक्रिया से,
हर बार तुम्हारे मिथ्या दंभ की आग में
बर्फ सी जली हूँ मैं
हर बार मेरी शीतलता ने
छूआ है तुम्हारे अहम् के
तपते अंगारों को
और देखो
भाप बनकर उडी नहीं मैं,
बहे जा रही हूँ युगों से नदी बनकर
और जब सुलग उठती हूँ
तुम्हारे क्रोध के दानावल से,
तो अक्सर फूट पड़ता है कोई
गर्म जल का सोता
हमारी भावनाओं के टकराव के
उद्गम से,
खोती हूँ खुद के कुछ कतरे,
देती हूँ आहुति में
थोडा सा स्वाभिमान,
थोड़ी सी सहनशीलता
बदलती हूँ अपनी सतह के कुछ
अंश गर्म छींटों में,
पर मेरे अंतस में सदा बहती है

## व्यंग्य केसरी

# बिजली गुल हो गई

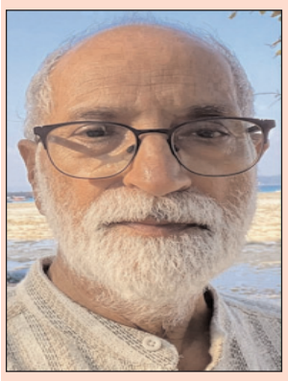

डॉ रामेश्वरम तिवारी

दूरदर्शन की दुनिया के एक नामी-गिरानी चैनल के, एक नामी-गिरानी रिपोर्टर ने देश में होने जा रहे पंचवर्षीय आम चुनाव में अपने रोजाना होने वाले नियमित प्रायोजित कार्यक्रम में आम मतदाताओं के मुँह से माइक को सटाते हुए पूछा- 'क्या आप में से कभी किसी ने मकड़ी को जाला बुनते हुए देखा है...?'

कार्यक्रम में मौजूद दर्शकों में से प्रजातंत्र के एक सजग प्रहरी, वोट की क़ीमत और कद्र करने वाले मतदाता ने कहा- 'जी हाँ! मैंने अपनी आँखों से मकड़ी को जाला बनाते हुए, उसमें फँसते हुए देखा है। मुझे अच्छी तरह से पता है कि मकड़ी पहले जाला बुनती है और फिर खुद उसमें फँसकर दम तोड़ देती है।'

अबकी बार रिपोर्टर ने उसकी बग़ल में खड़े नौजवान की ओर माइक करते हुए सवाल किया- 'क्या आपने विष्णु शर्मा की पंचतंत्र की ''भेड़िया और लड़का'' वाली कहानी सुनी या पढ़ी है...?'

नौजवान ने सहमति में अपने दोनों हाथों को ऊपर उठाया और अपनी बुलंद आवाज़ में कहा- 'यस सर! मैंने कहानी को पढ़ा ही नहीं, बल्कि दूरदर्शन के परदे पर उसका चित्रांकन भी देखा है। गाँव का एक लड़का लोगों को उल्लू बनाने के लिए रोज ज़ोर-शोर चिल्लाता है- ''भेड़िया आया, भेड़िया...!'' शुरु-शुरु में लोग उसकी पुकार को सुनकर अपने हाथों में हथियार लेकर घरों से निकलकर लड़के को बचाने के लिए पहुँच जाते हैं, पर कहीं कोई भेड़िया नहीं दिखता है।

लड़का आए दिन मौज में भेड़िया आया...भेड़िया आया... चिल्लाता है, पर कहीं से कोई भेड़िया नहीं आता। गाँव वाले उसकी बकवास को झूठ समझकर बार-बार आना बंद कर देते हैं, पर बदक़िस्मती से एक दिन भेड़िया सचमुच में आ जाता है और लड़के को उठाकर ले जाता है।'

तभी एक गँवार-से देखने वाले, पर अनुभवी बुजुर्ग ने अपने चश्मे के ग्लास पर जमी हुई गर्द को फूँक मारकर साफ़ करते हुए कहा- 'श्रीमान जी! मैं ठहरा गाँव का गँवार और न किसी पार्टी का नेता हूँ, न कार्यकर्ता हूँ, न समर्थक हूँ, न इलहामी हूँ, न नजूमी हूँ, न विद्वान विश्लेषक हूँ, पर जाने क्योंकर मुझे इस बार भीतर से लग रहा है कि इस बार के चुनाव में झूठ बोलकर माया-जाल बुनने वालों, मतदाताओं को मूर्ख समझने वालों, मुफ़्तख़ोरी को बढ़ावा देने वालों को सबक सिखाने के लिए सच्ची-मुच्ची में भेड़िया आएगा और झूठ के अलमबरदारों को उठाकर ले जाएगा...!' उसी वक्त अचानक दूर कहीं बिजली के ट्रांसफ़ॉर्मर के फटने की ज़ोर की आवाज़ आई और बिजली गुल हो गई।

## इतिहास

10 सितंबर का दिन देश और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं के साथ दर्ज है।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ1846: एलियस होवे (Elias Howe) ने आधुनिक सिलाई मशीन का पेटेंट कराया।

1939: कनाडा ने द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी के खिलाफ आधिकारिक तौर पर युद्ध की घोषणा की।

1965: भारत-पाकिस्तान युद्ध के दौरान असाधारण वीरता दिखाने वाले परमवीर चक्र विजेता कंपनी क्वार्टर मास्टर अब्दुल हमीद वीरगति को प्राप्त हुए। 1993: भारत और चीन के बीच सीमा विवाद को लेकर पहला महत्वपूर्ण समझौता हुआ।

जन्म और प्रसिद्ध व्यक्तित्व1887: भारत के प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी, उत्तर प्रदेश के पहले मुख्यमंत्री और देश के चौथे गृह मंत्री पंडित गोविंद वल्लभ पंत का जन्म हुआ।

# आरआरवीयूएनएल ने 15 गांवों के 150 शिक्षकों का किया सम्मान

विश्व केसरी■

**अंबिकापुर (रिक्की)।** शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले 150 शिक्षकों का सम्मान कर आरआरवीयूएनएल ने समाज में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका को नई पहचान दी। कंपनी की सीएसआर पहल के तहत अदाणी विद्या मंदिर, साल्ही में आयोजित 'गुरु सम्मान' कार्यक्रम में परसा परियोजना क्षेत्र के 15 गांवों के 45 शासकीय विद्यालयों से जुड़े शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम ने शिक्षा, समुदाय और विद्यालयों के बीच सकारात्मक सहभागिता को मजबूत करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत और मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से अपने शिक्षकों के प्रति सम्मान व्यक्त किया। छात्रा इराम ने भारत के पूर्व राष्ट्रपति और महान शिक्षाविद् डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके योगदान पर अपने विचार साझा किए।

इस अवसर पर क्लस्टर एचआर हेड राम द्विवेदी ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान का संचार नहीं करते, बल्कि विद्यार्थियों में संस्कार, आत्मविश्वास और बेहतर भविष्य के सपने देखने की प्रेरणा भी जगाते हैं। उन्होंने कहा कि समाज और राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है।

कार्यक्रम में क्लस्टर एचआर हेड एवं एसोसिएट जीएम लेफ्टिनेंट कर्नल अभिजीत ने शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले 150 शिक्षकों को सम्मानित किया। सम्मानित शिक्षक परसा, साल्ही, बासेन, चकेरी, घाटबर्रा, फत्तेहपुर, तारा, जनार्दनपुर, शिवनगर, गुमगा, सैदू, सुस्काम, परोगिया, सरमा एवं पेंड्रीखी सहित आसपास के गांवों के 45 शासकीय विद्यालयों से जुड़े थे।

कार्यक्रम में शासकीय हाई स्कूल परसा के सीएसी एवं प्राचार्य राजकुमार चंद्रा, सुनील कुमार यादव (सीएसी, पेंड्रीखी), वेद प्रकाश देवांगन (सीएसी, तारा), विजय कुमार यादव (सीएसी, गुमगा) तथा सत्येन्द्र नाथ योगी (सीआरसी, घाटबर्रा) विशेष रूप से उपस्थित रहे। अपने संबोधन में सत्येन्द्र नाथ योगी ने कहा, 'सरकारी शिक्षकों का सम्मान करना एक सराहनीय पहल है। ऐसे आयोजन शिक्षकों के योगदान को मान्यता देने के साथ विद्यालयों, समुदाय और विभिन्न हितधारकों के बीच संबंधों को भी मजबूत बनाते हैं। शिक्षक ही देश के भविष्य के निर्माता हैं, जो विद्यार्थियों को सफल और जिम्मेदार नागरिक बनने की दिशा प्रदान करते हैं।'

आरआरवीयूएनएल द्वारा परसा परियोजना क्षेत्र में शिक्षा के विकास हेतु अनेक पहलें संचालित की जा रही हैं। इनमें जवाहर नवोदय विद्यालय, प्रयास, एकलव्य एवं सैनिक स्कूल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिए प्रतियोगी कोचिंग केन्द्रों का संचालन, अदाणी विद्या मंदिर के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना तथा शासकीय विद्यालयों में अध्ययन सामग्री, डेस्क-बेंच, वाटर फिल्टर, खेल सामग्री और शौचालय जैसी आधारभूत सुविधाओं का विकास शामिल है। इन पहलों के माध्यम से क्षेत्र के 80 से अधिक विद्यालयों और 5,000 से अधिक विद्यार्थियों को लाभ मिल रहा है।

शिक्षक दिवस पर आयोजित 'गुरु सम्मान' कार्यक्रम ने न केवल शिक्षकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त की, बल्कि शिक्षा के महत्व तथा सामुदायिक सहभागिता के संदेश को भी प्रभावी ढंग से स्थापित किया।

# दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के लिए बड़ी सौगात रेल विकास को मिली नई गति!

विश्व केसरी■

**बिलासपुर (मुरली राव)।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने रेल मंत्रालय की 3 महत्वपूर्ण मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी प्रदान की है। इन परियोजनाओं की कुल अनुमानित लागत 10,783 करोड़ रुपए है तथा इन्हें वर्ष 2029-30 तक पूरा करने की योजना है।

इनमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की 02 मल्टीट्रैकिंग परियोजना 1. कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन तथा 2. बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन शामिल हैं। इन दोनों परियोजनाओं की कुल लंबाई 288 किलोमीटर तथा कुल लागत 4,254 करोड़ रुपए है। इन परियोजनाओं के पूर्ण होने से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के इस महत्वपूर्ण रेल मार्ग की क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी, ट्रेनों की गतिशीलता और परिचालन में सुधार होगा तथा यात्री एवं माल परिवहन को अधिक सुगम, तेज और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। इन मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं का सीधा लाभ छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, रायपुर, दुर्ग, रायगढ़ सहित अनेक प्रमुख शहरों तथा मध्य प्रदेश के अनूपपुर, शहडोल आदि क्षेत्रों को मिलेगा। अतिरिक्त रेल लाइन उपलब्ध होने से इन क्षेत्रों से उत्तर भारत की ओर जाने वाली ट्रेनों के संचालन में अधिक सुविधा होगी तथा यात्रियों के लिए बेहतर कनेक्टिविटी और सुगम यात्रा का मार्ग प्रशस्त होगा। साथ ही, रेल मार्ग की क्षमता बढ़ने से अतिरिक्त ट्रेनों के संचालन की संभावनाएं भी सुदृढ़ होंगी।

**कटनी-पेंड्रा रोड चौथी लाइन**

201 किलोमीटर लंबी इस परियोजना की लागत 2,975 करोड़ रुपए है। परियोजना के पूर्ण होने से प्रतिवर्ष लगभग 322 करोड़ रुपए की लॉजिस्टिक लागत बचत तथा 14.42 करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कमी का अनुमान है। इस रेल लाइन के विस्तार से अमरकंटक, बांधवगढ़, जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों तक बेहतर पहुंच को बढ़ावा मिलेगा। परियोजना से लगभग 68 लाख मानव-दिवस रोजगार सृजन की संभावना है।

**बिलासपुर (उसलापुर)-पेंड्रा रोड तीसरी लाइन**

87 किलोमीटर लंबी इस परियोजना की लागत 1,279 करोड़ रुपए है। इसके पूर्ण होने से प्रतिवर्ष लगभग 96.2 करोड़ रुपए की लॉजिस्टिक लागत बचत तथा 4.3 करोड़ किलोग्राम कार्बन उत्सर्जन में कमी का अनुमान है। यह परियोजना अचानकमार, अमरकंटक, खुटाघाट, मल्हार और रतनपुर जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों के लिए बेहतर रेल संपर्क को बढ़ावा देगी। परियोजना से लगभग 30 लाख मानव-दिवस रोजगार सृजन की संभावना है। इन दोनों परियोजनाओं के पूर्ण होने से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्षेत्र में रेल आधारभूत संरचना का व्यापक विस्तार होगा। यात्री सुविधाओं और कनेक्टिविटी में सुधार के साथ ट्रेनों की गतिशीलता बढ़ेगी, यात्रा अधिक सुगम होगी तथा छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश के विभिन्न शहरों से उत्तर भारत के बीच संपर्क और मजबूत होगा। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से पर्यटन को बढ़ावा मिलने के साथ उद्योग एवं व्यापार के विस्तार, माल परिवहन की क्षमता में वृद्धि और नए रोजगार अवसरों के सृजन को भी गति मिलेगी।

# पुलिस की हिरासत में तबीयत बिगड़ने से युवक की मौत

विश्व केसरी■

**जांजगीर-चांपा।** चांपा पुलिस की हिरासत में 30 वर्षीय युवक शिव सहिस की बुधवार को तबियत खराब होने के बाद जिला अस्पताल में उपचार के दौरान गुरुवार की सुबह लगभग 8.30 बजे मौत हुई है। बताया जा रहा है कि चांपा थाने के एक प्रशिक्षु सब इंस्पेक्टर और दो आरक्षक ने युवक शिव के घर से 20 लीटर अवैध देशी शराब के साथ में बुधवार की दोपहर में पकड़ कर थाने लेकर आई थी। देर रात 10 बजे थाने में तबीयत बिगड़ने के बाद उसे पहले उपचार के लिए ब्लॉक अस्पताल में भेजा गया था वहां ईलाज के बाद 6 बजे जिला अस्पताल जांजगीर ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

मृतक चांपा के मेहंदीपारा का रहने वाला है।पुलिस के मुताबिक युवक को मिर्गी का दौरा पड़ा था, जबकि मृतक के परिजनों ने पुलिस पर मारपीट करने का आरोप लगाया है। घटना की जानकारी मिलते ही आक्रोशित परिजन और बड़ी संख्या में लोग चांपा थाने पहुंच गए और घेराव किया। स्थिति को देखते हुए थाने में बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है। फिलहाल घटना के कारणों और युवक की मौत की परिस्थितियों को लेकर आधिकारिक पुष्टि और विस्तृत जानकारी का इंतजार है।

# सीसीए रायपुर ने सुयश हॉस्पिटल के साथ एक विश्वस्तरीय कैंसर सेंटर का किया शुभारंभ

विश्व केसरी■

**रायपुर।** रायपुर में स्थित सुयश हॉस्पिटल ने क्षेत्र की जनता को स्वास्थ सुविधा की कड़ी में कैंसर के इलाज की नई सुविधा उपलब्ध कराने हेतु आज दिनांक 10 सितंबर 2026 को विश्वविख्यात कैंसर सेंटर्स ऑफ अमेरिका (सीसीए) ग्रुप के साथ मिलकर कैंसर सेंटर का शुभारंभ किया हैए यह सेंटर मरीजों को एक ही स्थान पर व्यापक और आधुनिक कैंसर उपचार की सुविधा उपलब्ध कराएगा।

नए सेंटर में अनुभवी कैंसर विशेषज्ञए आधुनिक तकनीकए वैज्ञानिक प्रमाणों पर आधारित उपचार पद्धतियां और मरीजों को प्राथमिकता देने वाली सेवाएं उपलब्ध हैं। इसका उद्देश्य उच्च गुणवत्ता वाली कैंसर चिकित्सा को अधिक सुलभ बनाना और मरीजों को बेहतर उपचार उनके घर के करीब उपलब्ध कराना है। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री माननीय श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रायपुर लोकसभा सांसद बृज मोहन अग्रवाल जीए रायपुर दक्षिण विधायक सुनील कुमार सोनी जीए रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत तथा रायपुर की महापौर मीनल चौबे की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई और क्षेत्र में उन्नत कैंसर उपचार की सुविधाओं को मजबूत करने के महत्व को दर्शाया। उद्घाटन समारोह में सीसीए और सुयश हॉस्पिटल की नेतृत्व टीम भी उपस्थित रही। इसमें स्मिता राजू ए (सीइओ) सीसीएय राजेश मंथाना (एग्जीक्यूटिव डायरेक्टरद्ध सीसीएय तथा डॉ मनोज लाहोटीए डॉ नितिन गोयल और डॉ विवेक केशरवानीए डायरेक्टरसए सुयश हॉस्पिटल शामिल रहे। दोनों संस्थानों का सहयोग रायपुर में इस व्यापक कैंसर उपचार केंद्र की शुरुआत में महत्वपूर्ण रहा है। दोनों का साझा उद्देश्य विशेषज्ञ चिकित्साए आधुनिक तकनीक और मरीज.केंद्रित देखभाल के माध्यम से बेहतर कैंसर उपचार व्यवस्था तैयार करना है।

**विभिन्न कैंसर विशेषज्ञ एक साथ**

सीसीए रायपुर में मेडिकल ऑन्कोलॉजीए रेडिएशन ऑन्कोलॉजीए सर्जिकल ऑन्कोलॉजीए हेमेटो.ऑन्कोलॉजी एवं बोन मैरो ट्रांसप्लांटए पीडियाट्रिक ऑन्कोलॉजी तथा न्यूक्लियर मेडिसिन और पेट.सीटी सहित विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ उपलब्ध हैं। विभिन्न विशेषज्ञ मिलकर प्रत्येक मरीज की बीमारी और जरूरत के अनुसार उपचार की योजना तैयार करेंगे। मरीजों को जांचए उपचार और उपचार के बाद की देखभाल तक सहयोग प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा।

# नशामुक्त समाज और सुपोषित भारत का संदेश लेकर बस्तर में दो दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम समापन

विश्व केसरी■

**रायपुर।** केंद्रीय संचार ब्यूरो, रायपुर, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा सद्भावना भवन, बस्तर में आयोजित दो दिवसीय चित्र प्रदर्शनी एवं जन-जागरूकता कार्यक्रम का आज समापन हुआ। कार्यक्रम के दौरान नशामुक्ति, स्वस्थ जीवनशैली, संतुलित आहार एवं पोषण के प्रति विद्यार्थियों, युवाओं, महिलाओं और आमजन को जागरूक किया गया। दूसरे दिन भी विभिन्न गतिविधियों में विद्यार्थियों एवं युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

ब्रह्माकुमारी केंद्र की मंजूषा बहन जी ने नशे से बचाव में ध्यान, आत्म-नियंत्रण और सकारात्मक सोच की भूमिका पर विशेष सत्र लिया। उन्होंने कहा कि मन और विचारों पर नियंत्रण रखने से व्यक्ति नकारात्मक आदतों से दूर रह सकता है। उन्होंने युवाओं को अपनी ऊर्जा सकारात्मक कार्यों में लगाने तथा नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान विद्यार्थियों के लिए ध्यान सत्र भी आयोजित किया गया।

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, बस्तर के प्राचार्य श्री चंद्रभान मिश्रा ने कहा कि नशे की बुराई को समाप्त करना हम सभी की नैतिक जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नशामुक्ति की शुरुआत व्यक्ति स्वयं से होनी चाहिए, इसके बाद परिवार को जागरूक करते हुए समाज और अंततः राष्ट्र को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर स्वस्थ, जिम्मेदार और सकारात्मक जीवन अपनाने की अपील की। विद्यालय एवं महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने नशामुक्ति पर विशेष नाटक प्रस्तुत कर नशे के दुष्परिणामों और नशामुक्त जीवन का प्रभावी संदेश दिया। युवाओं की सहभागिता बढ़ाने और जागरूकता प्रसारित करने के उद्देश्य से गीत, निबंध एवं भाषण प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। विद्यार्थियों ने नशामुक्त समाज, स्वस्थ जीवनशैली, पोषण और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों पर अपनी प्रस्तुतियां दीं।

# विधिक जागरूकता शिविर में न्यायिक मजिस्ट्रेट शुभदा गोयल ने दी जानकारी

विश्व केसरी■

**सक्ती (ईश्वर लोधी)।** 'प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जांजगीर-चांपा के कुशल मार्गदर्शन में कार्यालय तालुका विधिक सेवा समिति, सक्ती के तत्वावधान में 9 सितंबर को ग्राम पंचायत बोरदा के सामुदायिक भवन में 'यौन उत्पीड़न रोकथाम, निषेध और निवारण अधिनियम, 2013' विषय पर एक विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की मुख्य वक्ता शुभदा गोयल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट रहीं।

शुभदा गोयल, मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने अपने संबोधन में बताया कि यह अधिनियम कार्यस्थल पर महिलाओं को यौन उत्पीड़न से सुरक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से बनाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक संस्थान में 'आंतरिक शिकायत समिति' का गठन अनिवार्य है, जहां पीड़ित महिला अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों पर प्रकाश डाला। शिकायत दर्ज कराने की समय-सीमा (घटना के 3 माह के भीतर) शिकायत की गोपनीयता बनाए रखने का प्रावधान झूठी शिकायत पर भी कार्रवाई का प्रावधान, अंकिता देवदास, न्यायिक मजिस्ट्रेट सक्ती ने बताया नियोक्ता के दायित्व और अनुपालन न करने पर दंड का प्रावधान उपस्थित प्रतिभागियों को यह भी बताया गया कि पीड़िता किस प्रकार निःशुल्क विधिक सहायता प्राप्त कर सकती है और शिकायत निवारण प्रक्रिया किस प्रकार कार्य करती है। इस शिविर में महिला बड़ी संख्या में उपस्थित रहीं एवं पैरालीगल वॉलिंटियर्स मनीष साहू, प्रहलाद बंजारे, संतोष कश्यप कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

# श्री सिद्ध हनुमान मंदिर की 173वीं महाआरती में शामिल हुए पंडित पी. श्रीनिवास राव

विश्व केसरी■

**सक्ती (ईश्वर लोधी)।** श्री सिद्ध हनुमान मंदिर सक्ती में आयोजित 173वीं महाआरती में सेवानिवृत्त प्राचार्य पंडित पी. श्रीनिवास राव शामिल हुए। उन्होंने श्री सिद्ध हनुमान मंदिर परिवार द्वारा आयोजित महाआरती को वर्तमान समय की उत्कृष्ट धार्मिक एवं सांस्कृतिक पहल बताते हुए कहा कि हनुमान लला का आशीर्वाद सभी श्रद्धालुओं पर सदैव बना रहे, यही उनकी कामना है।

मंदिर के संरक्षक एवं हाईकोर्ट अधिवक्ता चितरंजय पटेल ने कहा कि महाआरती केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति के सशक्तिकरण और जागरण की दिशा में एक प्रभावी पहल है। ऐसे आयोजनों से समाज में धार्मिक आस्था, संस्कार और सांस्कृतिक चेतना को मजबूती मिलती है।

महाआरती के अवसर पर पुजारी ओमप्रकाश वैष्णव ने हनुमान लला का दिव्य श्रृंगार कर विधि-विधान से पूजन एवं आरती संपन्न कराई। कार्यक्रम का संचालन कोंडके मौर्य ने किया, जबकि फोटोग्राफी की जिम्मेदारी अमित तंबोली ने निभाई। दीप प्रज्ज्वलन संध्या ओम वैष्णव, लीलावती वैष्णव, सुनीता अमित तंबोली, आंचल योगेश देवांगन, अंजू देवांगन, पत्रिका साहू, प्रेमलता जायसवाल, निम्मी, वान्या वैष्णव सहित मंदिर परिवार की बहनों ने किया।

हनुमान लला का सुबह का श्रृंगार गौरव सोनी तथा शाम का श्रृंगार विकास अग्रवाल द्वारा कराया गया। प्रसाद व्यवस्था में यातायात थाना सक्ती, पप्पू खर्रा एवं अमित तंबोली का सहयोग रहा।

महाआरती के अवसर पर सिंदूर अभिषेक राम गोपाल देवांगन, सावित्री यादव, लीना विकास बरेठ, नितिन अन्नपूर्णा, प्रत्यूषा, पद्माक्ष सोनी एवं श्रद्धा यादव द्वारा कराया गया। वहीं सुंदरकांड का आयोजन गीतेश पांडे, एकांश बरेठ, हर्ष बरेठ, निधि राहुल, तनिष राठौर एवं आदित्य अग्रवाल द्वारा किया गया।

ज्ञात हो कि श्री सिद्ध हनुमान मंदिर की महाआरती का हमारे हनुमान यूट्यूब चैनल के माध्यम से गौरव यादव एवं योगेश देवांगन द्वारा लाइव प्रसारण किया जा रहा है, जिससे देश-विदेश के श्रद्धालु भी ऑनलाइन दर्शन का लाभ प्राप्त कर रहे हैं। कार्यक्रम में आज का विशेष उपहार स्वप्निल चौबे को प्रदान किया गया।

# महाराष्ट्र मंडल ने तीज महोत्सव में 'पौधा लगाओ पर्यावरण बचाओ' का दिया संदेश

विश्व केसरी■

**रायपुर।** महाराष्ट्र मंडल के देवेंद्र नगर महिला केंद्र ने हरतालिका तीज उत्सव के पूर्व तीज आवरण सहभोग का आयोजन किया। इसमें महिलाओं ने 'पौधा लगाओ और पर्यावरण बचाओ' का संदेश दिया। केंद्र की वरिष्ठ सदस्य कुमुद लाड ने सभी सदस्यों को जेड प्लांट के पौधे भेंट किए। वहीं श्रृंगार, विज्ञान और भाग्य पर आधारित खेले गए, इन गेम्स ने महिलाओं का उत्साह दोगुना कर दिया।

देवेंद्र नगर केंद्र की संयोजिका नम्रता गंगने ने बताया कि कार्यक्रम में सभी महिलाएं हरी साड़ी के ड्रेस कोड पर पहुंचीं थीं। सभी का स्वागत हल्दी कुंकू लगाकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी ने सामूहिक हनुमान चालीसा का पाठ भी किया। कार्यक्रम में पहला खेल श्रृंगार से जुड़ा था। इसमें छह बॉक्स में आभूषण की छह चीजें रखी गई थी। जिसमें चूड़ी, गजरा, मोती की माला, हेयर क्लीप, साड़ी पिन और बाल का बक्कल शामिल था। सभी महिलाओं को एक-एक मिनट का समय दिया गया। पासा फेंककर जो आता, उस बाक्स में रखे आभूषण को पहनना था। दोबारा वही अंक आने पर उसे उतारना था। एक मिनट के अंदर, जिसने सबसे ज्यादा आभूषण पहने। वह विजेता घोषित किया गया। जिसमें दीपाली अमीन विजेता और साक्षी टोले उप विजेता स्थान पर रहीं।

नम्रता के अनुसार दूसरा खेल भाग्य आधारित था, जिसमें एक गोलाकार ट्रे के चारों ओर छह रंग की चूडियों छह- छह की संख्या में रखी। ट्रे खाली था। पासा फेंको, संख्या देखो, चूड़ी ट्रे में डालो। एक मिनट का समय था। विजेता घोषित करने के लिए बाहर दो पर्ची रखी थी, जिसमें अंदर या बाहर लिखा था। जिसने जो पर्ची उठाई, उसकी वैसी गिनती हुई।

# बाजार में लगातार तीन दिन की गिरावट का सिलसिला टूटा, सेंसेक्स 138 अंक चढ़ा

विश्व केसरी■

**मुंबई।** पश्चिम एशिया में जारी लगातार भू-राजनीतिक तनावों के बीच भारतीय शेयर बाजार लगातार तीन कारोबारी सत्रों की गिरावट का सिलसिला तोड़ते हुए गुरुवार के सत्र में बढ़त के साथ हरे निशान में बंद हुआ।

इस बीच, बीएसई सेंसेक्स 138.36 अंक यानी 0.19 प्रतिशत बढ़कर 74,902.59 पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 50 46.30 अंक या 0.20 प्रतिशत बढ़कर 23,477.80 पर पहुंच गया। इस दौरान, करीब 1,802 शेयरों में तेजी, 2,224 शेयरों में गिरावट और 135 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

दिन के शुरुआत में सेंसेक्स अपने पिछले बंद 74,764.23 से 21.69 अंक की मामूली गिरावट के साथ 74,742.54 पर खुला और दिन के कारोबार में एक समय इसने 146.73 अंकों यानी 0.19 प्रतिशत की तेजी के साथ 74,910.96 का उच्चतम स्तर छुआ, जबकि एक समय यह 165.75 अंक यानी 0.22 प्रतिशत फिसलकर 74,598.47 के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया था।

वहीं निफ्टी आज अपने पिछले बंद 23,431.50 से मामूली 15 अंक उछलकर 23,446.60 पर खुला। हालांकि दिन के कारोबार में एक समय यह 63.45 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 23,494.95 के दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया, जबकि एक समय 51.40 अंक यानी 0.21 प्रतिशत फिसलकर यह 23,380.10 के इंट्रा-डे लो पर पहुंच गया था। व्यापक बाजारों की बात करें तो, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप क्रमश: 0.38 प्रतिशत और 0.07 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं, सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी मीडिया, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज, निफ्टी पीएसयू बैंक और निफ्टी प्राइवेट बैंक ने बेहतर प्रदर्शन किया, जबकि निफ्टी मेटल, निफ्टी फार्मा, निफ्टी ऑटो, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी एफएमसीजी का प्रदर्शन खराब रहा।

निफ्टी 50 इंडेक्स में एचसीएल टेक, हिंडाल्को और टाटा स्टील सबसे ज्यादा नुकसान उठाने वाली कंपनियां रहीं, जबकि एचडीएफसी लाइफ, पावरग्रिड, ओएनजीसी, भारतीय एयरटेल और टेक महिंद्रा के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी देखने को मिली। इस बीच, मध्य पूर्व में बढ़ते संघर्ष के कारण कच्चे तेल की कीमतें 102 डॉलर प्रति बैरल के स्तर से ऊपर बनी रहीं। ईरान ने कहा कि छह महीने से चल रहे संघर्ष में जहाजों पर हुए सबसे बड़े हमलों में अमेरिका द्वारा पांच ईरानी तेल टैंकरों को डुबोए जाने के बाद उसने होर्मुज जलडमरूमध्य के पास 10 जहाजों पर हमला किया, जिससे तेल की कीमतें प्रभावित हुईं।

# सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार अमेरिका के महंगाई डेटा का इंतजार

विश्व केसरी■

**मुंबई।** सोने और चांदी में गुरुवार को मिलाजुला कारोबार हो रहा है, यह दिखाता है कि निवेशक दोनों कीमती धातुओं पर फैसला लेने से पहले अमेरिका के महंगाई के डेटा का इंतजार कर रहे हैं।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का 5 अक्टूबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 1,53,763 रुपए प्रति 10 ग्राम के मुकाबले मामूली कमजोरी के साथ 1,53,581 रुपए प्रति 10 ग्राम पर खुला। फिलहाल यह 247 रुपए या 0.16 प्रतिशत की तेजी के साथ 1,54,010 रुपए पर था।

अब तक के कारोबार में सोना ने 1,53,581 रुपए प्रति 10 ग्राम का न्यूनतम स्तर और 1,54,450 रुपए प्रति 10 ग्राम का उच्चतम स्तर छुआ है। वहीं, चांदी में कमजोरी देखी जा रही है। चांदी का 4 दिसंबर, 2026 का कॉन्ट्रैक्ट पिछली क्लोजिंग 2,44,213 रुपए प्रति किलो के मुकाबले 2,43,292 रुपए प्रति किलो पर खुला। फिलहाल यह 523 रुपए या 0.21 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,43,690 रुपए प्रति किलो पर था।

अब तक के कारोबार में चांदी ने 2,42,726 रुपए प्रति किलो का न्यूनतम स्तर और 2,44,300 रुपए प्रति किलो का उच्चतम स्तर छुआ है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में सोने और चांदी में मिलाजुला कारोबार हो रहा है। कॉमेक्स पर सोना 0.17 प्रतिशत की मामूली तेजी के साथ 4,467 डॉलर प्रति औंस और चांदी 0.60 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 68.2 डॉलर प्रति औंस पर थी। यह दर्शाता है कि अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी दोनों कीमती धातुओं में सीमित दायरे में कारोबार हो रहा है।

जानकारों के मुताबिक, सोने और चांदी के सीमित दायरे में कारोबार करने की वजह अमेरिका में आने वाले महंगाई के डेटा को लेकर निवेशकों का सतर्क रहना है, जो कि 11 सितंबर को जारी किया जाएगा।

उन्होंने आगे कहा कि अगर महंगाई उम्मीद से अधिक आती है तो सोने में दबाव देखने को मिल सकता है, क्योंकि इससे अगले हफ्ते होने वाले फेड बैठक में ब्याज दर बढ़ोतरी की संभावनाएं बढ़ जाएंगी।

# इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में नेट इनफ्लो अगस्त में 29,329 करोड़ रुपए रहा, एयूएम 87 लाख करोड़ रुपए के पार

विश्व केसरी■

**मुंबई।** इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में अगस्त में नेट इनफ्लो मासिक आधार पर 4,631.23 करोड़ रुपए बढ़कर 29,328.62 करोड़ रुपए हो गया है, जो कि जुलाई में 24,697.39 करोड़ रुपए था। यह जानकारी एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एम्फी) की ओर से गुरुवार को जारी किए गए डेटा में दी गई।

अगस्त में सबसे अधिक 7,973.33 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो स्मॉलकैप फंड्स में दर्ज किया है। इस कैटेगरी में जुलाई में 7,767.50 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो आया था।

वहीं, मिडकैप फंड्स में 6,989.40 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो आया है, जो कि पहले 6,192.31 करोड़ रुपए था। फ्लेक्सी कैप फंड्स में 5,059.42 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है, जो कि पहले 4,709.08 करोड़ रुपए था।

इसके अलावा, लार्जकैप फंड्स में नेट इनफ्लो -1,147.36 करोड़ रुपए रहा है, जुलाई में भी इस कैटेगरी में -1,321.69 करोड़ रुपए की निकासी देखी गई थी।

लार्ज एंड मिडकैप फंड्स में अगस्त में 3,872.79 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है, जबकि जुलाई में यह आंकड़ा 3,425.37 करोड़ रुपए था।

इसके अलावा, अगस्त में मल्टीकैप फंड्स में 3,732.77 करोड़ रुपए, कॉन्ट्रा फंड्स में 1,328.01 करोड़ रुपए और फोकस्ड फंड्स में 994.74 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है। अगस्त में इक्विटी ईटीएफ में 7,237.49 करोड़ रुपए का नेट इनफ्लो दर्ज किया गया है। अगस्त में म्यूचुअल फंड्स इंडस्ट्री का कुल एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) बढ़कर 87.07 लाख करोड़ रुपए हो गया है, जो जुलाई में 85.75 लाख करोड़ रुपए पर था।

इस हफ्ते की शुरुआत में, सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) के डेटा में बताया गया कि कि बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद म्यूचुअल फंड में नेट एसआईपी इनफ्लो वित्त वर्ष 26 में रिकॉर्ड 2 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

वित्त वर्ष 26 में कुल 3.5 लाख करोड़ रुपए के एसआईपी निवेश में नेट एसआईपी इनफ्लो का हिस्सा लगभग 56 प्रतिशत था, जो तीन सालों में सबसे उच्चतम स्तर है। वित्त वर्ष 25 में यह हिस्सा 54 प्रतिशत था।

# 'समुद्र मंथन मिशन' से गहरे समुद्री तेल-गैस अन्वेषण को मिलेगी नई गति

विश्व केसरी■

**गुवाहाटी।** सार्वजनिक क्षेत्र की ऊर्जा कंपनी ऑयल इंडिया लिमिटेड (ओआईएल) अनुसंधान, नवाचार और स्टार्टअप्स के माध्यम से ऊर्जा क्षेत्र में नई संभावनाओं को बढ़ावा देने पर लगातार काम कर रही है। इसी दिशा में कंपनी की भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के साथ साझेदारी भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। ऑयल इंडिया लिमिटेड के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. रंजीत रथ ने गुरुवार को न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए गुरुवार को कहा कि कंपनी कई नवाचार-आधारित परियोजनाओं और स्टार्टअप्स पर आईआईटी गुवाहाटी के साथ काम कर रही है। उन्होंने बताया कि इन पहलों में एक परियोजना कंपनी के लिए विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, जिसके तहत ऐसे एंजाइम विकसित किए जा रहे हैं जो बांस से बनने वाले इथेनॉल और अन्य जैव-आधारित उत्पादों की उत्पादकता तथा उत्पादन क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत करने और नई तकनीकों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित एमसी2+ इग्नाइट चैलेंज जैसे कार्यक्रम नवाचार को नई दिशा देने का काम कर रहे हैं। इससे उद्योग और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सहयोग भी मजबूत होगा।'

डॉ. रंजीत रथ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा घोषित 'समुद्र मंथन मिशन' को भारत के ऊर्जा क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि इस मिशन का उद्देश्य भारतीय समुद्री क्षेत्रों में गहरे और अति-गहरे पानी (डीपवाटर और अल्ट्रा-डीपवाटर) में तेल एवं गैस की खोज को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री ने इस मिशन की घोषणा करते हुए समुद्री ऊर्जा संसाधनों की खोज को नई दिशा देने की बात कही थी। इसके तहत भारतीय समुद्री क्षेत्र के लगभग 10 लाख वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अन्वेषण के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। इसमें देश के पूर्वी और पश्चिमी तट, विशेष आर्थिक क्षेत्र और अंडमान बेसिन जैसे रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। ऑयल इंडिया के सीएमडी ने कहा कि गहरे समुद्री क्षेत्रों में अन्वेषण को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने एक व्यापक योजना तैयार की है, जिसके तहत लगभग 8 अरब अमेरिकी डॉलर का प्रावधान किया गया है।

# मेमोरी की बढ़ती लागत के चलते एप्पल ने भारत में आईफोन की कीमतों को 40 प्रतिशत तक बढ़ाया

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** एप्पल ने भारत में अपने आईफोन लाइनअप की कीमतों में 40 प्रतिशत तक की बढ़ोतरी की है। इसकी वजह मेमोरी की बढ़ती लागत है। वहीं, कंपनी ने अपने स्मार्टफोन की नई पीढ़ी लॉन्च करने के साथ 'आईफोन डुओ' के साथ फोल्डेबल सेगमेंट में भी प्रवेश किया है, जिसकी कीमत 2.99 लाख रुपए निर्धारित की गई है।

एप्पल ने आईफोन 17 के 256जीबी वेरिएंट की कीमत को 82,900 रुपए से बढ़ाकर 99,900 रुपए कर दिया है, जो कीमत में 17,000 रुपए या 20.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्शाता है। वहीं, 512जीबी वेरिएंट की कीमत 1,24,900 रुपए हो गई है, जो पहले 1,02,900 रुपए थी। इससे कीमत में 22,000 रुपए या 21.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

आईफोन 18 प्रो की शुरुआती कीमत 1,64,900 रुपए है, जो आईफोन 17 प्रो की तुलना में 22 प्रतिशत अधिक है। वहीं, आईफोन 18 प्रो मैक्स की शुरुआती कीमत 1,79,900 रुपए है, जो 20 प्रतिशत अधिक है। इसके अलावा, सबसे बड़ी बढ़ोतरी 1टीबी वाले आईफोन एयर की कीमत में हुई है। इसकी कीमत 40.6 प्रतिशत बढ़कर 2,24,900 रुपए हो गई है, जो पहले 1,59,900 रुपए थी।

आईफोन एयर के 256जीबी और 512जीबी वेरिएंट भी 25 प्रतिशत महंगे हो गए हैं। इसके अलावा, आईफोन 17ई की शुरुआती कीमत अब 79,900 रुपए है, जो 23.1 प्रतिशत अधिक है। वहीं, 128जीबी वाले आईफोन 16 की कीमत 28.6 प्रतिशत बढ़कर 89,900 रुपए हो गई है। भारत में एप्पल के प्रो मॉडल्स की कीमतों में हुई बढ़ोतरी कई प्रमुख बाजारों की तुलना में काफी अधिक है। अमेरिका में आईफोन 18 प्रो और प्रो मैक्स की कीमतों में क्रमश: 9 प्रतिशत और 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

काउंटरपॉइंट रिसर्च के रिसर्च डायरेक्टर तरुण पाठक के अनुसार, भारत में आईफोन की कीमतें 20-30 प्रतिशत बढ़ी हैं, जो 8-10 प्रतिशत के वैश्विक औसत से काफी अधिक है। उन्होंने कीमतों में इस बढ़ोतरी के लिए मेमोरी की लागत, रुपए की कमजोरी और घरेलू उत्पादन की बढ़ी हुई लागत को जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा कि आईफोन डुओ पर 20 प्रतिशत तक का आयात शुल्क लग सकता है, क्योंकि इसका स्थानीय स्तर पर असेंबल नहीं किया जाता है। साइबरमीडिया रिसर्च के इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप के प्रमुख प्रभु राम ने कहा कि 2,99,900 रुपए की कीमत वाला आईफोन डुओ प्रो सीरीज से ऊपर एक अल्ट्रा-प्रीमियम श्रेणी स्थापित करता है।

# भारत की 'नई औद्योगिक क्रांति' में घरेलू बाजार निभाएगा अहम भूमिका, निजी क्षेत्र की बढ़ेगी हिस्सेदारी: जेफरीज

विश्व केसरी■

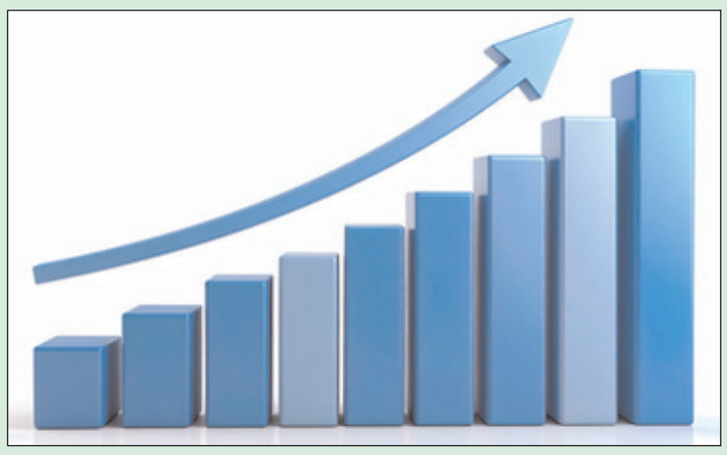

**नई दिल्ली।** ग्लोबल इन्वेस्टमेंट बैंक जेफरीज ने कहा कि भारत की 'नई औद्योगिक क्रांति' में घरेलू बाजार अहम भूमिका निभाएगा। इस दौरान स्पेस, सेमीकंडक्टर, डेटा सेंटर्स, इलेक्ट्रोनिक्स,सोलर मैन्युफैक्चरिंग और एयरोस्पेस सेक्टर में तेज ग्रोथ और सरकारी नीतिगत समर्थन से निजी क्षेत्र की हिस्सेदारी बढ़ेगी।

रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में घरेलू स्तर पर बड़े मौकों, प्राइवेट सेक्टर की बढ़ती भागीदारी और सरकार के सहयोग से नए उद्योगों का विस्तार हो रहा है, साथ ही घरेलू क्षमता और वैश्विक प्रतिस्पर्धा भी बढ़ रही है।

जेफरीज की रिपोर्ट खास तौर पर इन उभरते सेक्टर में ग्रोथ को बढ़ावा देने वाले कुछ अहम कदमों का जिक्र किया गया है, जिसमें प्राइवेट कंपनियों के लिए स्पेस सेक्टर खोलना, डेटा सेंटरों के लिए टैक्स में छूट, सेमीकंडक्टर, इलेक्ट्रॉनिक्स और सोलर के लिए इंसेंटिव स्कीम, लोकलाइजेशन के उपाय और सरकार द्वारा जीपीयू की खरीद जैसे उपाय शामिल हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारत उन चुनिंदा देशों में शामिल है जो अंतरिक्ष के क्षेत्र में काम कर रहे हैं और क्षमताएं वैश्विक स्तर पर मुकाबला करने लायक हैं। भारत का लक्ष्य अपने स्पेस सेक्टर को 2030 तक 5 गुना बढ़ाकर 40-45 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का है, जिसमें स्काईरूट, पिक्सेल और अग्निकुल जैसी निजी कंपनियां कमर्शियल कामकाज की ओर बढ़ रही हैं। सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में, भारत का प्रयास अब पॉलिसी से आगे बढ़कर काम को असल रूप देने की ओर बढ़ रहा है। इसमें लगभग 20 बिलियन डॉलर का निवेश, एक चिप फैब का निर्माण और कई ओएसएटी प्रोजेक्ट्स में प्रोडक्शन शुरू होना शामिल है। रिपोर्ट में कहा गया है कि 13 बिलियन डॉलर का एक और इंसेंटिव प्लान सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम को और मजबूत करेगा।

# इसरो ने 220 केएन थ्रस्ट पर सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का सफल हॉट टेस्ट किया, एलवीएम3 मिशन को मिली मजबूती

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को कहा कि उसने अपने सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का 220 केएन के अपरेटेड थ्रस्ट (बढ़ी हुई क्षमता) पर 'फ्लाइट एक्सेप्टेंस हॉट टेस्ट' सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। यह आने वाले एलवीएम3 मिशन की दिशा में एक और कदम है।

स्पेस एजेंसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में बताया कि यह टेस्ट तमिलनाडु के महेंद्रगिरि में इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स (आईपीआरसी) में किया गया।

टेस्ट किया गया सीई20 इंजन आने वाले एलवीएम3 मिशन के सी32 अपर स्टेज (ऊपरी हिस्से) के लिए तय किया गया है। 220 केएन पर किया गया यह टेस्ट क्रायोजेनिक इंजन की बढ़ी हुई थ्रस्ट क्षमता को दिखाता है और इसका मकसद उड़ान से पहले इसके परफॉर्मेंस को वेरिफाई करना है।

इसरो ने कहा, 'आने वाले एलवीएम3 मिशन के सी32 अपर स्टेज के लिए तय सीई20 क्रायोजेनिक इंजन का 220 केएन के ऑपरेटेड थ्रस्ट पर 'फ्लाइट एक्सेप्टेंस हॉट टेस्ट' 9 सितंबर को इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स, महेंद्रगिरि में सफलतापूर्वक किया गया।' इसरो ने कहा, 'इस टेस्ट में गगनयान मिशन के सी32 स्टेज के लिए बने एलओएक्स टैंक प्रेशराइजेशन मॉड्यूल (एलटीपीएम) के परफॉर्मेंस का भी सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया।'

इसी टेस्ट के दौरान इसरो ने एलओएक्स टैंक प्रेशराइजेशन मॉड्यूल (एलटीपीएम) के परफॉर्मेंस का भी सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया, जिसे गगनयान मिशन के सी32 स्टेज के लिए डिजाइन किया गया है। यह सफल हॉट टेस्ट ऐसे समय में हुआ है जब इसरो भारत के बढ़ते अंतरिक्ष कार्यक्रम के लिए एडवांस्ड प्रोपल्शन और लॉन्च सिस्टम विकसित और क्वालिफाई कर रहा है।

# लाल या सफेद ड्रैगन फ्रूट? सेहत के लिए कौन सा है बेस्ट? जानें दोनों में क्या है अंतर

बाज़ार में मिलने वाले ड्रैगन फ्रूट मुख्य रूप से दो तरह के होते हैं: लाल गूदे वाले और सफ़ेद गूदे वाले. हालांकि बाहर से देखने में ये दोनों फल लगभग एक जैसे ही लगते हैं, लेकिन सवाल यह उठता है कि सेहत के लिए कौन सा लाल या सफ़ेद ड्रैगन फ्रूट ज़्यादा फ़ायदेमंद है?

आजकल ड्रैगन फ्रूट लोगों के बीच काफी लोकप्रिय हो गया है. बाज़ार में यह मुख्य रूप से लाल या सफ़ेद गूदे वाली किस्मों में मिलता है. हालांकि बाहर से देखने में ये दोनों फल लगभग एक जैसे लग सकते हैं, लेकिन इनके अंदर का रंग और कुछ पोषक तत्वों की मात्रा अलग-अलग होती है. इससे यह सवाल उठता है कि लाल या सफ़ेद इनमें से कौन सा ड्रैगन फ्रूट आपकी सेहत के लिए सबसे ज़्यादा फ़ायदेमंद है?

लाल और सफ़ेद ड्रैगन फ्रूट दोनों एक ही परिवार के हैं और इनमें पानी, फ़ाइबर और कई ज़रूरी पोषक तत्व होते हैं. सफ़ेद ड्रैगन फ्रूट का गूदा सफ़ेद होता है और उसमें छोटे-छोटे काले बीज होते हैं, जबकि लाल ड्रैगन फ्रूट का गूदा गुलाबी से लेकर लाल रंग का हो सकता है. इसका लाल रंग मुख्य रूप से 'बीटालेन' (betalains) नाम के प्राकृतिक पिगमेंट की वजह से होता है. यह पिगमेंट इसे आकर्षक रंग देता है और इसमें एंटीऑक्सीडेंट भी भरपूर मात्रा में होते हैं.

लाल गूदे वाले ड्रैगन फ्रूट में बीटालेन जैसे एंटीऑक्सीडेंट पिगमेंट होते हैं. एंटीऑक्सीडेंट शरीर को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद करते हैं. इसके अलावा, इसमें जिंक भी होता है, जो पाचन स्वास्थ्य के लिए फ़ायदेमंद हो सकता है. हालांकि, सिर्फ़ रंग देखकर यह कहना सही नहीं होगा कि यह हर किसी के लिए सफ़ेद ड्रैगन फ्रूट से बेहतर है.

सफ़ेद ड्रैगन फ्रूट के भी अपने फ़ायदे हैं. इसमें मौजूद फ़ाइबर पेट भरा हुआ महसूस कराने और पाचन में मदद कर सकता है। इसमें विटामिन और मिनरल भी होते हैं। लाल वैरायटी की तुलना में इसका स्वाद आम तौर पर हल्का और कम मीठा होता है.

अगर सवाल यह है कि कौन सा बेहतर है लाल या सफ़ेद तो इसका कोई एक निश्चित जवाब नहीं है. दोनों ही पौष्टिक फल हैं जिन्हें आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं। हालांकि लाल ड्रैगन फ्रूट में एंटीऑक्सीडेंट पिगमेंट ज़्यादा होने की वजह से अतिरिक्त पोषण मिल सकता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि सफ़ेद ड्रैगन फ्रूट कम फ़ायदेमंद है।

ड्रैगन फ्रूट का मज़ा लेने का सबसे आसान तरीका इसे ताज़ा खाना है. इसे फ्रूट बाउल या स्मूदी में भी मिलाया जा सकता है. किसी भी फल की तरह, इसे भी बहुत ज़्यादा मात्रा में खाने के बजाय सीमित मात्रा में खाना सबसे अच्छा है।

# बच्चे की परवरिश में मां ही नहीं, पिता भी बराबर के जिम्मेदार, ये 5 बातें बनाएंगी आपको सुपर डैड

बच्चे की परवरिश सिर्फ मां की जिम्मेदारी नहीं है. पिता का समय, प्यार और साथ भी बच्चे के आत्मविश्वास और भावनात्मक विकास के लिए जरूरी है. अगर आप अपने बच्चे के लिए सुपर डैड बनना चाहते हैं तो रोजमर्रा की जिंदगी में ये 5 छोटी लेकिन जरूरी बातें अपनाएं. जानिए कैसे बनें बच्चे के बेहतर दोस्त और मजबूत सहारा.

बच्चा बीमार पड़े तो मां दौड़े, स्कूल की मीटिंग हो तो मां जाए, होमवर्क से लेकर टिफिन तक की चिंता भी मां करे... और पिता की जिम्मेदारी सिर्फ कमाई तक सीमित रह जाए? अगर आपके घर में भी पेरेंटिंग का कुछ ऐसा ही बंटवारा है, तो इसे बदलने का वक्त आ गया है. बच्चे को सिर्फ एक कमाने वाले पिता की नहीं, बल्कि ऐसे डैड की जरूरत होती है जो उसकी छोटी-बड़ी दुनिया का हिस्सा बने.

बच्चे की परवरिश सिर्फ मां की जिम्मेदारी नहीं है. पिता का साथ भी बच्चे के भावनात्मक विकास, आत्मविश्वास और सोच पर गहरा असर डाल सकता है. पिता बच्चे के साथ जितना जुड़ेंगे, बच्चा उतना ही सुरक्षित और आत्मविश्वासी महसूस कर सकता है. इसके लिए पिता को कोई बड़ा बदलाव करने की जरूरत नहीं, बस रोजमर्रा की कुछ छोटी आदतों को अपनी जिंदगी में शामिल करना होगा.

कैसे बनें परफेक्ट पापा-

**बच्चे के साथ क्वालिटी टाइम बिताएं**

बच्चे को सिर्फ महंगे खिलौने या गिफ्ट नहीं चाहिए होते. उसे अपने पिता का समय और साथ भी चाहिए. दिन में कुछ समय सिर्फ बच्चे के लिए निकालें. उसके साथ खेलें, किताब पढ़ें, टहलने जाएं या बैठकर बातें करें. इस दौरान मोबाइल और ऑफिस के काम को थोड़ी देर दूर रखना बेहतर रहेगा. बच्चे को महसूस होना चाहिए कि उसके साथ बिताया समय आपके लिए भी खास है.

**उसकी बातें ध्यान से सुनें**

बच्चे की कोई बात आपको छोटी या मामूली लग सकती है, लेकिन उसके लिए वह बहुत बड़ी हो सकती है. इसलिए जब बच्चा कुछ बताने आए तो तुरंत डांटने या सलाह देने के बजाय पहले उसकी पूरी बात सुनें.

स्कूल में दोस्त से झगड़ा हुआ हो या किसी बात को लेकर डर लग रहा हो, उसे बिना जज किए सुनें. इससे बच्चे को भरोसा होगा कि वह अपनी परेशानियां पिता से भी खुलकर साझा कर सकता है.

**पेरेंटिंग के कामों में बराबर शामिल हों**

स्कूल बैग तैयार करने से लेकर होमवर्क देखने, खाना खिलाने या डॉक्टर के पास ले जाने तक बच्चे से जुड़े काम सिर्फ मां की जिम्मेदारी नहीं हैं. पिता भी इनमें बराबर हाथ बंटा सकते हैं. इससे मां का बोझ कम होता है और बच्चे को भी परिवार में जिम्मेदारियां मिलकर निभाने का अच्छा उदाहरण मिलता है।

# मूंग दाल और बेसन का ये कॉम्बिनेशन बना देगा क्रिस्पी चीला, स्वाद ऐसा कि उंगलियां चाटते रह जाएंगे आप

मूंग दाल, चना दाल और बेसन से बना चीला स्वादिष्ट होने के साथ आसान नाश्ते का विकल्प है. सब्जियों और मसालों से तैयार यह रेसिपी कम समय में बनती है और चटनी या दही के साथ खूब स्वादिष्ट लगती है.

सुबह का नाश्ता ऐसा हो जो जल्दी तैयार हो जाए और खाने के बाद लंबे समय तक पेट भरा महसूस हो, तो मूंग-चना बेसन का चीला एक बढ़िया विकल्प है. रोज-रोज पोहा, उपमा या पराठे से अगर मन ऊब गया है, तो यह आसान रेसिपी आपके नाश्ते का स्वाद बदल सकती है. मूंग दाल, चना दाल और बेसन से तैयार होने वाला यह चीला बाहर से हल्का क्रिस्पी और अंदर से नरम रहता है. इसमें प्याज, टमाटर, शिमला मिर्च, लहसुन और हरी मिर्च जैसी चीजें डालने से स्वाद और भी बढ़ जाता है.

खास बात यह है कि इसे बनाने के लिए किसी खास तैयारी की जरूरत नहीं पड़ती. सुबह की भागदौड़ में भी बैटर तैयार करके कुछ ही मिनटों में गरमा-गरम चीले बनाए जा सकते हैं. इसे दही या हरी चटनी के साथ परोसें तो नाश्ता और भी स्वादिष्ट लगता है.

मूंग-चना बेसन चीला बनाने के लिए सामग्री

इस रेसिपी के लिए आधा कप मूंग दाल, आधा कप चना दाल और आधा कप बेसन लें. इसके अलावा एक मध्यम टमाटर, एक प्याज, आधी शिमला मिर्च और 4-5 लहसुन की कलियां बारीक काट लें. स्वाद के अनुसार 1-2 हरी मिर्च, नमक और थोड़ा हरा धनिया भी रखें. मसालों में द चम्मच हल्दी, डु चम्मच जीरा पाउडर, द चम्मच लाल मिर्च पाउडर और डु चम्मच धनिया पाउडर इस्तेमाल कर सकते हैं।

# लाल और सफेद राजमा का अंतर जानकर रह जाएंगे हैरान, स्वाद से लेकर पोषण तक जानिये फर्क

लाल और सफेद राजमा में रंग, स्वाद, बनावट और पोषण संबंधी अंतर होते हैं. लाल राजमा गहरा, एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होता है, जबकि सफेद राजमा हल्का और जल्दी पकता है. जरूरत के अनुसार इसका सही चुनाव करें.

राजमा भारतीय रसोई का एक लोकप्रिय खाद्य पदार्थ है, जो स्वाद के साथ-साथ पोषण से भी भरपूर होता है. बाजार में मुख्य रूप से लाल राजमा और सफेद राजमा उपलब्ध होते हैं. देखने में भले ही दोनों एक जैसे लगें, लेकिन इनके रंग, स्वाद, बनावट और पोषण गुणों में कुछ महत्वपूर्ण अंतर होते हैं. आइए जानते हैं कि लाल और सफेद राजमा में क्या फर्क है और कौन सा आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकता है.

रंग और आकार में अंतर

लाल राजमा का रंग गहरा लाल या मरून होता है. इसके दाने अपेक्षाकृत छोटे और सख्त होते हैं. दूसरी ओर, सफेद राजमा का रंग क्रीम या हल्का सफेद होता है और इसके दाने अक्सर थोड़े बड़े तथा मुलायम होते हैं.

स्वाद और बनावट

लाल राजमा का स्वाद थोड़ा गाढ़ा और मिट्टी जैसा माना जाता है. पकने के बाद इसकी ग्रेवी अधिक गाढ़ी बनती है, इसलिए इसे पंजाबी राजमा बनाने के लिए अधिक पसंद किया जाता है.

सफेद राजमा का स्वाद अपेक्षाकृत हल्का और क्रीमी होता है. यह जल्दी गल जाता है और इसका टेक्सचर मक्खन जैसा मुलायम हो जाता है. इसी कारण कई लोग इसे सलाद और हल्के व्यंजनों में उपयोग करना पसंद करते हैं.

दोनों प्रकार के राजमा प्रोटीन, फाइबर, आयरन, मैग्नीशियम और पोटैशियम से भरपूर होते हैं. हालांकि लाल राजमा में एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा अधिक पाई जाती है, क्योंकि इसके गहरे रंग में प्राकृतिक फाइटोन्यूट्रिएंट्स मौजूद होते हैं.

सफेद राजमा भी पौष्टिक होता है, लेकिन इसमें एंटीऑक्सीडेंट की मात्रा लाल राजमा की तुलना में थोड़ी कम हो सकती है. दोनों ही शाकाहारी लोगों के लिए प्रोटीन का उत्कृष्ट स्रोत हैं.

पकाने का समय

लाल राजमा अपेक्षाकृत अधिक समय में पकता है. इसे रातभर भिगोकर पकाने से बेहतर परिणाम मिलते हैं.

सफेद राजमा थोड़ा जल्दी पक जाता है और कम समय में नरम हो जाता है. इसलिए जिन लोगों के पास समय कम होता है, वे सफेद राजमा को प्राथमिकता दे सकते हैं.

स्वास्थ्य लाभ

दोनों प्रकार के राजमा हृदय स्वास्थ्य के लिए अच्छे माने जाते हैं. इनमें मौजूद फाइबर कोलेस्ट्रॉल नियंत्रित करने में मदद करता है. साथ ही यह लंबे समय तक पेट भरा रखने में सहायक होता है, जिससे वजन नियंत्रण में मदद मिल सकती है.

लाल राजमा में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर को फ्री रेडिकल्स से होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करते हैं, जबकि सफेद राजमा आसानी से पचने वाला माना जाता है।

# तमिलनाडु नहीं अब तेलंगाना में देखिए धनुषकोडी जैसा नजारा, वारंगल के पास मिला हिडन टूरिस्ट स्पॉट, यहां देखें

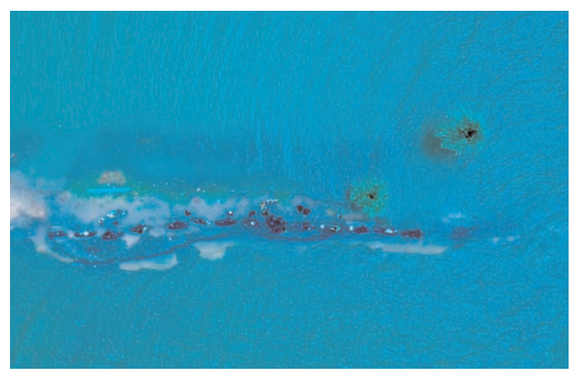

तेलंगाना में वारंगल के पास एक नया हिडन टूरिस्ट स्पॉट मिला है, जिसे 'तेलंगाना का धनुषकोडी' कहा जा रहा है. यहां पानी के बीच से गुजरती सड़क का अद्भुत नज़ारा देखने को मिलता है, जो बाइकर्स और रोड ट्रिप के शौकीनों को आकर्षित कर रहा है.

हैदराबाद: अगर आप एडवेंचर के शौकीन हैं और वीकेंड पर किसी ऐसी जगह की तलाश में हैं. जो भीड़भाड़ से दूर हो, तो तेलंगाना में एक शानदार हिडन जेम आपका इंतजार कर रहा है. इंटरनेट पर इन दिनों एक ऐसा वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. जिसे देखकर हर कोई हैरान है. इसे तेलंगाना का धनुषकोडी कहा जा रहा है.

तमिलनाडु का धनुषकोडी अपने उस अद्भुत रास्ते के लिए मशहूर है. जिसके दोनों ओर अथाह समंदर है. कुछ वैसा ही नज़ारा अब तेलंगाना में भी देखने को मिल रहा है. सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में एक डामर की पतली सी सड़क दिखाई दे रही है. जिसके दोनों तरफ दूर-दूर तक सिर्फ पानी ही पानी है. यह नज़ारा इतना खूबसूरत है कि एक पल के लिए आपको लगेगा ही नहीं कि आप तेलंगाना में हैं.

सबसे दिलचस्प बात यह है कि जिस पानी के बीच से यह सड़क गुजर रही है. उसके नीचे एक पूरा का पूरा गांव डूबा हुआ है! यह कोई रहस्यमयी कहानी नहीं, बल्कि हकीकत है. दरअसल, राज्य में बने बड़े सिंचाई प्रोजेक्ट्स और डैम के बैकवाटर के कारण कुछ पुराने गांव जलमग्न हो गए थे. अब पानी के बीच से गुजरने वाली इन पुरानी सड़कों ने एक बेहद खूबसूरत और एडवेंचरस टूरिस्ट स्पॉट का रूप ले लिया है।

# इम्यूनिटी और मसल्स बढ़ाएंगे गांव के ये 5 पारंपरिक प्रोटीन से भरपूर फूड्स, आज ही डाइट में करें शामिल, मिलते हैं तगड़े फायदे!

गांव के 5 पारंपरिक प्रोटीन से भरपूर फूड्स आपकी इम्यूनिटी और मसल्स को मजबूत बनाएंगे. इन्हें अपनी डाइट में शामिल कर आप तगड़े फायदे पा सकते हैं. ये फूड्स ना केवल पौष्टिक हैं, बल्कि आसानी से उपलब्ध भी हैं. अपनी सेहत को बेहतर बनाने के लिए आज ही इन्हें अपनाएं और देखें कैसे ये आपकी ऊर्जा और ताकत बढ़ाते हैं.

आज के दौर में प्रोटीन सबसे ज्यादा चर्चा में रहने वाले पोषक तत्वों में से एक है. बाजार में प्रोटीन बार, शेक और फोर्टिफाइड स्नैक्स की भरमार है. लेकिन इन चीजों के चलन में आने से बहुत पहले ही भारतीय गांवों की किचन में ऐसे कई पारंपरिक खाद्य पदार्थ मौजूद थे, जो शरीर को प्राकृतिक रूप से प्रोटीन उपलब्ध कराते थे. स्वस्थ वयस्कों के लिए आमतौर पर शरीर के वजन के प्रति किलोग्राम करीब 0.8 ग्राम प्रोटीन की जरूरत बताई जाती है. हालांकि, उम्र, शारीरिक गतिविधि और स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों के अनुसार यह मात्रा अलग-अलग हो सकती है. खास बात यह है कि गांवों में खाए जाने वाले कई खाद्य पदार्थ सस्ते, स्थानीय और आसानी से उपलब्ध होने के साथ-साथ पोषण से भी भरपूर थे. आइए जानते हैं ऐसे ही 5 पारंपरिक खाद्य पदार्थों के बारे में.

सत्तू - प्रोटीन पाउडर के जमाने से बहुत पहले भारतीय घरों में सत्तू का इस्तेमाल होता था. भुने हुए चने को पीसकर तैयार किया जाने वाला सत्तू बेहद पौष्टिक और पेट भरने वाला माना जाता है. इसे पानी, नमक और नींबू के साथ घोलकर पिया जाता था. इसके अलावा सत्तू से पराठे और कई तरह के पारंपरिक व्यंजन भी बनाए जाते हैं. गर्मियों में सत्तू का शरबत आज भी कई इलाकों में लोकप्रिय है.

भुना चना - भुना चना गांवों का ऐसा नाश्ता था, जिसे खेतों में काम करने वाले लोग आसानी से अपने साथ ले जाते थे. इसे पकाने की जरूरत नहीं होती थी और थोड़ी मात्रा में खाने पर भी पेट भरा हुआ महसूस होता था. सस्ता और लंबे समय तक सुरक्षित रहने वाला भुना चना ग्रामीण लाइफस्टाइल का बेहद व्यावहारिक हिस्सा था. आज भी यह पौष्टिक शाकाहारी स्नैक्स में शामिल किया जाता है.

अंकुरित मूंग - पुराने समय के किचन में अंकुरित मूंग भी खूब खाई जाती थी. मूंग को भिगोकर अंकुरित किया जाता था और फिर इसे सलाद के रूप में या हल्के मसालों के साथ खाया जाता था. इसमें प्याज, नींबू और हरी मिर्च मिलाकर इसका स्वाद और भी बढ़ाया जाता है. यह हल्का होने के साथ-साथ प्रोटीन और अन्य पोषक तत्वों का अच्छा स्रोत माना जाता है.

मूंगफली - मूंगफली भले ही दिखने में साधारण हो, लेकिन ग्रामीण खान-पान में इसका खास महत्व रहा है. इसे भूनकर या उबालकर खाया जाता था. इसके अलावा मूंगफली की चटनी और गुड़ के साथ बनी पारंपरिक मिठाइयां भी खूब पसंद की जाती थीं. मूंगफली में प्रोटीन के साथ स्वस्थ वसा भी पाई जाती है, जिसके कारण यह लंबे समय तक पेट भरा रखने में मदद कर सकती है.

मूंग दाल का चीला - मूंग दाल का चीला आज भी पारंपरिक और पौष्टिक नाश्ते के तौर पर पसंद किया जाता है. भीगी हुई मूंग दाल को पीसकर उसका घोल तैयार किया जाता है और फिर तवे पर चीला बनाया जाता है. इसमें प्याज, हरी मिर्च, धनिया और अन्य सब्जियां भी मिलाई जा सकती हैं. स्वादिष्ट होने के साथ यह प्रोटीन युक्त और पेट भरने वाला नाश्ता है.

इन पारंपरिक खाद्य पदार्थों की खासियत केवल उनका प्रोटीन होना नहीं है. ये स्थानीय, किफायती और आसानी से उपलब्ध होते थे. यानी पोषण के लिए हमेशा महंगे और पैकेज्ड उत्पादों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं थी. भारतीय गांवों की पारंपरिक रसोई ने रोजमर्रा के खान-पान में ही ऐसे कई विकल्प शामिल कर रखे थे, जो स्वाद के साथ शरीर को जरूरी पोषण भी देते थे।

# स्कूल में थे बेस्ट एथलीट और स्पोर्ट्स कैप्टन, कंवर ढिल्लों ने बताया कैसे स्पोर्ट्स ने बदली उनकी सोच

**मुंबई।** टीवी एक्टर कंवर ढिल्लों आज भले ही अपनी एक्टिंग के लिए पहचाने जाते हों लेकिन स्पोर्ट्स उनके लिए बचपन से ही जिंदगी का अहम हिस्सा रहा हैं। आईएएनएस संग बातचीत में कंवर ने बताया कि उनका खेलों से जुड़ाव कोई नया शौक नहीं है। स्कूल के दिनों से ही वह खेलों में आगे रहे और कई प्रतियोगिताओं में अपने स्कूल का प्रतिनिधित्व किया।

**मीडिया** से बात करते हुए कंवर ढिल्लों ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए बताया कि वह शुरू से ही एक खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने कहा, "मैं पूरी जिंदगी एक खिलाड़ी रहा हूं। स्कूल के प्राइमरी सेकशन से ही मैं स्प्रिंटर था। मैं अपने स्कूल का सबसे अच्छा एथलीट था और स्पोर्ट्स कैप्टन भी रहा हूं। स्कूल में होने वाले लगभग सभी बड़े खेल आयोजनों में मैं हिस्सा लेता था। मैंने कई खेल प्रतियोगिताओं में अपने स्कूल का प्रतिनिधित्व भी किया। मेरे लिए स्पोर्ट्स रोजमर्रा की जिंदगी का हिस्सा था।"

कंवर ढिल्लों फिलहाल स्टार प्लस के लोकप्रिय शो 'उड़ने की आशा' में सचिन देशमुख की मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। शो में नेहा हरसोरा, सयाली के किरदार में नजर आ रही हैं।

उन्होंने कहा, "स्पोर्ट्स ने मुझे सिर्फ शारीरिक रूप से मजबूत नहीं बनाया बल्कि मुश्किल समय में खुद को संभालना भी सिखाया। मैदान पर हार के बाद दोबारा कोशिश करना और लगातार आगे बढ़ते रहना मेरे लिए जिंदगी की भी सीख बन गया। एक्टिंग के काम में भी कई बार दबाव, थकान और मुश्किल हालात आते हैं, लेकिन ऐसे समय में मैं खुद को संभालने के लिए उसी सोच का सहारा लेते हैं।"

कंवर ने कहा, "किसी मुश्किल दिन के बाद खुद को दोबारा संभालने की मेरी रणनीति बस आगे बढ़ते रहना है और अपने शरीर और दिमाग की बात सुनना है। हर दिन खुद को एक ही तरह से धकेलना जरूरी नहीं है। अगर किसी दिन काम का शेड्यूल बहुत ज्यादा थका देने वाला रहा और मैं जिम नहीं कर पाए, तो मैं इसे लेकर खुद पर दबाव नहीं बनाता।"

> **"अगर शरीर और दिमाग आराम मांग रहे हैं, तो मैं उनकी बात सुनता हूं। फिटनेस का मतलब हर दिन खुद को जबरदस्ती कसरत करवाना नहीं है। कई बार शरीर को आराम देना भी उतना ही जरूरी होता है।"**
>
> — कंवर ढिल्लों

उन्होंने कहा, "मैं मानते हूं कि अपनी क्षमता को समझकर आगे बढ़ना लेबे समय तक फिट और बेहतर बने रहने में मदद करता है।"

### सिद्धार्थ निगम की भी की तारीफ

बातचीत के दौरान कंवर ने एक्टर सिद्धार्थ निगम की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा, "सिद्धार्थ का फिटनेस लेवल अलग है और वह जो करते हैं, उसमें बहुत अच्छे हैं।"

# 'डबल डेट' शो में दिव्येंदु शर्मा ने नाम की स्पेलिंग बदलने और सोशल मीडिया अकाउंट्स के बारे ने खोले राज

विश्व केसरी

**मुंबई।** अभिनेता दिव्येंदु शर्मा हाल ही में नेहा धूपिया और अंगद बेबी के शो 'डबल डेट' में गए थे। इस शो में उन्होंने अपने नाम की स्पेलिंग बदलने की वजह और एनर्जी को बैलेंस करने में अपने विश्वास के बारे में भी बताया।

शो में बातचीत के दौरान अभिनेता दिव्येंदु शर्मा ने खुलासा करते हुए बताया कि उन्होंने अपना नाम बदलने का फैसला क्यों किया और वे अपने आसपास की एनर्जी के साथ तालमेल बिठाने में कितना यकीन रखते हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे पता चला कि ये मेरा नाम है और और मुझे एनर्जी के साथ तालमेल में रहना है। तो अगर कोई चीज मुझे एनर्जी के साथ तालमेल में लाएगी, तो मैं उसकी बात मानूंगा।

दिव्येंदु शर्मा से अभिनेत्री नेहा धूपिया ने पूछा कि सोशल मीडिया और ईमेल आईडी पर अपने नाम की स्पेलिंग क्यों बदली? दिव्येंदु शर्मा ने बताया कि जब वे फिल्म 'बत्ती गुल मीटर चालू' की शूटिंग कर रहे थे, तब अभिनेत्री श्रद्धा कपूर ने उनका इंटाग्राम अकाउंट बनाया था। उन्होंने यह भी कहा कि इससे प्यार का पंचनामा और चश्मे बद्दूर के दौरान वह सोशल मीडिया पर एक्टिव नहीं थे और न ही कोई इंस्टाग्राम आईडी थी।

एक्टर ने अपने ट्विटर अकाउंट के बारे में एक मजेदार किस्सा भी शेयर किया। उन्होंने बताया कि मेरा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स अनुपम खेर ने बनाया था। हमने साथ में फिल्म '21 तोपों की सलामी' शूट की थी। उसी दौरान उन्होंने मेरा अकाउंट बनाया था।

दिव्येंदु शर्मा की बात करें तो उन्होंने फिल्म 'मिर्जापुर द मूवी' में 'मुन्ना भैया' के अपने आइकॉनिक किरदार से दमदार वापसी की है, जिसे 4 सितंबर में सिनेमाघरों में रिलीज किया गया है।

फिल्म की कहानी मिर्जापुर की गद्दी, सत्ता और बदले के पुराने समीकरणों के साथ-साथ एक नए अध्याय को बड़े पर्दे पर पेश करती है। इसमें मुन्ना भैया का पुराना पागलपन और स्वैग देखने को मिल रहा है। फिल्म को दर्शकों की तरफ से सकारात्मक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

# बिहार बाढ़ पर छलका अक्षरा सिंह का दर्द, कहा- जितना हो सके मदद के लिए आगे आइए

**मुंबई।** बिहार में लगातार भारी बारिश और नदियों के उफान ने हालात को गंभीर बना दिया है। राज्य के कई इलाकों में बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस तरह की आपदा को देखते हुए अभिनेत्री अक्षरा सिंह ने चिंता जताई है।

अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने सभी से बाढ़ प्रभावितों की मदद की अपील की है। उनका मानना है कि अगर ऐसी विपत्ति के समय सभी लोग बिहार के साथ खड़े होंगे तो उन्हें हौसला और मदद मिलेगी।

अभिनेत्री ने अपनी बात शुरू करने से पहले नेपाल और असम त्रासदी को याद किया। वीडियो में वे कहती हैं, 'नमस्कार, मैं हूं आप सबकी अक्षरा सिंह। पहले असम, फिर नेपाल और अब हमारी बिहार। लगातार बाढ़ की तस्वीरें देखकर मन बहुत व्यथित होता है। कई घर डूबे और परिवार बेघर हो गए है। कई लोग आज भी सुरक्षित जगह और मदद का इंतजार कर रहे हैं। मैं बिहार की बेटी जितनी संभव हो सके, उतनी मदद करने के लिए आगे आना चाहती हूं और ये मेरी जिम्मेदारी भी है। अक्षरा सिंह ने कहा, 'कई घरों में पानी है, तो कई परिवार सुरक्षित जगह पर पहुंचने के लिए अभी कोशिश कर रहे हैं। मैं आप सभी से भी निवेदन करना चाहती हूं कि आप भी आगे आइए और अपने स्तर पर जितना हो सके मदद करें, लेकिन वेरिफाइड जानकारी साझा कीजिए और जरूरतमंदों तक सहायता पहुंचाइए असम, नेपाल और बिहार के हर प्रभावित परिवार के लिए मेरी प्रार्थना है। अक्षरा सिंह ने हौसला बढ़ाते हुए कहा कि हम साथ रहेंगे तो इस मुश्किल घड़ी से भी निकल जाएंगे।

# शानविका चौहान के किरदार ने दिलाई पहचान, संचिता बासु बोलीं-इससे ज्यादा खुशी क्या होगी

विश्व केसरी

**मुंबई।** अभिनेत्री संचिता बासु इन दिनों चर्चित वेब सीरीज 'ठुकरा के मेरा प्यार' को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री ने आईएएनएस के साथ बातचीत में सीरीज को मिल रहे प्यार के लिए दर्शकों का आभार व्यक्त किया।

अभिनेत्री ने बताया कि 'ठुकरा के मेरा प्यार' उनके करियर का बेहद खास प्रोजेक्ट है। उन्होंने कहा, 'मुझे बहुत खुशी हो रही है कि लोगों की तरफ से हमारी सीरीज को इतना प्यार मिल रहा है, जिसके लिए सभी का तहे दिल से धन्यवाद और इसी तरह पूरी टीम को ढेर सारा प्यार देते रहिए।

संचिता बसु ने फिलहाल सस्पेंस बरकरार रखते हुए सीजन 3 को लेकर अभी कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी। उन्होंने कहा, 'हमारे दर्शकों के मैसेज मेरे पास आते रहते हैं कि इसका समापन मत करो और भी सीजन लेकर आओ। यह देखकर अच्छा भी लगता है लेकिन मैं सच कहूं तो इसकी कोई स्टोरी लिखी नहीं गई है, जिससे हमें भी लगता है कि आगे क्या होगा। हा, अगर फैंस का प्यार मिलता रहा, तो कुछ अच्छा ही होगा। मैं बस यही कहना चाहती हूं कि फिल्म की कहानी को आगे बढ़ाने के लिए हमारे राइटर को टैग कीजिए कि वो कुछ अच्छी और नई कहानी लिखें।

सीरीज में अभिनेत्री शानविका चौहान के किरदार में है, जिसे न सिर्फ प्यार मिला बल्कि अभिनेत्री को ज्यादातर लोग इसी नाम से जानते हैं। इस पर खुशी जाहिर करते हुए उन्होंने कहा कि एक एक्टर के इससे ज्यादा खुशी की क्या बात हो सकती है कि दर्शक उसे उसके किरदार से ही याद रख रहे हैं।

उन्होंने कहा, 'शानविका चौहान किरदार मेरे दिल के करीब इसलिए रहा है क्योंकि यह हिंदी में मेरा पहला किरदार है। इससे पहले मैंने साउथ में काम किया है।

मैं खुद को बहुत ब्लेस्ड फील करती हूं कि लोगों ने इस किरदार को इतना प्यार दिया है। अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स को लेकर संचिता बासु ने कहा कि अगर सब कुछ योजना के अनुसार रहा तो बहुत जल्द उनके फैंस को एक बड़ी खुशखबरी मिल सकती है। हालांकि उन्होंने फिलहाल अपने नए प्रोजेक्ट से जुड़ी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की।

# परिणीति चोपड़ा ने 80 के दशक के ट्रेंड में पति राघव चड्ढा से पूछा सवाल, हम पैदा होते ही क्यों नहीं मिले?

विश्व केसरी

**मुंबई।** एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा ने अपने राजनेता पति राघव चड्ढा से एक अहम सवाल पूछा, जब वे इंस्टाग्राम पर 80 के दशक के पॉपुलर ट्रेंड में शामिल हुए।

उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, '80 में पैदा हुए, 80 के बच्चे! हम पैदा होते ही क्यों नहीं मिल पाए? इस पर बात करनी है। इस ट्रेंड के तहत, परिणीति और राघव दोनों ही रंग-बिरंगे कपड़ों में 80 के फैशन को बखूबी अपनाते हुए दिखे। एआई की मदद से बनाई गई पहली तस्वीर में यह कपल कॉटन कैंडी का मजा लेते हुए दिखा। इसके बाद एक और तस्वीर थी जिसमें 'चमकीला' फिल्म की एक्ट्रेस हाथ में मैगजीन लिए बिस्तर पर लेटी हुई थीं।

पोस्ट में दोनों की कुछ रोमांटिक तस्वीरें भी थीं। पुराने दिनों की याद दिलाते हुए, एक तस्वीर में परिणीति और राघव वीडियो गेम खेलते हुए दिखे। एल्बम की आखिरी तस्वीर में एक्ट्रेस अपना मेकअप ठीक करती हुई दिख रही हैं।

परिणीति और राघव ने 24 सितंबर, 2023 को उदयपुर में एक प्राइवेट सेरेमनी में शादी की थी। वे पिछले साल 19 अक्टूबर को माता-पिता बने और अपने बेटे नीर का स्वागत किया।

प्रोफेशनल तौर पर, परिणीति 'शक: ट्रस्ट नो वन' के साथ ओटीटी पर डेब्यू करने के लिए तैयार हैं।

रेन्सिल डी'सिल्वा और सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा द्वारा बनाए गए और रेन्सिल डी'सिल्वा द्वारा डायरेक्ट किए गए इस शो की मुख्य कास्ट में सोनी राजदान, अनूप सोनी, जेनिफर विंगेट, हरलीन सेठी, ध्रुव चौधरी और सुमीत व्यास जैसे कलाकार शामिल हैं।

सिद्धार्थ पी. मल्होत्रा ने एक बयान में कहा, 'जब रेन्सिल ने मुझे कहानी सुनाई, तो मैं उससे जुड़ गया। उन्होंने जो दुनिया बनाई थी, उसमें कुछ ऐसा था जो तुरंत मेरे मन में बस गया, और मुझे पता था कि मुझे इसका हिस्सा बनना है।

उन्होंने 'शक: ट्रस्ट नो वन' को जबरदस्त, इमोशनल और फास्ट-पेस्ड बताया।

# फिर देर हो गई... अमिताभ बच्चन ने मजाकिया अंदाज में मांगी माफी, ब्लॉग में बताई वजह

विश्व केसरी

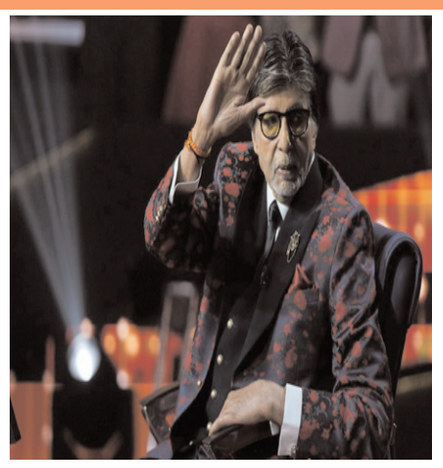

**मुंबई।** मेगास्टार अमिताभ बच्चन ने देर से आने के लिए मजाकिया अंदाज में माफी मांगी है। उन्होंने कहा कि जल्दी निकलने की योजना बनाने के बावजूद, किसी न किसी वजह से उन्हें देर हो ही जाती है।

दिग्गज अभिनेता ने देर रात अपने ब्लॉग पर लिखकर कहा कि लोगों को लग सकता है कि वह देर से आने के लिए हमेशा बहाने बनाते हैं लेकिन उन्होंने कहा कि जिस दिन वह जल्दी निकलने की योजना बनाते हैं, अक्सर उसी दिन उन्हें देर हो जाती है।

बिग बी ने अपने ब्लॉग में लिखा, 'फिर देर हो गई; अरे यार, यह तो बहुत हो गया। सब सोचेंगे बहाना बनाता रहता है प्रतिदिन। लेकिन सच्चाई ये है कि जिस दिन सोचता हूं कि छूट जाएंगे जल्दी, उसी दिन देर हो जाती है।

तो क्षमा प्रार्थी हूं।' इसके बाद उन्होंने हंसी को सबसे अच्छी दवा बताया।

उन्होंने कहा, 'हंसी सबसे अच्छी दवा है, और मुश्किल समय में भी... जब आप मुश्किल पर हंसते हैं, तो 'मुश्किल' को लगता है कि वह आपको परेशान करने में नाकाम रही है... इसलिए हंसिए... 'मुश्किल' खुद परेशान हो जाएगी...है ना बढ़िया... ठीक है, बहुत हो गई अपनी तारीफ... कल एक नया दिन होगा।'

इसके साथ ही अभिनेता ने अपने टीवी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' की कुछ तस्वीरें शेयर की हैं।

बता दे कि 'कौन बनेगा करोड़पति' असल ब्रिटिश फॉर्मेट 'हू वॉन्ट्स टू बी अ मिलियनेयर?' का आधिकारिक हिंदी वर्शन है। कंटेस्टेंट से मल्टीपल-चॉइस सवाल पूछे जाते हैं और उन्हें चार संभावित विकल्पों में से सही जवाब चुनना होता है। साथ ही, अगर वे पक्का नहीं होते हैं तो वे लाइफलाइन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

मेगास्टार अमिताभ बच्चन की बात करें तो, वह हाल ही में वेट्टैयन और कल्कि 2898 एडी में नजर आए थे। खबरों की मानें तो फिलहाल वो कल्कि 2 की शूटिंग में व्यस्त हैं।

# किम जोंग उन ने विदेशी मिशनों में तैनात सैनिकों को सराहा, देशभक्ति का दिया संदेश

विश्व केसरी■

**सोल।** उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन ने देश के स्थापना दिवस पर विदेशी सैन्य अभियानों में तैनात अपने सैनिकों का विशेष आभार जताया और देश के प्रति निष्ठा तथा देशभक्ति की भावना मजबूत करने का संदेश दिया। उत्तर कोरिया ने बुधवार को अपना 78वां स्थापना दिवस मनाया।

योनहाप ने बताया कि उत्तर कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी केसीएनए के अनुसार, प्योंगयांग में आयोजित एक कार्यक्रम में किम ने देश के विकास में योगदान देने वाले श्रमिकों और सैनिकों की सराहना की। उन्होंने विदेशों में सैन्य अभियानों में शामिल कमांडरों और सैनिकों के प्रति विशेष सम्मान और आभार व्यक्त किया।

किम के बयान को रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस की ओर से लड़ रहे उत्तर कोरियाई सैनिकों के संदर्भ में देखा जा रहा है। पश्चिमी देशों और दक्षिण कोरिया के अधिकारियों के मुताबिक, उत्तर कोरिया ने 2024 के अंत से रूस की मदद के लिए करीब 14,000 से 15,000 सैनिक भेजे हैं। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा ने फरवरी 2026 में अनुमान लगाया था कि इनमें से करीब 6,000 सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं।

उत्तर कोरिया और रूस के बीच सैन्य संबंध पिछले दो वर्षों में तेजी से मजबूत हुए हैं। प्योंगयांग ने रूस को सैनिकों और हथियारों की आपूर्ति की है, जबकि इसके बदले उसे आर्थिक सहायता और सैन्य तकनीक मिलने की बात दक्षिण कोरियाई खुफिया आकलनों में कही गई है।

किम की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब उत्तर कोरिया और रूस अपने संबंधों को लगातार गहरा कर रहे हैं। हाल ही में दोनों देशों ने अपनी सीमा पर तुमेन नदी के ऊपर बने पहले सड़क पुल का उद्घाटन किया है। करीब एक किलोमीटर लंबे इस पुल से दोनों देशों के बीच व्यापार और लोगों की आवाजाही बढ़ने की उम्मीद है।

स्थापना दिवस के अवसर पर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग और रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी किम जोंग उन को संदेश भेजकर दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंध मजबूत करने की प्रतिबद्धता दोहराई थी। पुतिन ने रूस-उत्तर कोरिया साझेदारी को क्षेत्रीय सुरक्षा और बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण बताया।

किम का सैनिकों को सार्वजनिक रूप से धन्यवाद देना उत्तर कोरिया की उस नीति को भी दर्शाता है।

# यमन में हूती हमलों के पीछे ईरान का हाथ? तेहरान ने अमेरिकी दावे को बताया बेबुनियाद

विश्व केसरी■

**तेहरान।** ईरान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता इस्माइल बाघेई ने हूती हमलों को लेकर अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो पर तीखा हमला बोला। बाघेई ने रुबियो के उस बयान की कड़ी आलोचना की, जिसमें उन्होंने कहा कि था कि हूती समूह कई मायनों में ईरान के एजेंट और प्रॉक्सी हैं। इसके पीछे स्पष्ट रूप से ईरान का हाथ है।

गुरुवार तड़के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में इस्माइल बाघेई ने लिखा, 'मार्को रुबियो के आरोप तथ्यों की जगह नहीं ले सकते। अंसारल्लाह (हूती समूह) एक स्वतंत्र यमनी पक्ष है, जो अपने फैसले खुद लेता है। वह किसी के आदेश पर काम नहीं करता और न ही किसी देश का प्रतिनिधि बनकर काम करता है।

क्षेत्र में अस्थिरता की असली वजह अमेरिका की सैन्य दखलअंदाजी और प्रभुत्व कायम करने वाली नीतियां हैं। अगर वॉशिंगटन सच में शांति चाहता है तो उसे एक आसान कदम उठाना चाहिए और वह है हमारे क्षेत्र में नुकसान पहुंचाने वाली तथा अस्थिरता बढ़ाने वाली दखलअंदाजियों को खत्म करना।

बमबारी या बाहरी दबाव के जरिए यमन में शांति नहीं लाई जा सकती। इसकी शुरुआत ईमानदार बातचीत से होती है, जो सभी पक्षों की ओर से पहले से तय किए गए रोडमैप और समझौतों के आधार पर आगे बढ़े। सऊदी अरब में हो रहे हूती हमले को लेकर पत्रकार के सवालों का जवाब देते हुए मार्को रुबियो ने आरोप लगाया था कि हूथी समूह कई मायनों में ईरान के एजेंट और प्रॉक्सी हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, रुबियो ने कहा कि मेरा मानना है कि कई मायनों में हूती ईरान के सहयोगी और उसके प्रभाव में काम करने वाले समूह हैं। मुझे लगता है कि इन घटनाओं के पीछे कहीं न कहीं ईरान की भूमिका साफ तौर पर दिखाई देती है। अमेरिका और सऊदी अरब के बीच रक्षा और सैन्य सहयोग के बहुत मजबूत संबंध हैं और हम इन घटनाओं पर बहुत करीबी नजर रखे हुए हैं।

## संक्षिप्त खबर

# फिलीपींसः फेरी में लगी आग, 5 की मौत और 86 लापता

विश्व केसरी■

**मनीला।** फिलीपींस की राजधानी मनीला से एक पर्यटक स्थल जा रही फेरी में लगी आग की चपेट में आने से 5 लोगों की मौत हो गई जबकि 86 लापता बताए जा रहे हैं। फिलीपींस कोस्ट गार्ड (पीसीजी) ने आधिकारिक सोशल मीडिया अकाउंट से गुरुवार को इसकी जानकारी दी। बताया कि फिलीपींस में 134 यात्रियों और क्रू मेंबर को ले जा रही एक फेरी में आग लगने से पांच लोगों की मौत हो गई और 86 लोग लापता हैं। इस घटना में 43 लोगों को बचाया गया है। पीसीजी के अनुसार एमवी जून एस्टर मनीला से पलावन प्रांत के टूरिस्ट डेस्टिनेशन कोरोन जा रही थी और अचानक उसमें बुधवार देर शाम को आग लग गई। कोस्ट गार्ड कैप्टन नोएमी कायाब्याब के अनुसार, आग कोरोन के मार्सिला गांव के तट से लगभग 1.2 नॉटिकल मील (2.2 किलोमीटर) दूर लगी। कोरोन स्थानीय और विदेशी टूरिस्ट के लिए एक लोकप्रिय जगह है। यह अपने समुद्र तटों और दूसरे विश्व युद्ध के दौरान डूबे जहाजों के मलबे के लिए जाना जाता है। अधिकारियों ने बताया कि तेज लहरों के कारण फेरी दूर बह गई थी, जिससे खोज और बचाव अभियान मुश्किल हो गया।

# पाकिस्तानी सैन्य बलों ने बलूचिस्तान में बरसाए बम, चार की मौत

विश्व केसरी■

**क्वेटा।** पाकिस्तानी सेना ने एक बार फिर निहत्थे मासूम बलूचों पर बम बरसाए हैं। पाकिस्तान के फ्रंटियर कोर (एफसी) जवानों ने मस्तुंग जिले के करदिगाप तहसील स्थित रिहायशी इलाकों में गोले बरसाए। जिसकी चपेट में आए चार लोगों ने दम तोड़ दिया। इनमें बच्चे भी शामिल थे। घटना से नाराज स्थानीय लोगों ने हाईवे पर शवों के साथ धरान प्रदर्शन किया। सूत्रों के हवाले से 'द बलूचिस्तान पोस्ट' ने बताया कि मंगलवार शाम एफसी (फ्रंटियर कोर) जवानों ने करदिगाप में भारी और अंधाधुंध गोलाबारी की, जिसमें कई गोले रिहायशी घरों पर गिरे। रिपोर्ट के मुताबिक, कई गोले अब्दुल जलील सरपराह के घर पर गिरे, जिससे उनकी मां और दो बच्चियों की मौके पर ही मौत हो गई और कई अन्य लोग घायल हो गए। घायलों में शामिल छह साल की एक बच्ची को गंभीर हालत में क्वेटा ले जाया गया, लेकिन बाद में अस्पताल में उसकी मौत हो गई, जिससे इस घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर चार हो गई। इस घटना के बाद अनिश्चितकालीन धरना-प्रदर्शन शुरू हो गया; स्थानीय लोगों ने मारे गए लोगों के शव क्वेटा-नुश्की हाईवे पर रख दिए, जिससे यातायात ठप हो गया। यह हमला मस्तुंग में बढ़ती सैन्य गतिविधियों और पाकिस्तानी सेना द्वारा किए जा रहे हवाई व ड्रोन हमलों के बीच हुआ है, जिनमें आम नागरिकों की मौतें और वे घायल हो रहे हैं। इससे पहले रविवार को, स्थानीय मीडिया ने सूत्रों के हवाले से बताया कि मस्तुंग के खदकोचा इलाके में पाकिस्तानी सेना के ड्रोन हमले में एक बच्चे समेत तीन लोग घायल हो गए थे।

# हूती समूह ने सऊदी के तीन शहरों पर किया मिसाइल-ड्रोन हमला

विश्व केसरी■

**रियाद।** यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करने वाले सऊदी अरब के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कहा है कि हूती समूह ने सऊदी अरब के खमीस मुशेत, आभा और जाजान शहरों को निशाना बनाकर बैलिस्टिक मिसाइल और ड्रोन हमले किए हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जारी एक बयान में गठबंधन के प्रवक्ता तुर्की अल-मालिकी ने कहा कि हूती लगातार सऊदी अरब की राष्ट्रीय संपत्तियों और बुनियादी ढांचे को निशाना बना रहे हैं। उनके अनुसार, यह क्षेत्र में तनाव बढ़ाने और आम नागरिकों को निशाना बनाने की हूतियों की आक्रामक नीति को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि गठबंधन की संयुक्त सैन्य कमान सऊदी अरब की संप्रभुता, राष्ट्रीय संपत्तियों, नागरिकों और नागरिक सुविधाओं की रक्षा के लिए जवाबी कार्रवाई करेगी। बुधवार (स्थानीय समयानुसार) को हुए ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब हूतियों और सऊदी अरब के बीच तनाव तेजी से बढ़ रहा है।

इससे पहले बुधवार को हूती समूह ने दावा किया था कि पिछले 12 घंटों के दौरान उसके नियंत्रण वाले इलाकों पर 'सऊदी हवाई हमलों' की दर्जनों घटनाएं हुई हैं। सीमा पार हो रहे ये हमले यमन के भीतर भी बढ़ते संघर्ष के बीच हो रहे हैं, जहां सरकारी बल और हूती कई मोर्चों पर लड़ रहे हैं।

सबसे ज्यादा संघर्ष देश के पश्चिमी इलाकों में देखने को मिल रहा है। यह बढ़ता तनाव अप्रैल 2022 में संयुक्त राष्ट्र की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम के बाद बनी अपेक्षाकृत शांति को खत्म कर सकता है। इससे पहले मंगलवार को संयुक्त राष्ट्र ने यमन के हूतियों की ओर से दक्षिणी सऊदी अरब में कई जगहों पर किए गए सीमा पार हमलों की निंदा की थी। इन हमलों से नागरिक और ऊर्जा क्षेत्र से जुड़ा बुनियादी ढांचा प्रभावित हुआ।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि संगठन को इन हमलों में आम नागरिकों के हताहत होने की खबरों को लेकर भी गहरी चिंता है। प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र यमन के भीतर कई मोर्चों पर बढ़ती सैन्य झड़पों को लेकर भी चिंतित है। खासकर उन खबरों को लेकर जिनमें लड़ाई के कारण आम नागरिकों के प्रभावित होने की बात कही गई है।

यमन के लिए संयुक्त राष्ट्र के विशेष दूत हैंस ग्रंडबर्ग लगातार दोनों पक्षों के साथ सीधे संपर्क में हैं।

# दक्षिण कोरियाः विदेश यात्रा को लेकर विपक्ष ने उठाए सवाल, राष्ट्रपति ली बोले- कूटनीति के लिए जरूरी

विश्व केसरी■

**पेरिस/सोल।** दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग हाल ही में तीन देशों की यात्रा पर निकले। उनके लगातार दौरे को लेकर विपक्ष ने सवाल उठाया तो उन्होंने इसे कूटनीतिक लिहाज से जरूरी करार दिया। उन्होंने कहा कि ये विदेश यात्राएं महज दौरे नहीं, बल्कि देश के हितों को आगे बढ़ाने और कूटनीतिक रिश्तों को मजबूत करने का महत्वपूर्ण जरिया हैं।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि फ्रांस की चार दिवसीय यात्रा के आखिरी दिन बुधवार को पेरिस में दक्षिण कोरियाई समुदाय के साथ मुलाकात के दौरान ली ने कहा कि उन्होंने अपने राष्ट्रपति कार्यकाल के शुरुआती दौर में ही कई विदेश यात्राओं की योजना बनाई है। उनके मुताबिक, अगर किसी राष्ट्रपति के कार्यकाल के काफी बाद शिखर कूटनीति शुरू की जाती है तो उसके प्रभाव का फायदा लंबे समय तक उठाना मुश्किल हो सकता है।

ली ने कहा कि राष्ट्रपति का कार्यकाल संविधान के अनुसार स्पष्ट रूप से सीमित है और ऐसे में कूटनीतिक पहलों की शुरुआत जल्द करना जरूरी है, ताकि उनसे मिलने वाले लाभ आगे भी जारी रह सकें।

राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब दक्षिण कोरिया के विपक्षी सांसदों ने उनकी विदेश यात्राओं और संविधान में संभावित बदलाव को लेकर सवाल उठाए हैं। विपक्ष के कुछ नेताओं ने आशंका जताई है कि राष्ट्रपति और सत्तारूढ़ डेमोक्रेटिक पार्टी की संविधान संशोधन की पहल का मकसद ली के लिए दोबारा राष्ट्रपति बनने का रास्ता तैयार करना हो सकता है। हालांकि दक्षिण कोरिया के मौजूदा संविधान के मुताबिक राष्ट्रपति का कार्यकाल पांच साल का होता है।

# ऑस्ट्रेलियाई नौसेना कमांडर से मिले नौसेना प्रमुख कृष्णा स्वामीनाथन, समुद्री सहयोग बढ़ाने पर हुई वार्ता

विश्व केसरी■

**नई दिल्ली।** भारतीय नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ने ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में ऑस्ट्रेलियाई फ्लीट कमांडर रियर एडमिरल अनिता विलियम्स से मुलाकात की है। इस मुलाकात के दौरान दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच ऑपरेशनल सहयोग पर चर्चा हुई। साथ ही आपसी तालमेल को और मजबूत करने के अवसरों पर विस्तार से वार्ता की गई।

एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन सिडनी स्थित आस्ट्रेलियाई नौसैनिक अड्डे एचएमएएस कट्टाबुल पर गए। बैठक के दौरान ऑस्ट्रेलियाई नौसेना की बदलती और विकसित हो रही समुद्री क्षमताओं के साथ-साथ भविष्य में बेड़े में शामिल किए जाने वाले नए प्लेटफॉर्म और प्रणालियों पर विचार-विमर्श किया गया। दोनों पक्षों ने भारतीय नौसेना और ऑस्ट्रेलियाई नौसेना के बीच अंतर-संचालन क्षमता बढ़ाने तथा संयुक्त परिचालन गतिविधियों को और प्रभावी बनाने के तरीकों पर भी चर्चा की।

सिडनी स्थित नौसैनिक अड्डे एचएमएएस कट्टाबुल पहुंचने पर एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन को एचएमएएस कट्टाबुल का परिचयात्मक दौरा कराया गया। इस दौरान उन्हें नौसैनिक अड्डे के बेड़े से जुड़े बुनियादी ढांचे और परिचालन क्षमताओं के बारे में जानकारी दी गई। गौरतलब है कि एडमिरल कृष्णा स्वामीनाथन ऑस्ट्रेलिया की आधिकारिक यात्रा पर हैं। यात्रा के दौरान वह ऑस्ट्रेलिया के वरिष्ठ रक्षा नेतृत्व के साथ बातचीत कर रहे हैं। इन बैठकों में भारत और ऑस्ट्रेलिया की नौसेनाओं के बीच सहयोग को और मजबूत करने पर विशेष फोकस है।

चर्चाओं के प्रमुख क्षेत्रों में ऑपरेशनल संपर्क, अंतर-संचालन क्षमता, सूचना साझा करना, ट्रेनिंग, पेशेवर आदान-प्रदान और उभरती समुद्री क्षमताएं शामिल हैं।

# रूस के सोची तट पर यूक्रेनी नौका हमले के बाद लगी आग, आठ लोग घायल

विश्व केसरी■

**मॉस्को।** रूस के सोची शहर के समुद्र किनारे बने तटबंध पर यूक्रेन की एक मानव रहित नौका हमले में आठ लोग घायल हो गए। यह जानकारी कुबान इमरजेंसी रिस्पॉन्स सेंटर ने दी। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, बुधवार को हुए इस हमले के बाद सोची के तटबंध इलाके में आग लग गई।

सेंटर ने एक बयान में कहा कि इस हमले के कारण बीच से जुड़ा बुनियादी ढांचा और प्रिमोर्स्काया तटबंध का एक नजदीकी हिस्सा आंशिक रूप से क्षतिग्रस्त हो गया है। मौके पर राहत और सुरक्षा से जुड़ी टीमें काम कर रही हैं। घायलों में से पांच लोगों को अस्पताल ले जाया गया, जबकि बाकी तीन लोगों का इलाज घटनास्थल पर ही कर दिया गया। इससे पहले बुधवार को यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा था कि यूक्रेनी बलों ने रूस के दक्षिणी क्रास्नोडार क्षेत्र में स्थित एक नौसैनिक अड्डे पर हमला किया है।

जेलेंस्की ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि नोवोरोस्सिय्स्क शहर स्थित इस अड्डे पर तेल लोड करने वाले टर्मिनल, सैन्य बंदरगाह की सुविधाएं और कालिब्र मिसाइलें ले जाने वाले युद्धपोत निशाना बने।

उन्होंने कहा कि यह हमला यूक्रेन पर रूस की ओर से किए गए हमलों के जवाब में की गई कार्रवाई का हिस्सा था। जेलेंस्की के अनुसार, इस अभियान को यूक्रेन की सुरक्षा सेवा, मानव रहित प्रणाली बलों, यूक्रेनी नौसेना, रक्षा खुफिया एजेंसी और राज्य सीमा सुरक्षा सेवा ने मिलकर अंजाम दिया। दूसरी ओर, रूस के रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि रूसी सेना ने यूक्रेन के सैन्य और रसद (लॉजिस्टिक्स) से जुड़े कई ठिकानों पर हमले किए हैं।

# ब्रिक्स समिटः शी जिनपिंग का दो दिवसीय भारत दौरा तय

विश्व केसरी■

**बीजिंग।** चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग इस हफ्ते के अंत में दो दिनों के लिए भारत दौरे पर पहुंचेंगे। दरअसल भारत की राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। चीन के विदेश मंत्रालय ने गुरुवार दोपहर को राष्ट्रपति जिनपिंग के भारत दौरे की जानकारी दी।

चीन के विदेश मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, भारत के प्रधानमंत्री मोदी के निमंत्रण पर राष्ट्रपति शी जिनपिंग 12 से 13 सितंबर तक नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लेंगे।

इससे पहले दिन में बीजिंग में नियमित मीडिया ब्रीफिंग के दौरान चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जिया-कुन ने शी जिनपिंग की नई दिल्ली की यात्रा को लेकर किसी भी तरह की पुष्टि करने से इनकार कर दिया था। गुओ जिया-कुन से जब पूछा गया कि क्या चीनी नेता इस हफ्ते ब्रिक्स नेताओं की बैठक में भाग लेने के लिए भारत यात्रा करेंगे, इस पर उन्होंने कहा, 'आपने जो सवाल उठाया है, उस पर मेरे पास देने के लिए कोई जानकारी नहीं है। लगभग सात साल में चीनी राष्ट्रपति की पहली भारत यात्रा होगी। चीनी राष्ट्रपति का भारत दौरा ऐसे समय में हो रहा है जब दोनों देश 2020 के गलवान संघर्ष के बाद द्विपक्षीय संबंधों को स्थिर करने पर काम कर रहे हैं।

भारत ने द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास और प्रगति के लिए भारत-चीन सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति बनाए रखने के महत्व पर बार-बार जोर दिया है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और शी जिनपिंग की बिश्केक में हाल ही में हुए शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) समिट के दौरान संक्षिप्त बातचीत हुई थी। नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों नेताओं के बीच द्विपक्षीय चर्चा होने की उम्मीद है।

भारत और चीन के विशेष प्रतिनिधियों के बीच अगस्त 2025 और अगस्त 2026 में बनी सहमति और डब्ल्यूएमसीसी के तहत हुई बातचीत के बाद इस महीने की शुरुआत में एलएसी पर पहली सीनियर मिलिट्री कमांडर लेवल की फ्लैग मीटिंग हुई।

# ड्रग तस्करों के जहाज पर कार्रवाई से पहले होती है कानूनी समीक्षा, तस्करी के रास्ते बंद करना जरूरी : मार्को रुबियो

विश्व केसरी■

**वॉशिंगटन।** अमेरिका के विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि अमेरिका संदिग्ध मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े जहाजों पर कार्रवाई करता है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि हर ऐसे अभियान की पहले कानूनी समीक्षा की जाती है और क्षेत्रीय साझेदार देशों के साथ हुए समझौतों के तहत ही कार्रवाई की जाती है।

बुधवार को इक्वाडोर की राजधानी क्विटो स्थित अमेरिकी दूतावास में पत्रकारों से बात करते हुए रुबियो ने कहा कि कार्रवाई का तरीका इस बात पर निर्भर करता है कि जहाज किस देश से जुड़ा है, वह कहां मौजूद है और उससे किस तरह का खतरा है। उन्होंने बताया कि हाल के कई अभियान साझेदार देशों के क्षेत्रीय जलक्षेत्रों में संयुक्त रूप से चलाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि यह जहाज पर निर्भर करता है, उससे पैदा होने वाले खतरे पर निर्भर करता है और इस बात पर भी कि वह कहां स्थित है। अमेरिका जब किसी साझेदार देश के समुद्री क्षेत्र में काम करता है, तो उसे उस देश के कानूनों और प्रक्रियाओं का पालन करना होता है।

उन्होंने कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन तस्करी मार्गों को बाधित किया जा रहा है। इन रास्तों को बंद किया जा रहा है। रुबियो के अनुसार, हर लक्ष्य की कानूनी समीक्षा युद्ध विभाग में की जाती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक अभियान के संबंध में फैसला अलग-अलग परिस्थितियों को ध्यान में रखकर लिया जाता है। रुबियो ने कहा कि ये संयुक्त अभियान उन एकतरफा कार्रवाइयों से अलग हैं जो पिछले साल की शुरुआत में अंतरराष्ट्रीय समुद्री क्षेत्रों में की गई थीं। उनके मुताबिक, संयुक्त अभियानों में अमेरिका और उसके साझेदार देशों के बीच प्रक्रिया और नियमों पर सहमति होती है।

# जेल में बंद आदिवासियों की रिहाई के लिए कांग्रेस चला रही हस्ताक्षर अभियान

विश्व केसरी■

**सुकमा।** जिला कांग्रेस कमेटी ने जेलों में बंद आदिवासियों की रिहाई की मांग को लेकर हस्ताक्षर अभियान की शुरुआत की है। जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष हरीश कवासी लखमा ने कोंटा जनपद क्षेत्र के ग्राम पंचायत मिलमपल्ली के आश्रित ग्राम तिम्मापुरम से इस अभियान का शुभारंभ किया। सर्व आदिवासी समाज के प्रदेश उपाध्यक्ष बेको हूंगा ने कहा कि नक्सल मामलों में बंद आदिवासियों के प्रकरणों की निष्पक्ष समीक्षा होनी चाहिए। निर्दोष पाए जाने वाले व्यक्तियों को शीघ्र न्याय और रिहाई मिलनी चाहिए, ताकि उनके परिवारों को हो रही आर्थिक व सामाजिक समस्याओं से राहत मिल सके।

**'गंभीर आरोप सिद्ध नहीं तो रिहाई हो'**

जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ने कहा — जिन आदिवासियों के विरुद्ध गंभीर आरोप सिद्ध नहीं हुए हैं, उनके मामलों की समीक्षा कर उन्हें रिहा किया जाना चाहिए। उन्होंने घोषणा की कि यह हस्ताक्षर अभियान विभिन्न गांवों में आयोजित कर जनसमर्थन जुटाया जाएगा तथा इस मुद्दे को शासन के समक्ष उठाया जाएगा।

**गांव-गांव चलेगा अभियान**

आयोजकों के अनुसार तिम्मापुरम से शुरू किया गया यह अभियान जिले के अन्य

गांवों में भी चलाया जाएगा और हस्ताक्षरों के माध्यम से मांग पत्र शासन को सौंपा जाएगा।

**बस्तर की जेलों में 1200 से अधिक नक्सल बंदी**

माओवादियों के साथ संगठन में काम करने के दौरान गिरफ्तार किए गए सैकड़ों नक्सल बंदी वर्तमान में बस्तर की जेलों में निरूद्ध हैं। इनमें अधिकांश बंदी केन्द्र सरकार के नक्सलमुक्त भारत के अभियान शुरू करने से पहले गिरफ्तार किए गए थे।

**उधर समर्पण इधर रिहाई का इंतजार**

एक ओर जहां हजारों की संख्या में शीर्ष नक्सल नेता व संगठन में विभिन्न कैडर के नक्सलियों ने समर्पण कर दिया और अब आजादी की सांस ले रहे हैं तो दूसरी ओर इनके ही साथी जिन्हें सुरक्षाबलों ने समर्पण के पहले गिरफ्तार किया था और जिनकी संख्या 12 सौ से अधिक है, वे जेल की सलाखों के पीछे कैद हैं। इन्हें आजादी की सांस लेने अपनी बारी का इंतजार करना पड़ेगा क्योंकि वे न्यायिक हिरासत में हैं। इनमें ज्यादातर विचाराधीन हैं।

**नक्सल मामलो के बंदियों का जेलवार आंकड़ा**

आकंड़ों की बात करें तो सर्वाधिक नक्सल मामले में बंदी सेंट्रल जेल जगदलपुर में निरूद्ध हैं। इनमें बस्तर एवं कोंडागांव जिले के 425 पुरुष व 98 महिला समेत कुल 523 विचाराधीन बंदी हैं। जबकि नक्सल मामले में 24 सजायाफ्ता बंदी भी जगदलपुर की सेंट्रल जेल में हैं। इनमें से कुछ को न्यायालय से आजीवन कारावास की सजा मिली है। इसके अलावा जिला जेल कांकेर के 41 पुरुष व 3 महिला बंदी, जिला जेल दंतेवाड़ा के 289 पुरुष बंदी, जिला जेल सुकमा के 172 पुरुष बंदी, उप जेल नारायणपुर के 68 पुरुष बंदी तथा उप जेल बीजापुर के 132 पुरुष बंदी समेत कुल 1252 सजायाफ्ता व विचाराधीन बंदी सेंट्रल जेल में निरूद्ध हैं।

**रिहाई संभव नहीं है: एसपी शलभ कुमार**

बस्तर एसपी शलभ कुमार सिन्हा के मुताबिक जेल में निरुद्ध बंदियों के संबंध में शासन की ओर से कोई अधिकारिक आदेश नहीं आया है। आगे जैसा निर्देश मिलेगा उस पर कार्रवाई करेंगे। नक्सल मामलों में जेल में निरुद्ध बंदियों की रिहाई के सवाल पर उन्होंने कहा कि जहां तक रिहाई की बात है, वो संभव नहीं है। सभी पर संगीन धाराओं के साथ यूएपीए एक्ट भी लगा हुआ है और सभी ज्यूडिशियल कस्टडी में हैं। ऐसे में न्यायालय के आदेश पर ही सब संभव है। उन्होंने कहा कि शासन स्तर पर विचाराधीन बंदियों की रिहाई का प्रयास हो रहा है। इसके लिए कानूनन सभी से राय लेकर निर्णय लेना

# बीजापुर में माओवादी डंप से बीजीएल कलपुर्जे, ग्रेनेड और विस्फोटक सामग्री बरामद

विश्व केसरी■

**बीजापुर (के. संतोष)।** जिले में चलाए जा रहे नक्सल विरोधी अभियान के तहत बीजापुर पुलिस अधीक्षक उमेश गुप्ता ने बताया बीजापुर पुलिस और सुरक्षा बलों को अलग-अलग क्षेत्रों में माओवादी डंप से भारी मात्रा में विस्फोटक सामग्री, बीजीएल बैरल ग्रेनेड लॉन्चर के कलपुर्जे और अन्य संदिग्ध सामान बरामद करने में सफलता मिली है। सुरक्षा बलों ने बरामद विस्फोटक सामग्री को निर्धारित सुरक्षा मानकों के तहत सुरक्षित रूप से निष्क्रिय किया।

**09 सितंबर को ताड़पाल क्षेत्र में बरामदगी**

एफओबी ताड़पाल क्षेत्र में सीआरपीएफ की 196वीं बटालियन द्वारा ताड़पाल पहाड़ी क्षेत्र में सघन तलाशी अभियान चलाया गया। तलाशी के दौरान पत्थरों और जमीन के नीचे छिपाकर रखे गए 105 नग बीजीएल राउंड कंपोनेंट्स, एक बीजीएल नोज, दो लोहे के पाइप, एक एल्युमिनियम पतीला तथा लेथ मशीन का हैंडल बरामद किया गया।

**इंडरीपाल जंगल से ग्रेनेड और तीर बम बरामद** - डीआरजी और थाना मिरतुर की संयुक्त टीम ने इंडरीपाल के जंगलों में सर्चिंग के दौरान माओवादी डंप का पता लगाया। यहां से दो ग्रेनेड और पांच तीर बम बरामद किए गए। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए बीडीएस टीम द्वारा इन विस्फोटकों को मौके पर ही सुरक्षित तरीके से डिस्पोज किया गया।

**डुमरीपलनर जंगल से डेटोनेटर और वायर बरामद**

डीआरजी एवं थाना मिरतुर पुलिस की संयुक्त टीम ने डुमरीपलनर जंगल में अभियान चलाया। इस दौरान माओवादी डंप से सात बंडल नॉन-इलेक्ट्रिक वायर और छह डेटोनेटर बरामद किए गए। पुलिस और सुरक्षा बलों की लगातार जारी कार्रवाई से माओवादियों द्वारा जंगलों में छिपाकर रखे गए हथियार, विस्फोटक एवं अन्य सामग्री के डंप लगातार सुरक्षा बलों के हाथ लग रहे हैं। सुरक्षा बलों द्वारा क्षेत्र में सघन सर्चिंग और नक्सल विरोधी अभियान लगातार जारी है।

# बढ़े हुए बिजली बिल को लेकर आम उपभोक्ताओं में भारी असंतोष : सुशील मौर्य

विश्व केसरी■

**जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)।** छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर स्मार्ट मीटर लगाए जाने और बिजली बिलों में बढ़ोतरी के खिलाफ कांग्रेस द्वारा चलाया जा रहा जनअभियान लगातार जारी है।

इसी कड़ी में आज बस्तर जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष सुशील मौर्य की उपस्थिति में नगरनार ब्लॉक अध्यक्ष संतोष सेठिया की अगुवाई में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ताओं ने नगरनार में घर-घर पहुंचकर बिजली उपभोक्ताओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान उपभोक्ताओं से बिजली बिल, स्मार्ट मीटर तथा उससे जुड़ी समस्याओं की जानकारी ली गई और उनकी शिकायतों एवं

आपत्तियों को दर्ज करते हुए 'स्मार्ट मीटर विरोधी आवेदन' भरवाए गए।डोर-टू-डोर अभियान के दौरान बड़ी संख्या में उपभोक्ताओं ने बिजली बिल में बढ़ोतरी, स्मार्ट मीटर लगाए जाने को लेकर अपनी चिंताएं कांग्रेस कार्यकर्ताओं के सामने रखीं। शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मौर्य ने कहा कि स्मार्ट मीटर और बढ़े हुए बिजली बिल को लेकर शहर के आम उपभोक्ताओं में लगातार असंतोष और चिंता देखने को मिल रही है। कांग्रेस कार्यकर्ता केवल विरोध प्रदर्शन तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि घर-घर जाकर वास्तविक समस्याओं को समझेंगे और उन्हें सरकार के समक्ष मजबूती से रखेंगे।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस का उद्देश्य आम उपभोक्ताओं की आवाज को संगठित करना और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित कराने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करना है।

# महापौर संजय पांडे बोले—हरियाली के बिना अधूरा है शहर का विकास

विश्व केसरी■

**जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)।** महापौर संजय पांडे ने कहा कि जगदलपुर के विकास का विजन केवल सड़क, नाली, भवन और अन्य अधोसंरचना तैयार करने तक सीमित नहीं है। हम ऐसा जगदलपुर बनाना चाहते हैं, जहां विकास के साथ हरियाली, स्वच्छता, सुंदरता और बेहतर पर्यावरण भी शहर की पहचान बने। इसी सोच के साथ नगर निगम द्वारा शहर के प्रमुख मार्गों, डिवाइडरों, उद्यानों और सार्वजनिक स्थलों के सौंदर्यीकरण एवं हरित विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि इंद्रावती से गोरिया बहार तक लगाए गए 2700 से अधिक पौधे आने वाले वर्षों में राष्ट्रीय राजमार्ग को हरित कॉरिडोर का स्वरूप देंगे। आज लगाए गए पौधे भविष्य में छायादार और सुंदर मार्ग का निर्माण करेंगे। इससे न केवल शहर का वातावरण बेहतर होगा, बल्कि जगदलपुर में प्रवेश करने वाले लोगों को बस्तर की प्राकृतिक पहचान का अहसास भी होगा।

महापौर ने कहा कि नक्सलमुक्त बस्तर में पर्यटन के नए द्वार खुले हैं। चित्रकोट, तीरथगढ़, कुटुमसर, बस्तर दशहरा और यहां की आदिवासी संस्कृति देखने देश-दुनिया से लोग पहुंच रहे हैं। ऐसे में जगदलपुर को बस्तर के प्रवेश द्वार के रूप में ऐसा स्वरूप देना जरूरी है, जो पर्यटकों को पहली नजर में आकर्षित करे।

# नशे में बस चालक से अभद्रता का आरोप भाजपा युवा मोर्चा ने फूंका पुतला

विश्व केसरी■

**चारामा (संदीप मेश्राम)।** कांकेर में कुछ दिनों पूर्व भानुप्रतापपुर विधायक सावित्री मंडावी के पुत्र अमन मंडावी द्वारा कथित रूप से नशे की हालत में बस चालक के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने के मामले ने राजनीतिक तूल पकड़ लिया है। घटना के विरोध में भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा मंडल चारामा के कार्यकर्ताओं ने कोरर चौक में पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सार्वजनिक स्थान पर नशे की हालत में बस चालक के साथ कथित अभद्र व्यवहार किया जाना अत्यंत आपत्तिजनक है। कार्यकर्ताओं ने मामले की निष्पक्ष जांच एवं उचित कार्रवाई की मांग करते हुए जमकर नारेबाजी की।

पुतला दहन के दौरान भाजपा मंडल अध्यक्ष ओम प्रकाश साहू, महामंत्री संतोष नहर, युवा मोर्चा अध्यक्ष भोज सोनी, महामंत्री प्रियेश सेन, महामंत्री रूपेश देवांगन, करन निर्मलकर, स्वपन बोस, जिला किसान मोर्चा मंत्री विजेंद्र कुमार सिन्हा, ललित साहू एवं एल्डरमेन परमेश्वर यादव सहित भाजपा एवं युवा मोर्चा के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

**'कानून और सार्वजनिक मर्यादा से ऊपर कोई नहीं'**

भाजपा युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने कहा कि सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों के परिजनों से भी जिम्मेदार एवं मर्यादित आचरण की अपेक्षा की जाती है। किसी भी व्यक्ति द्वारा सार्वजनिक व्यवस्था एवं आम नागरिकों के सम्मान को प्रभावित करने वाला व्यवहार किया जाता है तो उसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए और दोष सिद्ध होने पर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

# अंतरराष्ट्रीय मूलनिवासी दिवस के आयोजन के लिए शासकीय सेवक संघ ने प्रदान की 1.40 लाख रुपए की सहयोग राशि

विश्व केसरी■

**कांकेर (सीताराम शर्मा)।** जिला स्तरीय अंतरराष्ट्रीय मूलनिवासी दिवस के आयोजन को सफल एवं गरिमामय बनाने के लिए छत्तीसगढ़ अनुसूचित जनजाति शासकीय सेवक विकास संघ, जिला कांकेर द्वारा सर्व आदिवासी समाज, जिला कांकेर के जिलाध्यक्ष कन्हैयालाल उसेंडी को 1,40,000/- (एक लाख चालीस हजार रुपये) की सहयोग राशि चेक के माध्यम से प्रदान की गई।

यह सहयोग राशि अंतागढ़ में आयोजित होने वाले जिला स्तरीय अंतरराष्ट्रीय मूलनिवासी दिवस कार्यक्रम के आयोजन एवं व्यवस्थाओं के लिए प्रदान की गई है।

संघ ने बताया कि यह सहयोग केवल जिला संगठन का नहीं, बल्कि जिले के विभिन्न विकासखंडों में कार्यरत अनुसूचित जनजाति समाज के अधिकारी-कर्मचारियों की सामूहिक सहभागिता, सामाजिक एकजुटता और अपनी संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

# सूने मकान में बदमाशों ने बोला धावा, सामान के साथ 2 आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

**कांकेर (सीताराम शर्मा)।** पुलिस अधीक्षक कांकेर निखिल राखेचा (भा.पु.से.) के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक योगेश साहू (रा.पु.से.) एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस कांकेर हरिश पाटिल (रा.पु.से.) के पर्यवेक्षण में थाना चारामा पुलिस द्वारा सूने मकान में ताला तोड़कर चोरी करने वाले 02 आरोपियों को गिरफ्तार कर चोरी की घटना का खुलासा किया गया है।

प्रार्थी द्वारा थाना चारामा में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि दिनांक 06.09.2026 को वह अपने परिवार के साथ रिश्तेदार के घर बरपारा रतेसरा गया था। शाम लगभग 07:30 बजे वापस लौटने पर घर के सामने के दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला तथा दरवाजा खुला था। घर की आलमारी में रखे सोने-चांदी के आभूषण, मोबाइल एवं नगदी रकम सहित लगभग ?2.30 लाख का सामान अज्ञात आरोपी द्वारा चोरी कर लिया गया था। थाना चारामा में अपराध क्रमांक 185/2026, धारा 305(ए), 331(2) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया था।रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस टीम द्वारा आरोपियों एवं चोरी गए सामान की लगातार पतासाजी की जा रही थी।

# ब्राह्मण समाज ने सेवानिवृत्त समाजजनों का किया सम्मान

विश्व केसरी■

**जगदलपुर (अर्जुन कुमार झा)।** 360 घर आरण्यक ब्राह्मण समाज के सम्मानित सदस्यों के शासकीय सेवा से सेवानिवृत्त होने के अवसर पर आज समाज के वरिष्ठ सदस्यों द्वारा सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर केदार पाढ़ी, अविन्द्र पाणिग्राही एवं सर्वेश्वर पांडे को शाल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया गया। समाज के वरिष्ठ सदस्यों ने सेवानिवृत्त हुए समाजजनों के सेवाकाल के दौरान किए गए उल्लेखनीय कार्यों एवं समाज के प्रति उनके योगदान को स्मरण करते हुए उनके अनुभवों की सराहना की। साथ ही समाज की ओर से उनके स्वस्थ, सुखमय एवं उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

पूर्व अध्यक्ष हेमंत पांडे ने कहा कि शासकीय सेवा से सेवानिवृत्ति जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नए अध्याय की शुरुआत है। हमारे समाज के इन सदस्यों ने अपने सेवाकाल में पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ कार्य करते हुए समाज एवं राष्ट्र की सेवा की है।

# आयुष्मान आरोग्य मंदिर का आकस्मिक निरीक्षण

## साफ-सफाई, दवा रखरखाव और संस्थागत प्रसव व्यवस्था को लेकर दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

विश्व केसरी■

**अंतागढ़ (डम्पी खान)।** विकासखंड अंतागढ़ के अति सुदूर वनांचल क्षेत्र स्थित ग्राम मूल्ले के आयुष्मान आरोग्य मंदिर का 10 सितंबर को स्वास्थ्य विभाग की टीम ने आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों ने साफ-सफाई, संस्थागत प्रसव की सुविधा, दवाइयों के रखरखाव सहित विभिन्न व्यवस्थाओं को लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान प्रसव कक्ष का अवलोकन कर संस्थागत प्रसव के लिए आवश्यक व्यवस्थाओं को दुरुस्त रखने के निर्देश दिए गए। इसके साथ ही केंद्र में उपलब्ध औषधियों के रखरखाव की स्थिति की जांच की गई तथा एक्सपायरी दवाइयों की नियमित जांच करने

के लिए कर्मचारियों को निर्देशित किया गया। स्वास्थ्य केंद्र के भवन में आवश्यक रंग-रोगन एवं मरम्मत कार्य कराने के संबंध में भी निर्देश दिए गए।अधिकारियों ने स्वास्थ्य केंद्र में पदस्थ कर्मचारियों को मुख्यालय में रहकर नियमित रूप से सेवाएं देने के लिए निर्देशित किया, ताकि दूरस्थ वनांचल क्षेत्र के ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े।

**स्कूल में स्वास्थ्य परीक्षण और एचपीवी टीकाकरण की जानकारी**- निरीक्षण दल ने ग्राम मूल्ले के हायर सेकेंडरी स्कूल का भी भ्रमण किया। यहां शिक्षकों से चिरायु टीम द्वारा विद्यार्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण के संबंध में जानकारी ली गई। अधिकारियों ने विद्यालय में एचपीवी टीकाकरण के संबंध में भी आवश्यक जानकारी दी तथा जिन विद्यार्थियों का टीकाकरण अभी शेष है, उनका शीघ्र टीकाकरण कराने के लिए सुझाव दिया।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने कहा कि दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं की नियमित निगरानी और बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करना आवश्यक है, ताकि ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को समय पर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। निरीक्षण के दौरान खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. बीके रामटेके, विकासखंड कार्यक्रम प्रबंधक नोमेत कुमार गावड़े, प्रभारी चिकित्सा अधिकारी आमाबेड़ा मनोज सिंगरौल, प्रभारी खंड विस्तार प्रशिक्षण अधिकारी केके सिन्हा एवं सेक्टर सुपरवाइजर देवेंद्र कुमार ठाकुर उपस्थित रहे।

# धाकड़ीदेवनी दाई के दरबार में उमड़ा आस्था का सैलाब

विश्व केसरी■

**अंतागढ़ (डम्पी खान)।** सुरेवाही परगना के परगन डोकरी दाई धाकड़ीदेवनी (राजमाता 18 गढ़) की परंपरा और आस्था से जुड़े देव बाल तिहार का आयोजन भैंसासुर (अंतागढ़) में बड़े ही हर्षोल्लास एवं पारंपरिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया। सदियों पुरानी इस धार्मिक-सांस्कृतिक परंपरा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं समाजजन शामिल हुए।

बताया जाता है कि धाकड़ीदेवनी दाई की यह परंपरा 707 पीढ़ियों से भैंसासुर में चली आ रही है। इस अवसर पर शोरी कुंदा, बोकराबेड़ा और कुटाडोकरा सहित विभिन्न क्षेत्रों से बड़े डोकरी परिवार की महिलाएं एवं समाजजन धाकड़ीदेवनी दाई के दरबार में पहुंचे।

देवी दरबार में विधि-विधान एवं पारंपरिक मान्यताओं के अनुसार पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की सुख-शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की गई। देव बाल तिहार के दौरान पारंपरिक रीति-रिवाजों और लोक संस्कृति की झलक देखने को मिली।

इस आयोजन ने न केवल लोगों की आस्था को मजबूत किया, बल्कि सुरेवाही परगना की सदियों पुरानी संस्कृति, परंपरा और विरासत को जीवंत बनाए रखने का संदेश भी दिया। पूरे आयोजन के दौरान श्रद्धालुओं में खासा उत्साह देखने को मिला और धाकड़ीदेवनी दाई के जयकारों से पूरा दरबार गूंज उठा।

# एप्पल का पहला फोल्डेबल स्मार्टफोन 'आईफोन डुओ' 2.99 लाख रुपए की कीमत पर भारत में हुआ लॉन्च

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** अमेरिका की टेक्नोलॉजी कंपनी एप्पल ने 'आईफोन डुओ' लॉन्च करके फोल्डेबल स्मार्टफोन मार्केट में एंट्री कर दी और भारत में इसकी कीमत 2,99,900 रुपए निर्धारित की गई है। इसके जरिए कंपनी का मकसद अपने प्रीमियम आईफोन इकोसिस्टम के साथ बड़ी डिस्प्ले देना और ऐसे यूजर्स को आकर्षित करना है जो कंटेंट देखने, मल्टीटास्किंग करने और कुछ नया बनाने के लिए नए तरीके तलाश रहे हैं।

23 अक्टूबर से उपलब्ध होने वाले इस डिवाइस में 7.6-इंच की इनर डिस्प्ले और 5.4-इंच की आउटर डिस्प्ले दी गई है।

इसके अलावा, दोनों स्क्रीन का आस्पेक्ट रेश्यो एक जैसा है, जिससे कंटेंट को दोनों के बीच सही अनुपात में एडजस्ट किया जा सकता है।

कंपनी के अनुसार, अंदर वाली डिस्प्ले में नैनो-टेक्सचर फिनिश है, जो चमक को कम करती है और क्रीज को कम दिखने देती है।

साथ ही, आईफोन डुओ में एप्पल की ए20 प्रो चिप लगी है और इसमें एडवांस्ड थर्मल मैनेजमेंट सिस्टम, डुअल-बैटरी आर्किटेक्चर और नया कैमरा सिस्टम भी शामिल है।

हालांकि, कंपनी का दावा है कि इनर डिस्प्ले पर 31 घंटे तक और आउटर डिस्प्ले पर 44 घंटे तक वीडियो प्लेबैक किया जा सकता है।

इस डिवाइस में फोल्डेबल के लिए खास कैमरा अनुभव भी दिए गए हैं, जैसे स्मार्ट टेक, डुओ प्रीव्यू और डुओ फेसटाइम।

वहीं, आईओएस 27 में स्प्लिट व्यू और ऐप्स के पेयर को सेव करने जैसे मल्टीटास्किंग फीचर्स जोड़े गए हैं। एप्पल के सीईओ जॉन टर्नस ने कहा, 'आईफोन डुओ, ओरिजिनल आईफोन के बाद से आईफोन में सबसे बड़ा बदलाव है। पूरी तरह से नए डिजाइन और आसान अनुभव के साथ, यह दिखाता है कि जब हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर को एक साथ बनाया जाता है तो क्या-क्या मुमकिन है। साथ ही, यह फोल्डेबल फोन के इस्तेमाल के तरीके को भी नए सिरे से परिभाषित करता है।'

साइबरमीडिया रिसर्च (सीएमआर) के इंडस्ट्री इंटेलिजेंस ग्रुप के प्रमुख प्रभु राम ने कहा कि इस डिवाइस से शॉर्ट-टर्म में ज्यादा बिक्री होने के बजाय, प्रो सीरीज से ऊपर एक 'अल्ट्रा-प्रीमियम' कैटेगरी बनने की संभावना है।

उन्होंने कहा कि यूएस की कीमत के मुकाबले भारत में ज्यादा कीमत की वजह मेमोरी की लागत में बढ़ोतरी, रुपए की गिरती कीमत, कस्टम ड्यूटी, लोकल टैक्स स्ट्रक्चर और चैनल मार्जिन है।

उन्होंने कहा, 'हालांकि शॉर्ट-टर्म में शिपमेंट कम रहेगी और सप्लाई की दिक्कतें होंगी, लेकिन डुओ, प्रो मैक्स के मौजूदा यूजर्स को अपनी ओर खींचने के लिए अच्छी स्थिति में है।

आईफोन डुओ 'स्टार व्हाइट' और 'नाइट स्काई' रंगों में उपलब्ध होगा और इसमें 256जीबी से लेकर 2टीबी तक के स्टोरेज ऑप्शन होंगे। प्री-ऑर्डर 16 अक्टूबर से शुरू होंगे।

# भारत और रूस ने यात्री विमानों के संयुक्त उत्पादन पर की चर्चा

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** भारत के नागर विमानन मंत्री राम मोहन नायडू ने गुरुवार को रूस के उद्योग एवं व्यापार मंत्री एंटोन अलीखानोव के साथ भारत की क्षेत्रीय हवाई कनेक्टिविटी की मांग को पूरा करने के लिए सिविल यात्री विमानों के संयुक्त निर्माण पर चर्चा की।

नायडू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की अपार संभावनाओं को देखते हुए भारत और रूस के पास अपने संबंधों को खरीदार-विक्रेता संबंध से आगे बढ़ाकर संयुक्त विनिर्माण और गहरे औद्योगिक सहयोग तक ले जाने का एक मजबूत अवसर है।

उन्होंने आगे कहा कि भारत-रूस संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं और विमानन रणनीतिक साझेदारी के एक प्रमुख स्तंभ के रूप में उभर रहा है।

सार्वजनिक क्षेत्र की एयरोस्पेस कंपनी हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) और रूस की यूनाइटेड एयरक्राफ्ट कॉरपोरेशन (यूएसी) ने इससे पहले भारत में सुपरजेट (एसजे-100) सिविल कम्प्यूटर विमान के लाइसेंस के तहत संयुक्त उत्पादन और सहायता के लिए एक प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। बताया जा रहा है कि इसके स्थानीयकरण को लेकर बातचीत अंतिम चरण में पहुंच गई है।

प्रस्तावित समझौतों और चर्चाओं में भारतीय विमानन कंपनियों के लिए 105 क्षेत्रीय टर्बोप्रॉप विमानों की संभावित डिलीवरी और अन्य व्यवस्थाएं शामिल हैं। इनमें पिनैकल एयर, एयर केरल और स्लीक एविएशन शामिल हैं।

रूस ने भारत में आयोजित इनोप्रोम कार्यक्रम में अपने क्षेत्रीय एसजे-100, एमसी-21 और आईआई-114-300 विमानों का प्रदर्शन किया, ताकि भारत की तेजी से बढ़ती क्षेत्रीय कनेक्टिविटी की जरूरतों को पूरा करने के अवसर तलाशे जा सकें।

विमानन क्षेत्र में बढ़ता सहयोग ऐसे समय में हो रहा है जब रूस मिग और सुखोई लड़ाकू विमानों जैसे पारंपरिक रक्षा प्लेटफॉर्म से आगे बढ़कर भारत के साथ औद्योगिक सहयोग को मजबूत करना चाहता है। प्रस्तावित विमान सौदे भारत-रूस एयरोस्पेस संबंधों के सिविल एविएशन, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी और विमान विनिर्माण तक विस्तार की संभावित दिशा का संकेत देते हैं।

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से पहले 9 से 11 सितंबर तक नई दिल्ली में आयोजित हो रहे इनोप्रोम इंडिया में रूस और भारत की 120 से अधिक कंपनियां हिस्सा ले रही हैं। ब्राजील की विमान निर्माता कंपनी एम्ब्राएर के वैश्विक सरकारी संबंध प्रमुख जोस सेराडोर नेटो ने भी नायडू से मुलाकात की और कंपनी की 'मेक इन इंडिया' योजनाओं तथा सहयोग के बढ़ते अवसरों पर चर्चा की।

# सर्वांगासन-हलासन के बाद क्यों जरूरी है मत्स्यासन, जानिए काउंटर पोज का महत्व

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** योग में हर आसन का अपना महत्व होता है, लेकिन इसका लाभ तभी मिलता है जब आसन को सही क्रम और संतुलन के साथ किया जाए। सर्वांगासन और हलासन योग के महत्वपूर्ण आसनों में गिना जाता है, लेकिन इन दोनों आसनों को करने के बाद शरीर में दबाव पड़ता है। इसी को ठीक करने के लिए मत्सासन को करना आवश्यक काउंटर-पोज यानी विपरीत आसन माना गया है।

हम आपको बताएंगे कि सर्वांगासन और हलासन के तुरंत बाद मत्स्यासन काउंटर-पोज (विपरीत आसन) करना आवश्यक क्यों होता है।

आयुष मंत्रालय और मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान के दिशानिर्देशों के अनुसार, सर्वांगासन और हलासन के प्रभाव को संतुलित करने के लिए बाद में मत्सासन करना बेहद जरूरी और अनिवार्य माना गया है। जब कोई भी साधक सर्वांगासन और हलासन का अभ्यास करता है, तो शारीरिक बदलाव आते हैं, जिन्हें सामान्य स्थिति में लाने के लिए मत्स्यायन एक पूरक आसन के रूप में काम करता है।

सर्वांगासन और हलासन दोनों ही 'इनवर्जन' (उल्टे होने वाले) आसन हैं, जिनमें छाती आगे की तरफ झुकती है और ठुड्डी पूरी तरह से छाती से चिपक जाती है। मत्स्यायन में जब सिर के ऊपरी हिस्से को जमीन पर टिकाकर रीढ़ और गर्दन को पीछे मोड़ा जाता है, तो यह जालंधर बंध के दबाव को तुरंत संतुलित कर देता है।

योग विशेषज्ञों के अनुसार, हलासन और सर्वांगासन के दौरान रीढ़ की हड्डी और गर्दन की पीछे की मांसपेशियों पर गहरा और तीव्र खिंचाव आता है। इससे गर्दन और पीठ के ऊपरी हिस्से की मांसपेशियां अत्यधिक तनी हुई स्थिति में आ जाती हैं। मत्स्यासन रीढ़ को विपरीत दिशा में (पीछे की ओर) मोड़कर एक बेहतरीन काउंटर-स्ट्रेच देता है। इससे गर्दन, कंधों और रीढ़ की हड्डी की अकड़न व तनाव दूर होता है और मांसपेशियों का संतुलन वापस सामान्य हो जाता है।

इन दोनों आसनों में गर्दन और गले पर गहरा दबाव पड़ता है, जिससे शरीर में जकड़न आ सकती है। इसी जकड़न को खोलने और शरीर में संतुलन बनाए रखने के लिए मत्स्यासन को आवश्यक काउंटर-पोज यानी विपरीत आसन माना गया है। योग विज्ञान का नियम है कि यदि शरीर को एक दिशा में गहराई से मोड़ा गया है, तो उसे सुरक्षित रखने के लिए विपरीत दिशा में मोड़ना (काउंटर -पोज) जरूरी है। सर्वांगासन और हलासन 'फॉरवर्ड बेंडिंग' (गर्दन के लिए) हैं, तो मत्स्यासन उनका सटीक 'बैकवर्ड बेंडिंग' इलाज है जो रीढ़ व गर्दन को चोटिल होने से बचाता है। हालांकि, इन तीनों आसनों को करने से पहले किसी विशेषज्ञ से जरूर सलाह लें और गंभीर बीमारी, हालिया सर्जरी, प्रेग्नेंट महिलाएं वाले व्यक्ति आसनों को करने से बचें।

# अमरावती अस्पताल अग्निकांड: तीन नवजातों की मौत पर पांच वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी निलंबित

विश्व केसरी ■

**मुंबई।** महाराष्ट्र सरकार ने अमरावती जिला महिला अस्पताल की विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में 24 अगस्त को लगी आग में तीन नवजात शिशुओं की मौत के मामले में स्वास्थ्य विभाग के पांच वरिष्ठ अधिकारियों और कर्मचारियों को निलंबित करने का आदेश दिया है।

निलंबित किए गए अधिकारियों में अकोला सर्कल के उप स्वास्थ्य सेवा निदेशक, अमरावती महिला अस्पताल के चिकित्सा अधीक्षक, अतिरिक्त जिला सिविल सर्जन (अमरावती), प्रशासनिक अधिकारी और अस्पताल के इलेक्ट्रीशियन शामिल हैं। सरकार ने इन्हें प्रथम दृष्टि में निगरानी और पर्यवेक्षण में हुई लापरवाही के लिए जिम्मेदार माना है। राज्य सरकार का यह कदम एक उच्चस्तरीय जांच समिति की रिपोर्ट आने के बाद उठाया गया है। जांच रिपोर्ट सरकार को सौंपे जाने के बाद सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग ने दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

बता दें कि आग लगने की इस घटना के दौरान 36 नवजात शिशुओं को सुरक्षित बचाकर अन्य अस्पतालों में स्थानांतरित कर दिया गया था।

जांच समिति की रिपोर्ट में तकनीकी निरीक्षण और उपकरणों के रखरखाव में गंभीर लापरवाही सामने आई है। रिपोर्ट के अनुसार, वेंटिलेटरों की समय पर सर्विसिंग नहीं की गई थी, फायर अलार्म और स्प्रिंकलर सिस्टम काम नहीं कर रहे थे, तथा फायर पंप हाउस बंद पाया गया।

रिपोर्ट में सामने आई लापरवाही, गैर-जिम्मेदाराना रवैये और निगरानी में विफलता को देखते हुए संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के खिलाफ महाराष्ट्र सिविल सेवा (अनुशासन एवं अपील) नियम, 1979 के नियम-8 के तहत विभागीय कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं।

इसके अलावा, संविदा कर्मचारियों के खिलाफ भी प्रशासनिक कार्रवाई के आदेश जारी किए गए हैं। साथ ही लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के जिम्मेदार अधिकारियों पर भी दंडात्मक कार्रवाई करने को कहा गया है।

# 'जीवित रहने तक लोगों की सेवा करना चाहता हूं', अस्पताल से छुट्टी मिलने पर अन्ना हजारे

विश्व केसरी ■

**मुंबई।** वरिष्ठ समाजसेवी और भ्रष्टाचार विरोधी आंदोलन के प्रमुख चेहरे अन्ना हजारे को गुरुवार को बॉम्बे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। उन्हें करीब 10 दिन पहले मूत्र संक्रमण की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद अन्ना हजारे ने कहा कि उनका जीवन का एकमात्र उद्देश्य अंतिम सांस तक लोगों की सेवा करना है।

पत्रकारों से बातचीत में 90 वर्षीय अन्ना हजारे ने कहा, 'अभी मेरी तबीयत ठीक है। स्वास्थ्य थोड़ा बिगड़ गया था, लेकिन अब पहले से बेहतर हूं। मेरी उम्र 90 साल हो गई है और मैं 100 साल पूरे करना चाहता हूं।'

उन्होंने कहा, 'आज तक 90 साल की उम्र तक मैंने लोगों और देश की सेवा की है। अब भी 100 साल की उम्र तक सेवा जारी रखना चाहता हूं। सेवा का मतलब निस्वार्थ कर्म है। निस्वार्थ भाव से किया गया कर्म भगवान की पूजा के समान है। पूजा सिर्फ मंदिर में नहीं होती, जनता की सेवा करना ही सच्ची ईश्वर भक्ति है।' अन्ना हजारे ने कहा, 'जब तक जिंदा हूं, लोगों की सेवा करना चाहता हूं। मैंने अपना पूरा जीवन सेवा के लिए समर्पित कर दिया है। मुझे अपने बैंक बैलेंस की कोई चिंता नहीं है। योजनाओं का लाभ मिलने के बावजूद मैंने अपने लिए कोई धन नहीं रखा। मेरे लिए धन-दौलत नहीं, बल्कि लोगों की सेवा ही सबसे बड़ा उद्देश्य है।'

वहीं, बॉम्बे अस्पताल के चिकित्सक डॉ. गौतम भंसाली ने बताया कि अन्ना हजारे पहले वायरल बुखार और दस्त की शिकायत के चलते शिरूर के एक अस्पताल में भर्ती हुए थे, जहां उनका उपचार हुआ था।

उन्होंने कहा, 'वायरल बीमारी और गंभीर डिहाइड्रेशन की वजह से उन्हें पेशाब संबंधी दिक्कतें होने लगी थीं। उनका क्रिएटिनिन स्तर काफी बढ़ गया था, जिससे मूत्र संक्रमण हो गया। इसी कारण उन्हें आगे के इलाज के लिए बॉम्बे अस्पताल में भर्ती करना पड़ा।

# औषधीय गुणों से भरपूर है बेल का पेड़, आयुष मंत्रालय ने बताए इसके चमत्कारी गुण

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** भारत में पेड़-पौधों का महत्व सिर्फ पर्यावरण तक सीमित नहीं रहा है, बल्कि प्राचीन समय से ही कई पौधों का इस्तेमाल औषधीय जरूरतों के लिए भी किया जाता रहा है। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पौधा है बेल, जिसे संस्कृत में बिल्व और अंग्रेजी में वुड एप्पल कहा जाता है। नेशनल मेडिसिनल प्लांट्स बोर्ड, आयुष मंत्राल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बेल के औषधीय महत्व से जुड़ी जानकारी साझा की है।

वनस्पति विज्ञान में बेल का नाम एगल मार्मेलोस है और यह रैसेसी परिवार से संबंधित है। यह पेड़ मुख्य रूप से भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया का मूल निवासी माना जाता है। भारत में यह सूखे जंगलों और मैदानी क्षेत्रों में आमतौर पर देखने को मिलता है। खास बात यह है कि बेल अलग-अलग तरह की जलवायु में भी आसानी से पनप सकता है और कम उपजाऊ मिट्टी में भी अच्छी तरह बढ़ने की क्षमता रखता है।

बेल का पेड़ मध्यम आकार का पर्णपाती वृक्ष होता है, जिसकी ऊंचाई करीब 15 मीटर तक पहुंच सकती है। इसकी पत्तियां तीन पत्तियों वाले समूह यानी त्रिपर्णी होती हैं और इनमें हल्की सुगंध होती है। बेल के फूल हरे-सफेद रंग के और सुगंधित होते हैं। इसका फल कच्चा और सूखने के बाद भी कई पारंपरिक उपयोगों में काम आता है।

# सर्दी-जुकाम जैसा दिखने वाला आरएसवी वायरस बच्चों के लिए खतरनाक, डब्ल्यूएचओ ने जारी की चेतावनी

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** सर्दी-जुकाम जैसा दिखने वाला आरएसवी (रेस्पिरेटरी सिंसिटियल वायरस) सिर्फ एक सामान्य मौसमी वायरस नहीं है। यह दुनियाभर में छोटे बच्चों के लिए गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बन सकता है। हर साल आरएसवी की वजह से 36 लाख से ज्यादा बच्चों को अस्पताल में भर्ती होने की जरूरत पड़ती है और करीब 1 लाख छोटे बच्चों की जान चली जाती है। इसलिए इसके बारे में सही जानकारी होना और समय पर सावधानी बरतना बेहद जरूरी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर बताया कि आरएसवी एक बहुत संक्रामक वायरस है। यह संक्रमित व्यक्ति के खांसने या छींकने से निकलने वाली बूंदों के जरिए फैल सकता है। संक्रमित सतह को छूने और फिर आंख, नाक या मुंह को छूने से भी संक्रमण हो सकता है। यही वजह है कि घर, स्कूल, डे-केयर और भीड़भाड़ वाली जगहों पर छोटे बच्चों को इससे बचाना चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

हालांकि आरएसवी किसी भी उम्र के व्यक्ति को संक्रमित कर सकता है, लेकिन छोटे बच्चों, खासकर छह महीने से कम उम्र के शिशुओं में इसका असर ज्यादा गंभीर हो सकता है। समय से पहले जन्मे बच्चों और कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली वाले बच्चों में भी गंभीर बीमारी का खतरा अधिक हो सकता है। कई बार शुरुआत में इसके लक्षण सामान्य सर्दी-जुकाम जैसे ही दिखाई देते हैं, इसलिए माता-पिता के लिए इन्हें पहचानना जरूरी है।

बच्चे को नाक बहना, खांसी, छींक या हल्का बुखार हो सकता है, लेकिन अगर बच्चा सांस लेने में परेशानी महसूस कर रहा है। ठीक से दूध या खाना नहीं ले पा रहा है। बहुत ज्यादा सुस्त है या उसके होंठ और नाखून नीले पड़ रहे हैं तो इसे गंभीर संकेत मानना चाहिए। ऐसी स्थिति में तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना जरूरी है।

आरएसवी से बचाव के लिए रोजमर्रा की कुछ छोटी-छोटी सावधानियां काफी मददगार हो सकती हैं। बच्चे को छूने से पहले और बाद में हाथ अच्छी तरह धोएं, बीमार लोगों से शिशु को दूर रखें और घर में बार-बार छुई जाने वाली सतहों को साफ करते रहें। बच्चे के आसपास धूम्रपान बिल्कुल न करें, क्योंकि धुएं के संपर्क से सांस संबंधी समस्याओं का खतरा बढ़ सकता है।

गर्भवती महिलाओं और नवजात शिशुओं की सुरक्षा के लिए डॉक्टर से उपलब्ध आरएसवी वैक्सीन या शिशु के लिए आरएसवी एंटीबॉडी जैसे बचाव के विकल्पों के बारे में जानकारी ली जा सकती है। कौन-सा विकल्प उपयुक्त है, यह मां और बच्चे की स्थिति के आधार पर डॉक्टर तय कर सकते हैं।

# ईस्ट जोन के लिए खत्म हुआ 13 साल का सूखा, ईशान किशन की कप्तानी में जीता दलीप ट्रॉफी का खिताब

विश्व केसरी ■

**चेन्नई।** ईशान किशन की कप्तानी में ईस्ट जोन ने 13 साल का सूखा खत्म करते हुए दलीप ट्रॉफी के खिताब को अपने नाम किया। एमए चिदंबरम क्रिकेट स्टेडियम में खेले गए साउथ जोन के खिलाफ फाइनल मुकाबले में पहली पारी के आधार पर हासिल की बढ़त के चलते ईस्ट जोन को विजेता घोषित किया गया।

ईस्ट जोन ने तीसरी बार दलीप ट्रॉफी के खिताब को अपने नाम किया है। इससे पहले, टीम ने साल 2012-13 में आखिरी बार ट्रॉफी पर कब्जा जमाया था। ईस्ट जोन का प्रदर्शन फाइनल मुकाबले में लाजवाब रहा। पहली पारी में ईस्ट जोन ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए 708 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए।

कप्तान ईशान किशन ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 270 रनों की यादगार पारी खेली। 334 गेंदों की अपनी इस पारी में ईशान ने 30 चौके और 7 छक्के लगाए। वहीं, कुमार कुशाग्र ने शतक लगाया और 132 गेंदों में 101 रनों का योगदान दिया। शिखर मोहन ने 85 रन बनाए, तो वैभव सूर्यवंशी ने सिर्फ 37 गेंदों में 44 रन बनाए। अभिमन्यु ईश्वरन ने 86 गेंदों में 72 रनों का योगदान दिया। अनुकूल रॉय ने 45 और मोहम्मद कौनेन कुरैशी ने 40 रन बनाए।

ईस्ट जोन द्वारा पहली पारी में बनाए गए 708 रनों के जवाब में साउथ जोन की टीम कप्तान तिलक वर्मा की 99 रनों की पारी के बावजूद 336 रन बनाकर ऑलआउट हुई। तिलक के अलावा, टीम की ओर से देवदत्त पडिक्कल ही कुछ हद तक लय में नजर आए और उन्होंने 62 रन बनाए, जबकि चमा मिलिंद ने 43 रन बनाकर आउट हुए। गेंदबाजी में ईस्ट जोन की तरफ से मुकेश कुमार ने 3 विकेट चटकाए, जबकि मोहम्मद शमी, कुरैशी और शिखर मोहन ने दो-दो विकेट निकाले। पहली पारी के आधार पर ईस्ट जोन ने 372 रनों की विशाल बढ़त हासिल की।

दूसरी पारी में भी ईस्ट जोन के बल्लेबाजों का प्रदर्शन दमदार रहा। टीम ने मैच ड्रॉ होने के ऐलान से पहले 7 विकेट खोकर 388 रन बनाए। टीम की तरफ से ईशान किशन ने दूसरी इनिंग में भी बेहतरीन बैटिंग करते हुए 80 रनों की शानदार पारी खेली। वहीं, मोहम्मद कौनेन कुरैशी 190 गेंदों में 116 रन बनाकर नाबाद रहे। अनुकूल रॉय ने 64 रनों का योगदान दिया, तो शिखर मोहन ने भी अर्धशतकीय पारी खेली।

# छत्तीसगढ़ की बेटियों का शानदार प्रदर्शन, झारखंड को 7 विकेट से हराकर लगातार चौथी जीत

एजेंसी ■

**उदयपुर।** राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की मेजबानी में खेली जा रही MPMSC सीनियर वुमेंस आमंत्रण टी-20 ट्रॉफी 2026 में छत्तीसगढ़ ने शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए झारखंड को 7 विकेट से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। उदयपुर के मीराज क्रिकेट मैदान पर खेले गए मुकाबले में झारखंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

पहले बल्लेबाजी करते हुए झारखंड की टीम छत्तीसगढ़ की शानदार गेंदबाजी के सामने 20 ओवर में 104 रन पर ऑलआउट हो गई। झारखंड की शुरुआत बेहद खराब रही और उसके दोनों शुरुआती बल्लेबाज खाता खोले बिना ही पवेलियन लौट गए। टीम की ओर से वृष्टि कुमारी ने 22 रन और शिखा ने 15 रन बनाए।

छत्तीसगढ़ की ओर से प्रीति यादव ने 4 विकेट, श्रद्धा वैष्णव ने 3 विकेट और संगीता पटेल ने 2 विकेट हासिल किए। गेंदबाजों के अनुशासित प्रदर्शन के चलते झारखंड की पूरी टीम 104 रन तक ही पहुंच सकी।

105 रन के आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी छत्तीसगढ़ ने 14.4 ओवर में 3 विकेट खोकर 106 रन बनाते हुए मुकाबला अपने नाम कर लिया। छत्तीसगढ़ की ओर से सलामी बल्लेबाज प्रत्युषा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए नाबाद 58 रन की मैच जिताऊ पारी खेली। उनके अलावा सृष्टि शर्मा ने 35 रन का योगदान दिया।

इस जीत के साथ छत्तीसगढ़ ने टूर्नामेंट में लगातार चौथी जीत दर्ज की। शानदार प्रदर्शन के लिए प्रत्युषा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया।

# एशियन गेम्स: स्क्वैश के लिए ड्रॉ जारी, डिफेंडिंग चैंपियन भारतीय पुरुष टीम टॉप सीड

विश्व केसरी ■

**नई दिल्ली।** 20वें एशियन गेम्स का आयोजन 19 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच जापान के आइची-नागोया में होगा, जिसके लिए स्क्वैश में सिंगल्स, मिक्स्ड डबल्स और टीम स्क्वैश इवेंट्स के लिए ड्रॉ और सीडिंग की घोषणा कर दी गई है। इसमें भारतीय पुरुष टीम टॉप सीड है, जबकि महिला टीम को तीसरी सीडिंग मिली है।

एशियन गेम्स 2026 में स्क्वैश इवेंट्स नागोया किंजो-फुटो एरिना में होंगे। सिंगल्स और मिक्स्ड डबल्स इवेंट्स 23 से 27 सितंबर तक और टीम इवेंट्स 28 सितंबर से 2 अक्टूबर तक होंगे।

भारतीय पुरुष टीम में अभय सिंह, वीर चोटरानी, ??वेलवन सेंथिलकुमार और सूरज चंद शामिल हैं, जिन्हें कोरिया और चीन के साथ 'पूल-ए' में रखा गया है। वहीं, महिला टीम में अनाहत सिंह, तन्वी खन्ना, जोशना चिनप्पा और शमीना रियाज शामिल हैं, जिन्हें जापान, चीन और ईरान के साथ 'पूल-सी' में रखा गया है।

मेंस सिंगल्स में, भारत के अभय सिंह दूसरी सीड हैं, और वीर चोटरानी चौथी सीड हैं। दोनों भारतीय खिलाड़ियों को शुरुआती राउंड में 'बाय' (सीधे अगले राउंड में प्रवेश) मिला है।

दूसरी तरफ, विमेंस सिंगल्स में अनाहत सिंह और तन्वी खन्ना को क्रमशः तीसरी और सातवीं सीडिंग मिली है। अनाहत को पहले राउंड में 'बाय' मिला है।

# जूनियर विमेंस हॉकी एशिया कप: शान से सेमीफाइनल में पहुंचीं भारत की बेटियां, पाकिस्तान को 19-0 से रौंदा

विश्व केसरी ■

**मोकी (चीन)।** भारतीय टीम ने विमेंस जूनियर हॉकी एशिया कप 2026 के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में पाकिस्तान को 19-0 से रौंद दिया है। इस जीत के साथ ही भारत ने सेमीफाइनल का टिकट भी हासिल कर लिया है।

डिफेंडिंग चैंपियन भारत ने मैच की शुरुआत से ही शानदार खेल दिखाया। टीम को पहला गोल करने में सिर्फ सात मिनट लगे, जब पूजा साहू ने गेंद को गोलपोस्ट में पहुंचाते हुए टीम को 1-0 की बढ़त दिलाई। दो मिनट बाद रोशनी ऐंड ने भारत की बढ़त को दोगुना कर दिया। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार अटैक किया, जिससे पाकिस्तान की टीम पर दबाव बढ़ता चला गया। अगले पांच मिनट में भारत ने चार और गोल दाग दिए। तनुश्री दिनेश काडू ने 11वें मिनट में, सुखवीर कौर ने 13वें मिनट में और सानिका चंद्रकांत माने ने भी 13वें मिनट में गोल किया। मधु सिदार और गीता यादव ने भी गोल कर टीम की बढ़त और बढ़ा दी। वहीं, सानिका माने ने 23वें मिनट में अपना दूसरा गोल करके भारत की मजबूत स्थिति को और मजबूत कर दिया। भारत ने पहले हाफ में अपना दबदबा पूरी तरह बनाए रखा। तनुजा टोप्पो और पूजा मलिक ने गोल करके टीम की बढ़त को और मजबूत किया। इसके बाद 33वें मिनट में पूर्णिमा यादव ने भी गोल दागा, जिससे भारत ने हाफ-टाइम तक 10-0 की बड़ी बढ़त हासिल कर ली।

दूसरे हाफ की शुरुआत के बाद भी भारतीय टीम ने आक्रामक खेल जारी रखा। 39वें मिनट में मधु सिदार ने एक और गोल किया और एक मिनट बाद सुप्रिया ने भी मैच का अपना पहला गोल दागा। इसके बाद पूजा मलिक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 49वें और 51वें मिनट में लगातार दो गोल किए और अपनी हैट्रिक पूरी की। भारत ने पूरे मैच में पाकिस्तान को वापसी का कोई मौका नहीं दिया।

कृष्णा शर्मा और बिनिमा धन ने भी गोल किए, जिससे टीम की बढ़त लगातार बढ़ती गई। सुप्रिया ने 54वें मिनट में अपना दूसरा गोल दागा, जबकि रोशनी ने मैच के आखिरी मिनट में गोल करके अपना दूसरा गोल पूरा किया और भारत की शानदार जीत पर मुहर लगा दी। भारत की यह 19-0 की बड़ी जीत कोई हैरानी की बात नहीं थी, क्योंकि टीम ने ग्रुप चरण में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया था। भारत ने जापान, मलेशिया और साउथ कोरिया जैसी मजबूत टीमों को हराकर अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया था।

अब भारतीय टीम सेमीफाइनल में साउथ कोरिया और मलेशिया के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से भिड़ेगी। मौजूदा चैंपियन भारत लगातार तीसरी बार जूनियर महिला एशिया कप का खिताब जीतने से सिर्फ दो जीत दूर है। टीम ने 2023 और 2024 में भी यह ट्रॉफी अपने नाम की थी।

# डब्ल्यूबीबीएल सीजन 12: एडिलेड स्ट्राइकर्स में लौटीं सोफी एक्लेस्टोन, जानिए कैसा रहा है रिकॉर्ड?

विश्व केसरी■

**एडिलेड।** इंग्लैंड की स्टार खिलाड़ी सोफी एक्लेस्टोन विमेंस बिग बैश लीग (डब्ल्यूबीबीएल) सीजन 12 के लिए एडिलेड स्ट्राइकर्स में वापसी करेंगी। 27 वर्षीय बाएं हाथ की स्पिनर ने पिछले सीजन में स्ट्राइकर्स के लिए डेब्यू किया था और वह एक बार फिर टीम की बॉलिंग लाइन-अप में अनुभव और गुणवत्ता जोड़ेंगी।

विमेंस बिग बैश लीग का आगामी सीजन 29 अक्टूबर से 5 दिसंबर के बीच खेला जाएगा। पहले मैच में मेलबर्न रेनेगेड्स और सिडनी सिक्सर्स की टीमें आमने-सामने होंगी। एडिलेड स्ट्राइकर्स 31 अक्टूबर को कैरन रोल्टन ओवल में मेलबर्न स्टार्स के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी।

एक्लेस्टोन ने एडिलेड स्ट्राइकर्स में वापसी पर खुशी जताते हुए कहा, 'मैं टीम के साथ दोबारा जुड़ने और पिछले सीजन में हासिल की गई कामयाबियों को आगे बढ़ाने के लिए बहुत उत्साहित हूं। हम अगला कदम उठाने और फाइनल में जगह बनाने की कोशिश के लिए खुद को मजबूत स्थिति में लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

स्ट्राइकर्स के कोच ल्यूक विलियम्स ने कहा कि एक्लेस्टोन की वापसी से टीम को बहुत मजबूती मिलेगी। विलियम्स ने कहा, 'सोफी एक वर्ल्ड-क्लास खिलाड़ी हैं। उनका हुनर, अनुभव और दबाव में अच्छा प्रदर्शन करने की काबिलियत उन्हें हमारी टीम के लिए एक अहम खिलाड़ी बनाती है। सोफी जैसी काबिल खिलाड़ी के आने से हमारी बॉलिंग मजबूत होगी और टीम को बेहतरीन नेतृत्व भी मिलेगा।

एक्लेस्टोन को महिला क्रिकेट की बेहतरीन गेंदबाजों में से एक माना जाता है और वह आईसीसी महिला टी20 और वनडे, दोनों फॉर्मेट में 'नंबर 1' गेंदबाज रह चुकी हैं। एक्लेस्टोन ने विमेंस क्रिकेट वर्ल्ड कप 2022 में इंग्लैंड के शानदार प्रदर्शन में अहम भूमिका निभाते हुए 3.83 की इकॉनमी रेट से 21 विकेट लिए थे, जिसमें साउथ अफ्रीका के खिलाफ सेमीफाइनल में 36/6 का करियर-बेस्ट भी शामिल था।

# चांगवोन वर्ल्ड: मोना ने एलएल 28 कोटा हासिल किया, अवनी ने जीता कांस्य पदक

विश्व केसरी ■

**चांगवोन।** भारत की मोना अग्रवाल, जिन्होंने पेरिस 2024 पैरालिंपिक में कांस्य पदक जीता था, ने गुरुवार को वर्ल्ड शूटिंग पैरा स्पोर्ट चैंपियनशिप में महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल एसएच 1 इवेंट में रजत पदक जीतकर लॉस एंजिल्स 2028 (एलए 2028) पैरालिंपिक कोटा हासिल कर लिया।

भारत के लिए यह दोहरी खुशी की बात थी क्योंकि दो बार की पैरालिंपिक चैंपियन अवनी लेखरा ने कांस्य पदक जीता।

22 साल की सर्बियाई क्रिस्टीना ट्रिफुनोविक ने 250.2 के स्कोर के साथ स्वर्ण पदक जीता। मोना अग्रवाल 250.0 के स्कोर के साथ दूसरे नंबर पर रहीं, जबकि अवनी लेखरा ने 229.4 के स्कोर के कांस्य पदक जीता।

यह मोना का पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप पदक था, जिन्होंने पिछले साल इसी जगह पर वर्ल्ड कप में रजत पदक जीता था। इस बीच, अवनी, जो राइफल इवेंट्स में दो बार की पैरालंपिक चैंपियन और तीन बार की पैरालंपिक पदक विजेता हैं, जिन्होंने लगातार आर2 स्वर्ण पदक जीते हैं, ने आर2 और आर8 में अपना पहला वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब जीता।

अवनी की चार साल बाद इस इवेंट में पहुंची थीं। वह लीमा 2023 में नहीं खेल पाई थीं। उनका वर्ल्ड्स डेब्यू भी कोरिया में, चेओंगजू 2018 में हुआ था। वह चांगवोन रेंज को अच्छी तरह जानती हैं। उन्होंने वहां तीन वर्ल्ड कप में हिस्सा लिया है और 2022 में स्वर्ण पदक जीता था।

चांगवोन 2026 डब्ल्यूएसपीएस वर्ल्ड चैंपियनशिप, जहां 53 देशों के कुल 324 शूटर अपना फोकस और एक्यूरेसी टेस्ट करने के लिए मुकाबला कर रहे हैं, जिसमें एलए28 क्वालीफिकेशन कोटा भी दांव पर है, 24 कोटा जगहें देती हैं। इसमें 13 पुरुष और 11 महिलाओं को जगह दी जाती है। हर पदक इवेंट में टॉप दो रैंक वाले एथलीट (जो क्वालीफाइड नहीं हैं) अपने देश के लिए एक स्लॉट पाते हैं। एलए28 शूटिंग पैरा स्पोर्ट प्रोग्राम में 13 पदक इवेंट हैं: तीन पुरुषों के, तीन महिलाओं के, और सात ओपन। अगले पैरालिंपिक के लिए कुल 150 कोटा जगहें उपलब्ध होंगी, जिसमें पुरुषों के लिए 75, महिलाओं के लिए 60 और जेंडर-फ्री 15 एथलीट होंगे।

# यूएस ओपन: एलेना रायबाकिना ने किनवेन झेंग को हराकर नंबर 1 रैंक और सेमीफाइनल में जगह हासिल की

विश्व केसरी ■

**न्यूयॉर्क।** एलेना रायबाकिना ने क्वार्टर फाइनल में किनवेन झेंग को हराकर यूएस ओपन 2026 के महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। इस जीत के साथ ही रायबाकिना दुनिया की नई नंबर 1 खिलाड़ी बन गई हैं। 14 सितंबर को डब्ल्यूटीए द्वारा जारी होने वाली रैंकिंग में वह नंबर वन खिलाड़ी के रूप में स्थापित हो जाएंगी।

एलेना रायबाकिना ने किनवेन झेंग को 3-6, 6-1, 6-4 से हराया। रायबाकिना को झेंग ने कड़ी टक्कर दी।

आर्थर ऐश स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में शुरुआती सेट में रायबाकिना को धूप, परछाई और झेंग के दमदार शॉट्स से जूझना पड़ा। झेंग ने इसका फायदा उठाया और शुरुआती सेट का एकमात्र ब्रेक हासिल किया, फिर 6-3 से सर्व किया। दूसरे सेट में मैच जल्दी बदल गया, रयबाकिना ने सर्व और बेसलाइन से अपनी लय पकड़ ली। उन्होंने 38 मिनट में 6-1 से सेट अपने नाम कर लिया और निर्णायक सेट में जगह बना ली। तीसरा सेट तब तक कड़ा रहा जब तक झेंग ने डबल-फॉल्ट करके रयबाकिना को 5-4 की बढ़त नहीं दिला दी। फिर रयबाकिना ने वापसी करने के लिए मैच सर्व किया और सेट 6-4 से जीता।

मैच के बाद रायबाकिना ने कहा, 'अभी यह सिर्फ एक नंबर है। बेशक, मैं सेमीफाइनल में हूं। मेरा लक्ष्य उन टूर्नामेंट्स को जीतना है जिनमें मैंने खेला है। यह एक कमाल की कामयाबी है लेकिन हम जानते हैं कि मैच के दौरान टेनिस में रैंकिंग के हिसाब से सब कुछ कितनी जल्दी बदल सकता है। इसलिए मुझे लगता है कि मुझे बस अपने गेम पर फोकस करना है और रिकवर करने और अगले मैच का मजा लेने की कोशिश करनी है।

राइबाकिना अपने करियर में पहली बार यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। इसके पहले इस टूर्नामेंट में उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चौथे राउंड तक पहुंचना था।

पूर्व में विंबलडन और ऑस्ट्रेलियन ओपन जीत चुकी एलेना रायबाकिना अगर इस बार यूएस ओपन जीतने में कामयाब रहती हैं तो उनके करियर ग्रैंड स्लैम के तीन क्वार्टर पूरे हो जाएंगे। रायबाकिना के पास फ्रेंच ओपन खिताब भी नहीं है।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा डीबी कार्प लिमिटेड प्लाट नंबर 40/44 इण्डस्ट्रियल एरिया बीरगांव रोड़ उरला रायपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित और 30, मीडिया सीटी, हीरापुर रोड, मोहबा बाजार, टाटीबंध रायपुर छत्तीसगढ़- 492099,स्थानीय कार्यालय B-87A गायत्री नगर, शंकर नगर जगन्नाथ मंदिर के पास रायपुर छ.ग. 492004 से प्रकाशित, कार्यकारी संपादक: रामप्रसाद दुबे (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र रायपुर होगा) मोबाइल 9425509753 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. CTHIN/26/A6251